@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 5 मार्च 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 95 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ओमप्रकाश राजभर, दारा सहित तीन मंत्री ले सकते हैं शपथ

लखनऊ, 4 मार्च। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 का पहला मंत्रिमंडल विस्तार मंगलवार शाम 5 बजे राजभवन में होगा। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, भाजपा विधायक दारा सिंह चौहान और रालोद के एक से दो विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मंगलवार शाम को लखनऊ लौट रही है। उनके लखनऊ लौटने के बाद राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और सरकार के मंत्री मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट में होमगार्ड स्वयंसेवकों का आहार भत्ता चार गुना बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में होमगार्ड स्वयंसेवकों को अंतरजनपदीय आवागमन के दौरान ड्यूटी भत्ते के 30 रुपये भोजन भत्ता मिलता है। बढ़ती महंगाई में यह भत्ता नाकाफी है। इसकी वजह से होमगार्ड विभाग ने इसे बढ़ाकर 120 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। आबकारी विभाग अपने बकाये को हासिल करने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लाने की तैयारी में है। मंगलवार को कैबिनेट में इसका प्रस्ताव पेश किया जाएगा। बता दें कि आबकारी विभाग का वर्ष 1956 से करीब 43 करोड़ रुपये बकाया है। इनमें कई फुटकर व्यापारी शामिल हैं, जिन्होंने विभाग की बकाया रकम नहीं दी है।

चेन्नई जैसे शहरों को विकसित करने पर काम कर रहा केंद्रः मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

चेन्नई, 4 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार चेन्नई जैसे शहरों को विकसित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के मिशन में तमिलनाडु के लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, जब भी मैं चेन्नई आता हूं तो मुझे लोगों से उर्जा मिलती है। चेन्नई प्रतिभा, व्यापार और परंपरा का एक बड़ा केंद्र है और विकसित भारत के निर्माण के मिशन यहां के लोग बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे लिए आपका प्यार बहुत पुराना है। लेकिन हाल के वर्षों में जब भी मैं तमिलनाडु आता हूं, तो कई लोग परेशान हो जाते हैं। उन्हें परेशानी है कि यहां भाजपा की लोकप्रियता बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा, विकसित भारत के साथ ही मोदी ने विकसित तमिलनाडु का संकल्प लिया है। जल्द ही हमें भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। केंद्र सरकार चेन्नई जैसे शहरों को विकसित करने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि संकट के समय द्रमुक के लोग बाढ़ प्रबंधन के बजाए मीडिया प्रबंधन में व्यस्त थे। प्रधानमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बीच द्रमुक सरकार ने चेन्नई के लोगों

की जरूरतों और उनके सपनों से मुंह मोड़ लिया है। जब चक्रवात आया तो द्रमुक सरकार ने मदद करने के बजाए लोगों की समस्याओं को बढ़ाने का काम किया। संकट के समय द्रमुक के लोग बाढ़ प्रबंधन सुनिश्चित नहीं करते हैं। बल्कि मीडिया प्रबंधन करते हैं। उन्होंने आगे कहा, भाजपा सरकार एक संवेदनशील सरकार है, जो गरीबों पर बहुत ज्यादा ध्यान देती है। कोरोना के दौरान हमने गरीबों को मुफ्त राशन और सभी के लिए निशुल्क टीका सुनिश्चित किया। तमिलनाडु एमएसएमई क्षेत्र का अग्रणी राज्य रहा है। हमारी सरकार ने तमिलनाडु के एमएसएणई क्षेत्र को करोड़ों का ऋृण दिया। उन्होंने आगे कहा, परिवारवादी पार्टियां केवल अपने परिवारों के बारे में सोचती हैं। लेकिन मोदी भारत के भविष्य को ध्यान में रखकर काम करता है। पीएम मोदी ने कहा, जब परिवारवादी पार्टियां सत्ता में थीं, तब भारत के करीब 18,000 गांव बिजली के संघर्ष कर रहे थे। जिससे ढाई करोड़ से ज्यादा घर अंधेरे में रह रहे थे। उन्होंने कहा, द्रमुक और कांग्रेस जैसी पार्टियां कहती हैं- फैमिली फर्स्ट (परिवार पहले) और मोदी कहता है- देश पहले। यही कारण है कि इंडी अलायंस (विपक्षी गठबंधन) ने एक नया फॉर्मूला बनाया है और वे कहने लगे हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब यह है कि परिवार होने का मतलब भ्रष्टाचार का लाइसेंस प्राप्त करना है? उन्होंने आगे कहा, जिसका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है।

31 पदक विजेता खिलाड़ियों का सरकारी नौकरी के लिए हुआ चयन

देहरादून, 4 मार्च। प्रदेश में 31 पदक विजेता खिलाड़ियों का सरकारी नौकरी के लिए चयन हुआ है। खेल मंत्री रेखा आर्या के मुताबिक मूल प्रमाणपत्रों और पुलिस सत्यापन की कार्रवाई के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चयनित खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र देंगे। राज्य में पहली बार पदक लाने वाले खिलाड़ियों को सीधे नौकरी मिलेगी। खेल मंत्री के मुताबिक राज्य में खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए सीधे नौकरी की व्यवस्था की गई है। जिसके तहत खेल निदेशालय ने खेल नीति-2021 के तहत अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेता खिलाडियों को उत्तराखंड में राजपत्रित एवं अराजपत्रित पदों पर सीधे नौकरी के लिए आवेदन मांगे थे। विभिन्न विभागों में 156 पदों के विपरीत विभाग को कुल 120 आवेदन मिले हैं। स्क्रीनिंग समिति ने 120 आवेदन पत्रों में से 31 आवेदकों के लिए सीधे नौकरी की सिफारिश की है। पदक लाने वाले खिलाड़ियों को खेल विभाग में उप खेल अधिकारी के एक पद पर और सहायक प्रशिक्षक के दो पदों पर नौकरी के लिए चयनित किया गया है। जबकि युवा कल्याण विभाग में व्यायाम प्रशिक्षक के दो, क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी के तीन, पुलिस विभाग में कांस्टेबल के आठ, वन विभाग में वन दरोगा के 10, वन आरक्षी के पांच पदों के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया है। यह राज्य सरकार का खेल के क्षेत्र में ऐतिहासिक निर्णय है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक लाने वाले 31 खिलाड़ियों का विभिन्न विभागों में नौकरी के लिए चयन किया है।

एक नहीं दो सीटों से ताल ठोंक सकते हैं अखिलेश यादव

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 4 मार्च। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आगामी लोकसभा चुनाव दो सीटों से लड़ सकते हैं। उनके लिए कन्नौज और आजमगढ़ दोनों में तैयारियां चल रही हैं। इन दोनों लोकसभा क्षेत्रों से अखिलेश यादव पहले भी सांसद रह चुके हैं। सपा ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को कन्नौज और आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया है। ये दोनों ही सीटें मुस्लिम और यादव मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी होने के कारण सपा का गढ़ मानी जाती हैं। कन्नौज से अखिलेश यादव लगातार 2000, 2004 और 2009 का लोकसभा चुनाव जीते थे। उसके बाद 2014 में उनकी पत्नी डिंपल यादव यहां से जीतीं। जीत का यह सिलसिला वर्ष 2019 में थमा, जब डिंपल यादव भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक से हार गईं। इसी तरह से आजमगढ़ से वर्ष 2014 का चुनाव मुलायम सिंह यादव जीते और 2019 में अखिलेश यादव वहां से सांसद चुने गए। लेकिन, अखिलेश यादव के विधानसभा सदस्य चुने जाने के बाद जब इस लोकसभा सीट पर

उपचुनाव हुआ तो सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव यहां से हार गए। दिलचस्प मुकाबले में आजमगढ़ से भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ जीते। इन दोनों ही सीटों को पुनः हासिल करने के लिए सपा कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि आजमगढ़ के प्रभावशाली नेताओं को विधान परिषद में भेजने की तैयारी है। पूर्व विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को भी बसपा से तोड़कर सपा में लाया जा चुका है। सपा ने अपने रणनीतिकारों को क्षेत्र में बने रहने के लिए कहा है, ताकि पार्टी के भीतर कहीं कोई असंतोष होने पर उसे थामा जा सके। सपा सूत्रों का कहना है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद इन दोनों सीटों से चुनाव लड़ सकते हैं। अखिलेश यादव के उतरने से स्थानीय स्तर पर पार्टी के भीतर मतभेदों की गुंजाइश नहीं बचेगी, इसके मद्देनजर भी यह फैसला किया गया है। उधर, संभल से अखिलेश परिवार के किसी नेता को चुनाव लड़ाने की अटकलों पर विराम लग गया है। सपा सूत्रों का कहना है कि बदायूं से शिवपाल यादव चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए पड़ोस की संभल सीट से किसी यादव को उतारने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

भाजपा की दूसरी सूची जल्द आने की संभावना

बंगलूरू, 4 मार्च। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशियों की अगली सूची जल्द जारी होने की संभावना है। कद्दावर भाजपाई बीएस येदियुरप्पा ने बताया है कि भाजपा बुधवार को उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर सकती है। कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने कहा कि भाजपा प्रत्याशियों की सूची बुधवार कोजारी किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली रवाना हो रहे हैं। प्रत्याशियों की सूची पर पार्टी आधिकारिक तौर पर जल्द ही अहम अपडेट शेयर करेगी।सोमवार को येदियुरप्पा ने कहा कि वे बुधवार को दिल्ली में आयोजित बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सहित दूसरे प्रदेशों की संसदीय सीटों पर भी उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा , मेरा मानना है कि परसों सूची फाइनल हो जाएगी। राष्ट्रीय नेता सूची पर अंतिम फैसला करेंगे। क्या भाजपा की दूसरी सूची में कर्नाटक की सभी 28 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का एलान कर दिया जाएगा? इस सवाल पर येदियुरप्पा ने कहा, अब संभवतः कोई देरी नहीं होगी। सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो सकती है। कर्नाटक में नए प्रत्याशियों के नाम पर दांव लगाने के बारे में येदियुरप्पा ने कहा, इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के मन में क्या चल रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान ही अंतिम फैसला करेगा। गठबंधन सहयोगी जनता दल सेकुलर (जेडीएस) को कितनी सीटें दी जाएंगी? इस सवाल पर येदियुरप्पा ने मौन साध लिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ सीट शेयरिंग पर जल्द समझौता किया जाएगा।

देश लूट रहा है मोदी का असली परिवारः राहुल गांधी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 4 मार्च। मोदी का परिवार अभियान पर राहुल गांधी ने पलटवार किया। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी की तस्वीर के साथ राहुल ने लोकसभा में अपने संबोधन की पुरानी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा, ...देश लूट रहा है मोदी का असली परिवार। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में किसान कर्जदार हैं, युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, मजदूर लाचार हैं। इसी के साथ राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी का असली परिवार देश लूट रहा है। बता दें कि राहुल पहले भी पीएम मोदी और केंद्र की भाजपा नीत ङ्घ्र सरकार पर अदाणी को लाभ पहुंचाने वाली नीतियां बनाने जैसे आरोप लगाते रहे हैं। इससे पहले कई दूसरे कांग्रेस नेताओं ने भी भाजपा पर ध्यान भटकाने का अभियान चलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा ऐसे हथकंडे अपना रही है। मुख्य मुद्दे महंगाई,

पेपर लीक और बेरोजगारी हैं... भाजपा मुद्दे से भाग रही है। बकौल सुप्रिया श्रीनेत, बीजेपी ध्यान भटकाओ अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति पर बोलना बंद कर महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, गरीबी और महिलाओं के खिलाफ अपराध पर बोलना शुरू करना चाहिए। भाजपा की तरफ से शुरू मोदी का परिवार मुहिम पर कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, रविवार को बिहार की राजधानी पटना में विपक्षी दलों की रैली में जनता के बीच खासा उत्साह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि हर गुजरते दिन के साथ विपक्षी दलों का गठबंधन- ढ्ढहृष्ठढ्ढ मजबूत हो रहा है।

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को ईडी का दूसरा समन जारी

नई दिल्ली, 4 मार्च। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा को फेमा उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। उन्हें 11 मार्च को एजेंसी के कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा की पूर्व सदस्य मोइत्रा ने जांच में शामिल होने के लिए कुछ हफ्तों का समय मांगा था। उन्होंने एजेंसी को पत्र भेजकर पिछले महीने पेश होने में असमर्थता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि मोइत्रा को अब 11 मार्च को ईडी कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। जांच एजेंसी विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत उनसे पूछताछ करना चाहती है और उनका बयान दर्ज करना चाहती है। सूत्रों ने कहा कि इस मामले में कुछ अन्य विदेशी प्रेषण और धन के हस्तांतरण के अलावा एनआरई खाते से जुड़े लेनदेन एजेंसी की जांच के दायरे में हैं।

गुलाम नबी की पीएम मोदी से अपील

जम्मू, 4 मार्च। डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि जम्मू कश्मीर में वो विकास किया जाना चाहिए, जिसे यहां कि रियासती सरकारें नहीं कर सकीं। उन्होंने यह अपील पीएम मोदी के आगामी कश्मीर दौरे से जुड़े एक सवाल के जवाब में की। गुलाम नबी ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में वे जाते रहते हैं। हाल ही में जम्मू के बाद अब वे कश्मीर दौरे पर भी आ रहे हैं। यहां वो विकास किया जाना चाहिए जो पहले नहीं हो सका। साथ ही आजाद ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए। अनंतनाग के ऐशमुकाम इलाके में एक रैली में आजाद ने कहा, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने संसद में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया है। हमने जोर दिया था कि यह विधानसभा चुनाव से पहले किया जाना चाहिए, लेकिन सरकार ने कहा कि वे इसे विधानसभा चुनाव के बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद काफी समय लग सकता है। लेकिन यह तुरंत होना चाहिए। कश्मीर और जम्मू क्षेत्र में एक-एक बिजली परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 4,000 मेगावाट होने की बात कही गई है। इससे जम्मू और कश्मीर में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। आजाद ने कहा कि स्टार्टअप के लिए बिजली बुनियादी जरूरत है। आजाद ने कहा, जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी को दूर करने का यही एकमात्र तरीका है। जम्मू और कश्मीर में पिछले 10 वर्षों से भाजपा का शासन रहा है।

पांच लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को तोहफा, एरियर मिलेगाः सुक्खू

सौरभ शर्मा

शिमला, 4 मार्च। हिमाचल प्रदेश सरकार ने करीब पांच लाख सरकारी कर्मचारियों व पेंशनरों को बड़ा तोहफा दिया है। सुक्खू सरकार ने सोमवार को कर्मचारियों और पेंशनरों को छठे वेतन आयोग का एरियर देने के आदेश जारी किए। कर्मचारियों और पेंशनरों को आगामी वित्त वर्ष में कुल एरियर का साढ़े चार फीसदी भुगतान किया जाएगा। यह 1 जनवरी 2016 से दिया जाना है। इसमें 1.50 प्रतिशत की अदायगी मार्च में कर दी जाएगी। इसके बाद हर महीने 0.25 प्रतिशत से अधिक एरियर की अदायगी नहीं की जाएगी। एरियर हर माह वेतन और पेंशन के साथ दिया जाएगा। इसी के साथ कर्मचारियों के साढ़े 24 प्रतिशत एरियर का भुगतान हो जाएगा। 20 फीसदी पहले ही दिया जा चुका है। अगर पेंशनरों का एरियर पांच हजार रुपये से कम रहा तो इसे एक साथ दे दिया जाएगा। वहीं, वहीं, महंगाई भत्ते का एरियर भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में नियमित कर्मचारियों और पेंशनरों को हर माह के वेतन में डेढ़ प्रतिशत दिया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बकाया की मात्रा वेतनमान और डीए के बकाया के लिए निर्धारित सीमा से अधिक न हो। सरकार ने पेंशनरों के लिए भी चार फीसदी महंगाई भत्ते की अधिसूचना जारी की है। यह सरकारी पेंशनरों और

पारिवारिक पेंशनरों के लिए एक जुलाई 2022 से देय है। इसे एक अप्रैल 2024 से दिया जाएगा। भत्ता 34 से बढ़कर 38 प्रतिशत हो गया है। अतिरिक्त महंगाई भत्ता मई में दिए जाने वाले अप्रैल के वेतन में दिया जाएगा। सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनरों को बीते 2 मार्च को चार फीसदी महंगाई भत्ता जारी किया था। जुलाई 2022 से एरियर में बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता दिया जाएगा। मई में मिलने वाले अप्रैल के वेतन में नकद मिलेगा। अब एरियर देने का भी एलान किया है। एक जुलाई 2022 से लेकर 31 मार्च 2024 का एरियर देने के तरीके को अलग से आदेश निकालकर दिया जाएगा। प्रधान सचिव वित्त ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी की है। कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने की अधिसूचना पहले से ही जारी कर दी गई है। प्रदेश के कर्मचारियों के साथ बहुत बड़ा खेला हो गया है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ इस चरणबद्ध तरीके का विरोध करते है। सरकार को प्रदेश के सभी कर्मचारियों को एकमुश्त वेतन का एरियर ओर डीए का एरियर देना होगा। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रांत अध्यक्ष पवन कुमार, राष्ट्रीय सचिव पवन मिश्रा, प्रांत महामंत्री डॉ. मामराज पुंडीर, प्रांत संगठन मंत्री विनोद सूद, मीडिया प्रभारी शशि शर्मा, सभी जिलों के अध्यक्ष, महामंत्री ने सरकार से मांग की है कि प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को एक मुश्त उनकी मेहनत का एरियर दे।

सोनिया-प्रियंका से मिले मुकेश और अनिरुद्ध, डैमेज कंट्रोल से कराया अवगत

शिमला, 4 मार्च। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और कैबिनेट मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने सोमवार शाम नई दिल्ली में कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने प्रदेश में मची सियासी हलचल के बीच सरकार और संगठन में हुए डैमेज कंट्रोल से अवगत कराया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में आस्था जताते हुए लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि शिमला से दिल्ली पहुंचे मुकेश और अनिरुद्ध ने सरकार और संगठन में किसी भी प्रकार का बदलाव न करने की पैरवी की। कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव में मिली हार के बाद प्रदेश में घटित हुए सियासी घटनाक्रम की हाईकमान को विस्तार से जानकारी दी। बताया कि किस प्रकार से राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी की हार हुई। छह बागी विधायकों ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया। पार्टी पर्यवेक्षकों डीके शिवकुमार, भूपेंद्र हुड्डा सहित भूपेश बघेल और राजीव शुक्ल ने शिमला पहुंचकर सभी विधायकों से चर्चा की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की नाराजगी को भी दूर किया। सभी मतभेदों को अब भुलाकर सरकार और संगठन की मजबूती के लिए काम किया जा रहा है। उधर, सूत्रों ने बताया कि हाईकमान ने सरकार और संगठन में बेहतर तालमेल बनाने के निर्देश दिए हैं। सुक्खू से मिले कुलदीप कुमार, गगरेट की राजनीति पर चर्चाकांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व उद्योग मंत्री कुलदीप कुमार ने सोमवार को मुख्यमंत्री सुक्खू से मुलाकात कर गगरेट विधानसभा क्षेत्र की राजनीति को लेकर चर्चा की। गगरेट से कांग्रेस के विधायक चैतन्य शर्मा को अयोग्य घोषित करने के बाद से गगरेट में राजनीतिक गतिविधियां गरमाई हुई हैं। इसी कड़ी में सोमवार को गगरेट से तीन बार विधायक रह चुके कुलदीप कुमार की मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। लोकनिर्माण और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह चार दिन बाद सोमवार देर रात दिल्ली से चंडीगढ़ पहुंचे। 29 फरवरी को विक्रमादित्य सिंह शिमला से एकाएक चंडीगढ़ में कांग्रेस के बागी विधायकों से मिलने पहुंच गए थे। 1 मार्च को विक्रमादित्य सिंह दोपहर बाद चंडीगढ़ से दिल्ली गए। तीन मार्च को दिल्ली लौटकर प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की।

हेमंत सोरेन को जेल में डालने वाली ताकतों को दिया जाएगा मुंहतोड़ जवाबः कल्पना

नरेश मल्होत्रा

रांची, 4 मार्च। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने सोमवार को कहा कि झारखंड उन ताकतों को करारा जवाब देगा, जिन्होंने उनके पति को सलाखों के पीछे डाला है। वह गिरिडीह जिले में झामुमो के 51वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहीं थीं। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि 2019 में झारखंड में गठबंधन सरकार सत्ता में आने के बाद से हेमंत सोरेन के खिलाफ विरोधियों द्वारा साजिश रची जा रही थी। अपने संबोधन के दौरान कल्पना के आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा, मैंने सोचा था कि मैं अपने आंसुओं को रोक लूंगी। लेकिन आप लोगों के प्यार और समर्थन से मुझे वह ताकत मिल रही है, जो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था। केंद्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी साजिश रची जिसके कारण हेमंत सोरेन को जेल जाना पड़ा। दिल्ली में बैठने वालों के पास दिल नहीं है। वे आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक को कीड़ों के समान मानते हैं और सोचते हैं कि वे उनके साथ कुछ भी कर सकते हैं। कल्पना ने आगे पूछा, पूर्व मुख्यमंत्री का क्या अपराध है। केंद्र से झारखंड के लिए 1.36 करोड़ रुपये

मांगना अपराध है या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 फीसदी आरक्षण मांग वाला विधेयक विधानसभा में पारित करना अपराध है? अलग सरना धर्म संहिता की मांग करना, स्थानीय लोगों के लिए अधिवास नीति सुनिश्चित करना, किसानों का कर्ज माफ करना या (कोरोना काल में) दूसरे राज्यों से श्रमिकों को हवाई जहाज, बसों व ट्रेनों से वापस लाना अपराध है? किसी पार्टी का नाम लिए बगैर उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी मंशा सरकार गिराने की थी। पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी ने कहा, हम इस बार अपने विधायकों के समर्पण के बदलौत उनकी साजिश को विफल करने में सफल रहे। भविष्य में हमें अपने वोट के जरिए यह दिखाना होगा कि झारखंड झुकेगा नहीं। उन्होंने (भाजपा की ओर इशारा करते हुए) 2019 में हेमंत सोरन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के बाद से साजिश रचनी शुरू कर दी थी। उन्होंने आखिरकार उन्हें जेल में डाल दिया। लेकिन वे नहीं जानते कि हेमंत सोरेन झारखंड के लोगों के दिलों में रहते हैं।उन्होंने हेमंत सोरेन को जेल में डालकर झारखंड के हर व्यक्ति के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ किया है। आने वाले दिनों में उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस राजनीतिक पार्टी नहीं, एक वंश है

कोलकाता, 4 मार्च। लोकसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, वरिष्ठ नेता तापस रॉय ने पार्टी और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पश्चिम बंगाल भाजपा ने सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधा है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि टीएमसी कोई पार्टी नहीं, बल्कि यह एक वंश है। यह बुआ-भतीजा की एक कंपनी है। अच्छे लोगों को पार्टी को छोड़ देना चाहिए। तापस रॉय के इस्तीफे पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, वह हमारे राज्य के वरिष्ठ नेता हैं। वह पूर्व मंत्री रहे हैं, चार-पांच बार विधायक रहे हैं। मैं पार्टी और एक विधायक के रूप में इस्तीफा देने के उनके फैसले का स्वागत करता हूं। अगर वह भाजपा में शामिल होने का अनुरोध करते हैं, तो पार्टी से चर्चा करने के बाद हम इसकी घोषणा करेंगे। वहीं, तापस रॉय ने अपने इस्तीफे को लेकर कहा, इस्तीफे की कई कारण हैं। विभिन्न घोटाले, संदेशखाली की घटना और अपमान इन वजहों में शामिल हैं।

जयशंकर ने कटाक्ष पर दी तीखी प्रतिक्रिया, कहा- बड़े बदमाश 4.5 अरब अमेरिकी डॉलर की मदद नहीं देते...

राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सवाल पूछने पर कि क्या भारत इस क्षेत्र (उपमहाद्वीप और..

इंटरनेशनल डेस्क. राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सवाल पूछने पर कि क्या भारत इस क्षेत्र (उपमहाद्वीप और हिंद महासागर क्षेत्र) में बदमाशी कर रहा है पर तीखा जवाब देते हुए कहा, बड़े बदमाश जब पड़ोसी संकट में हों तो 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता नहीं देते। दुनिया के इस हिस्से में आज बड़ा बदलाव वह है जो भारत और उसके पड़ोसियों के बीच हुआ है। जब आप कहते हैं कि भारत को एक बड़ा बदमाश माना जाता है, तो आप जानते हैं, जब पड़ोसी मुसीबत में होते हैं तो बड़े बदमाश साढ़े चार अरब डॉलर नहीं देते हैं।

जयशंकर रविवार को एक कार्यक्रम में कहा जब कोविड चालू होता है तो बड़े बदमाश अन्य देशों को टीके की आपूर्ति नहीं करते हैं या भोजन की मांग या ईंधन की मांग या उर्वरक की मांग का जवाब देने के लिए अपने स्वयं के नियमों में अपवाद नहीं बनाते हैं क्योंकि दुनिया के किसी अन्य हिस्से में कुछ युद्ध ने उनके जीवन को जटिल बना दिया है । बार्ब पर जयशंकर की इस प्रतिक्रिया का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से साझा किया गया है। जयशंकर ने कहा ÷आपको आज यह भी देखना होगा कि वास्तव में भारत और उसके पड़ोसियों के बीच क्या बदलाव आया है। निश्चित रूप से, बांग्लादेश और नेपाल के साथ, मेरा मतलब है कि आज आपके पास एक पावर ग्रिड है, आपके पास ऐसी सड़कें हैं जो एक दशक पहले अस्तित्व में नहीं थीं, आपके पास रेलवे हैं जो एक दशक पहले अस्तित्व में नहीं थीं, आपके पास जलमार्ग का

उपयोग है। भारत और उसके पड़ोसी देशों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने और बेहतर बनाने के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित करते हुए, जयशंकर ने कहा कि नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश और मालदीव के साथ व्यापार, निवेश और यात्रा में तेज वृद्धि देखी गई है। जयशंकर ने आगे कहा आज कनेक्टिविटी पर, बस ऊपर-नीचे आने-जाने वाले लोगों की मात्रा, वहां होने वाले व्यापार की मात्रा, वहां जो निवेश है, यह वास्तव में बताने के लिए एक बहुत, बहुत अच्छी कहानी है। सिर्फ नेपाल और बांग्लादेश के साथ ही नहीं, श्रीलंका के साथ भी, मैं मालदीव और भूटान के साथ भी कहूंगा । मेरा मतलब है कि मैं उन्हें चूकना नहीं चाहता क्योंकि वे लगातार मजबूत भागीदार रहे हैं। इसलिए पड़ोस में हमारी समस्या, बहुत ईमानदारी से, एक देश के संबंध में है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, निश्चित रूप से, सभी भारतीयों को विदेश नीति में अधिक रुचि लेने की जरूरत है। यह पूरी दुनिया में बहुत आम है, ऐसी धारणा है कि विदेश नीति कुछ जटिल, गूढ़ है, जिससे निपटने के लिए इसे कुछ लोगों पर छोड़ दिया जाना चाहिए... जो पूरी तरह से बिना किसी औचित्य के नहीं है।उन्होंने कहा मेरे लिए, कई घटनाएं घटीं, जिनसे पता चला कि औसत व्यक्ति के लिए विदेश नीति में शामिल होना और इस पर अधिक ध्यान देना महत्वपूर्ण है। इन घटनाओं में कुछ कोविड महामारी से जुड़ी थीं।÷कोविड-19 महामारी के दौरान मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों और वैश्विक साझेदारों के प्रति भारत की पहुंच का आह्वान करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि उस समय की अभूतपूर्व घटनाओं ने दिखाया कि कैसे दुनिया ने आपको अकेला नहीं छोड़ने का फैसला किया।कोविड ने दिखाया कि यदि आप भारत के किसी सुदूर हिस्से में रहने वाले व्यक्ति हैं, जिसकी दुनिया में कोई दिलचस्पी नहीं है तो भारत ने आपको अकेला नहीं छोड़ने का फैसला किया ।

कंगाल पाकिस्तान ने दोस्त चीन को लगाया 500 अरब का चूना, बौखलाए जिनपिंग, भाग खड़ी हुई चीनी कंपनियां

इस्लामाबाद. पाकिस्तान और चीन दोनों ही आयरन ब्रदर होने का दावा करते हैं लेकिन अब दोनों की दोस्?ती पर संकट मंडरा रहा है। कंगाल हो पाकिस्तान अब चीन के लिए मुसीबत बन गया है। पाकिस्तान में चीन की बिजली कंपनियों ने अरबों डॉलर का निवेश कर रखा है लेकिन अब उसका पैसा नहीं लौट रहा है। चीन सरकार की कई चेतावनी के बाद भी पाकिस्तान की सरकार ने जब पैसा नहीं लौटाया तो कई चीनी कंपनियों ने इस्लामाबाद से बोरिया बितर समेट लिया है। यह धनराशि करीब 493 अरब पाकिस्तानी रुपये बताई जा रही है। यह खुद पाकिस्तान की सरकार ने कबूल किया है कि पावर सेक्टर की चीनी कंपनियों ने जनवरी 2024 में अपने निवेश में से 17 करोड़ डॉलर को निकाल लिया है। यह पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गया है।पाकिस्तान में सीपीईसी की परियोजना के तहत चीन ने करीब 62 अरब डॉलर का निवेश कर रखा है और इसे वह और ज्यादा बढ़ा रहा है।

पाकतानी पत्रकार कामरान युसूफ कहते हैं कि पाकिस्तान में जहां चीन जमकर पैसा खर्च कर रहा है, वहीं पाकिस्तान को जो पैसा लौटाना था, वह नहीं लौटाया। पाकिस्तान पर अब चीन की बिजली कंपनियों का करीब 493 अरब पाकिस्तानी रुपये का कर्ज बकाया है। पाकिस्तान में चीनी बिजली कंपनियों ने कारखाने लगाए थे और इसके बाद में इस्लामाबाद की सरकार को पैसा वापस देना था। पाकिस्तान अपनी जनता से बिजली का पैसा ही नहीं वसूल कर पा रहा है। उन्होंने बताया कि चीन और पाकिस्तान में सहमति बनी थी कि जो पैसा जनता से नहीं मिल पा रहा है, वह पाकिस्तान की सरकार चीन को लौटाएगी लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

चीन के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान लगाई थी झाड़

इस मुद्दे को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने खुद पाकिस्तानी सरकार से कड़ाई से यह मुद्दा उठाया था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद अब चीन की बिजली कंपनियों ने पाकिस्तान से निकल जाना ही उचित समझा। कामरान ने कहा कि अब पाकिस्तान में नई सरकार आ गई है और उसे चीन को मनाना सबसे जरूरी होगा। शहबाज सरकार के लिए कड़े फैसले लेना भी काफी मुश्किल होगा।

चीन ने पाकिस्तान के ऊर्जा सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश कर रखा है। पाकिस्तान और चीन के बीच चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा प्रॉजेक्ट पिछले 10 साल से चल रहा है। इस परियोजना ने पाकिस्तान को जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित करने में मदद की है।

दुबई में खुली भारत के सुनील नैयर की किस्मत, लकी ड्रॉ में हाथ लगा खजाना, रातोंरात बने करोड़पति

दुबई. यूएई के अबू धाबी में रहने वाले एक भारतीय ने दुबई ड्यूटी फ्री मिलेनियम मिलियनेयर ड्रा में 1 मिलियन डॉलर (करीब 8 करोड़, 29 लाख रुपए) का इनाम जीता है। शनिवार, 2 मार्च को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप पुरुषों के फाइनल पुरस्कार समारोह के बाद ये ड्रॉ हुआ। विनिंग टिकट फ्रेंच नंबर 5 टेनिस खिलाड़ी और टूर्नामेंट के चैंपियन उगो हम्बर्ट ने हासिल किया। उन्होंने फाइनल में अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर अपना पहला दुबई खिताब जीता।

अबू धाबी में रहने वाले 60 साल के भारतीय सुनील नैय्यर मिलेनियम मिलियनेयर सीरीज 452 में टिकट 0971 के साथ करोड़पति बने हैं। इस टिकट को उन्होंने 21 फरवरी को ऑनलाइन खरीदा था। सुनील 39 साल से अबू धाबी में रह रहे हैं। 15 सालों से वह लगातार दुबई ड्यूटी फ्री में हिस्सा ले रहे हैं। नैय्यर एक बच्चे के पिता हैं और एक बीमा कंपनी के लिए वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम करते हैं।

मुझे उम्मीद थी एक दिन जरूर जीतूंगा

सुनील नैयर ने जीत के बाद दुबई ड्यूटी फ्री का शुक्रिया किया है। जीत पर हुए सवाल पर नैय्यर ने कहा, मैं लंबे समय से टिकट खरीद रहा हूं। मुझे उम्मीद थी कि मेरी भी किस्मत रंग लाएगी। मैंने कभी उम्मीद नहीं खोई, हमेशा खुद से कहा कि मैं एक दिन जरूर जीतूंगा और आखिरकार ऐसा हुआ। आज मैंने इनाम जीता है।

सुनील नैयर से जब पूछा गया कि जीती हुई रकम का वो क्या करेंगे और उनकी क्या योजनाएं हैं तो उन्होंने कहा, ÷निश्चित रूप से यह मेरे बेटे की शिक्षा पर खर्च किया जाएगा, जो वर्तमान में यूके में एयरोस्पेस की पढ़ाई कर रहा है। उसकी पढ़ाई के अलावा कुछ पैसा में अपने लिए भी रखूंगा क्योंकि अब मैं रिटायर होने के बारे में सोच रहा हूं। सुनील नैयर दिल्ली के रहने वाले हैं। नैय्यर 1999 में मिलेनियम मिलियनेयर प्रमोशन की शुरुआत के बाद से 1 मिलियन डॉलर जीतने वाले 225वें भारतीय नागरिक हैं। दुबई ड्यूटी फ्री मिलेनियम मिलियनेयर टिकट खरीदने वालों में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा है।

भारत अब मालदीव के न्यायिक और कस्टम अधिकारियों को देगा ट्रेनिंग

माले. भारत अब नई दिल्ली और माले के बीच क्षमता निर्माण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में मालदीव के 50 न्यायिक अधिकारियों और 30 सीमा शुल्क (कस्टम) अधिकारियों को प्रशिक्षण देगा। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि चौथा अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम भारत की राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि भारत-मालदीव न्यायिक क्षमता निर्माण सहयोग जारी है। 50 मालदीव न्यायिक अधिकारी (न्यायाधीश) NJAI भोपाल और मालदीव छ्रस्ष्ट के बीच हस्ताक्षरित 2020 स्ष्भ के तहत भारतीय राष्ट्रीय न्यायिक

अकादमी NJAI, भोपाल में चौथे अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे।मालदीव न्यायपालिका ने भी इस आयोजन के बारे में पुष्टि की और कहा कि विदाई समारोह शनिवार को आयोजित किया गया था।लदीव न्यायपालिका ने एक्स पर पोस्ट किया, मालदीव के न्यायिक अधिकारियों के लिए भारतीय राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (एनजेएआई) द्वारा आयोजित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भाग लेने वाले न्यायाधीशों और कर्मचारियों के चौथे बैच के लिए विदाई समारोह कल आयोजित किया गया था। एक अन्य पोस्ट में, भारतीय उच्चायोग ने मालदीव के कस्टम अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी घोषणा की।

भारतीय उच्चायोग ने कहा, सीमा शुल्क क्षमता निर्माण सहयोग जारी है। 2019 में CBIC और स्ब्र्स के बीच स्ष्भ के तहत ये अधिकारी भारत का दौरा कर रहे हैं मालदीव सीमा शुल्क सेवा ने बताया कि खुफिया, सूचना और जांच प्रशिक्षण फरीदाबाद में आयोजित किया जाएगा। @HCIMaldives के डिप्टी मयंक सिंह ने 30 अधिकारियों से मुलाकात की, जो भारत के फ़रीदाबाद में 4-8 मार्च तक आयोजित होने वाले इंटेलिजेंस, सूचना और जांच प्रशिक्षण में भाग लेंगे।

मुस्लिम देश यूएई में दिखा अयोध्या जैसा नजारा, अबू धाबी के मंदिर में दर्शन करने वालों का लगा तांता, पहुंचे 65 हजार लोग

अबू धाबी. यूएई के अबू धाबी में बना हिंदू मंदिर दुनियाभर के भक्तों और पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहा है। आम लोगों के लिए खुलने के बाद इस मंदिर में भी अयोध्या के राम मंदिर की तरह लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बीएपीएस की ओर से बताया गया है कि मंदिर आम लोगों के लिए खुलने के बाद आए पहले रविवार को भारी भीड़ उमड़ी है। 3 मार्च, रविवार को 65,000 से ज्यादा भक्त और पर्यटक मंदिर पहुंचे। मंदिर में आने वाले आगंतुकों ने मंदिर के खुलने पर खुशी व्यक्त करते हुए प्रबंधन के लिए बीएपीएस स्वयंसेवकों और मंदिर के कर्मचारियों की भी प्रशंसा की है।

बीएपीएस की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, अबू धाबी के हिंदू मंदिर के जनता के लिए खुलने के पहले रविवार को 65,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। सुबह को मंदिर खुलते ही सुबह के समय 40,000 से अधिक पर्यटक बसों और गाड़ियों में भरकर पूजा-अर्चना करने पहुंचे, इसके बाद शाम को भी 25,000 से अधिक पर्यटक पहुंचे। भारी भीड़ के बावजूद, भक्त 2,000 के समूह में एकत्रित हुए और बिना किसी धक्का-मुक्की के धैर्यपूर्वक कतार में लगे रहे। लोग अनुशासन का परियच देते हुए मंदिर में आगे बढ़े और दर्शन किए।

ऑस्ट्रेलिया में आसियान बैठक के एजेंडे में चीन और म्यांमार पर रहेगा फोकस

मेलबर्न. दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के नेताओं के इस सप्ताह ऑस्ट्रेलिया में होने वाले शिखर सम्मेलन के एजेंडे में चीन की बढ़ती आक्रामकता और म्यांमा में मानवीय संकट शीर्ष पर हो सकता है।

सोमवार को मेलबर्न में शुरू होने वाला दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान)-ऑस्ट्रेलिया विशेष शिखर सम्मेलन ऑस्ट्रेलिया के इस एशियाई संगठन का पहला आधिकारिक भागीदार बनने के 50 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। आसियान के 10 में से नौ देशों के नेताओं के इस तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है।म्यांमार को 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से देश में हिंसा रोकने में नाकामी को लेकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर रखा गया है।

पूर्वी तिमोर के नेता को आधिकारिक आसियान पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया है और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष को क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात करने के लिए आमंत्रित किया है।

अल्बानीज ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''ऑस्ट्रेलिया आसियान को एक स्थिर, शांतिपूर्ण और समृद्ध क्षेत्र के केंद्र के रूप में देखता है। अपने संबंधों को मजबूत करने से भविष्य में हमारी साझा समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने एक बार पहले भी 2018 में सिडनी में आसियान नेताओं की मेजबानी की थी। तब नेताओं ने मेज़बान देश के साथ एक बयान जारी किया जिसमें दक्षिण चीन सागर के विवादित जल क्षेत्र के लिए एक आचार संहिता बनाने का आह्वान किया गया था।

सबसे उम्रदराज अंतरिक्ष यात्री सहित चार नए एस्ट्रोनॉट खास मिशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन रवाना

वॉशिंगटन. चार अंतरिक्ष यात्री रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के लिए रवाना हुए जहां वे छह महीने के अपने प्रवास के दौरान दो नए रॉकेटशिप (रॉकेट द्वारा संचालित अंतरिक्ष यान) के आगमन की निगरानी करेंगे। अमेरिका की निजी अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी 'स्पेसएक्स के फाल्कन रॉकेट ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मैथ्यू डोमिनिक, माइकल बराट और जेनेट एप्स तथा रूस के एलेक्जेंडर ग्रेबेनकिन को लेकर केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। माइकल बराट अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले सबसे उम्रदराज यात्री हैं। पेशे से डॉक्टर बराट (65) का यह तीसरा अंतरिक्ष मिशन है।अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को ISS पहुंचेंगे। वे अमेरिका, डेनमार्क, जापान और रूस के अंतरिक्ष यात्रियों का स्थान लेंगे जो अगस्त से वहां मौजूद हैं। तेज हवा के कारण इन अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने में तीन दिन की देरी हुई। ये नए अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में छह महीने तक रहने के दौरान दो रॉकेटशिप के आगमन की निगरानी करेंगे। जेनेट एप्स दूसरी अश्वेत महिला हैं जिन्हें अंतरिक्ष स्टेशन पर इतने लंबे मिशन के लिए भेजा गया है। उन्होंने उड़ान भरने से पहले कहा कि वह खासतौर से अश्वेत लड़कियों के लिए आदर्श बनकर गर्व महसूस कर रही हैं और उन्हें यह दिखा रही है कि अंतरिक्ष यात्रा ''उनके लिए भी एक विकल्प है।

पेशे से इंजीनियर एप्स ने 2009 में अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले फोर्ड मोटर कंपनी और सीआईए के लिए काम किया है। एप्स को 2018 में रूस के एक रॉकेट से अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा जाना था लेकिन उनके स्थान पर किसी और को भेज दिया गया था और इसकी वजह का कभी सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया गया।

मालदीव के बाद नेपाल में सफल हुई चीन की चाल! पीएम प्रचंड और ओली आए साथ, भारत समर्थक देउबा लगे किनारे

नेपाल में बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने केपी शर्मा ओली के साथ हाथ मिला लिया है। यह वही ओली हैं जो चीन के इशारे पर नाचते रहते हैं और भारत के खिलाफ अक्सर जहरीले बयान देते हैं। वहीं भारत समर्थक शेर बहादुर देउबा गठबंधन से बाहर हो गए हैं।

काठमांडू. मालदीव के बाद भारत के एक और पड़ोसी देश नेपाल में राजनीतिक घटनाक्रम अचानक से तेजी से बदलना शुरू हो गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली के साथ नया गठबंधन बनाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही प्रचंड और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पार्टी नेपाली कांग्रेस का 15 महीने पुराना गठबंधन टूट गया है। माना जा रहा है कि प्रचंड और देउबा की पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में खटास के बाद यह गठबंधन टूटा है। वहीं इसमें चीनी राजदूत की भी भूमिका की चर्चा है। इससे पहले चीन ने कई बार वामपंथी एकता पर जोर दिया था ताकि एक बार फिर से इस हिमालयी राष्?ट्र में उसका प्रभाव बढ़ सके। देउबा को भारत समर्थक माना जाता था और जब वह सत्ता में आए थे तो उन्होंने नई दिल्ली के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

वहीं देउबा से पहले नेपाल के प्रधानमंत्री रहे केपी शर्मा ओली को चीन का समर्थक माना जाता है। ओली ने प्रधानमंत्री रहने के दौरान भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। ओली ने चीनी राजदूत के इशारे पर नेपाल का नया नक्शा जारी किया था जिसमें उन्होंने भारत के लिंपियाधुरा और कालापानी को नेपाल का हिस्सा करार दिया था। नेपाल में जब से चीन के नए राजदूत आए हैं, उन्होंने कई बार प्रचंड और ओली से मुलाकात की थी। सीपीएन-माओवादी केंद्र के एक पार्टी नेता के अनुसार, प्रचंड के नेतृत्व वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी और शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के बीच गठबंधन समाप्त कर दिया गया है क्योंकि दो शीर्ष नेताओं के बीच बढ़ते मतभेद चरम पर पहुंच गए हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

फिलीपीन ने द.चीन सागर में बढ़ी चीन की आक्रामकता से किया आगाह, पड़ोसी देशों से एकजुट होने का आग्रह

मेलबर्न. फिलीपीन के विदेश मंत्री एनरिक मनालो ने सोमवार को पड़ोसी देशों से दक्षिण चीन सागर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिक मजबूती से एकजुट होने का आग्रह किया। मनालो ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन के इतर समुद्री सहयोग संबंधी एक मंच में यह टिप्पणी की। इस सम्मेलन में चीन के तेजी से बढ़ते आक्रामक कदमों पर प्रमुखता से चर्चा की गयी। मनालो ने नीदरलैंड के द हेग में स्थित मध्यस्थता अदालत के 2016 में दिए फैसले में चीन पर फिलीपीन की जीत का उल्लेख किया।मध्यस्थता अदालत ने दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक क्षेत्रीय दावों को अमान्य करार दे दिया था। चीन ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने कहा, ''क्षेत्र में समुद्रों और महासागरों का साझा प्रबंधन हमें अंतरराष्ट्रीय कानून की प्रधानता को बनाए रखने के लिए एकजुट होने को बाध्य करता है ताकि हम सभी के लिए न्यायसंगत और स्थायी परिणाम सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा, ''यह हमसे अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत या असंगत कार्यों का विरोध करने के लिए मजबूती से एक साथ खड़े होने का भी आह्वान की रक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय कानून को बरकरार रखने, टकराव को गश्त की थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने दिसंबर में मनालो से

करता है।मनालो ने क्षेत्रीय पड़ोसियों से बल प्रयोग खतरे को लेकर कूटनीति एवं टकराव की स्थिति में सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया। झऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मनालो की टिप्पणियों का समर्थन करते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) के नौ सदस्य देशों को ''स्वीकृत नियमों रोकने तथा कूटनीतिक विश्वास बनाए रखने की आवश्यकता है।उन्होंने घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया सुरक्षा और समृद्धि के उद्देश्य से क्षेत्र में अपनी समुद्री भागीदारी को बढ़ाने पर 2.6 करोड़ डॉलर खर्च करेगा। ऑस्ट्रेलिया और फिलीपीन ने नवंबर में पहली बार दक्षिण चीन सागर में संयुक्त समुद्री और हवाई कहा था कि चीन दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन पर सैन्य दबाव बनाए रखेगा। चीन नौवहन के लिए दुनिया के सबसे अहम जलमार्गों में से एक पूरे दक्षिण चीन सागर पर संप्रभुत्ता का दावा करता है। इसे लेकर उसका फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ताइवान और ब्रूनेई से विवाद चल रहा है।

लोकसभा चुनाव 2024: कांग्रेस के सामने जीत के साथ यह चुनौती, अब क्या?

देहरादून. दो लोकसभा चुनाव से सूखा झेल रही कांग्रेस के सामने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में अपने मत प्रतिशत बढ़ाने (40 तक) ले जाने की चुनौती है। राज्य गठन के बाद वर्ष 2004 में हुए पहले के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 38.31 प्रतिशत मत के साथ नैनीताल सीट पर जीत दर्ज की थी।

तब भाजपा महज दो प्रतिशत अधिक वोट जुटाकर तीन सीट जीतने में कामयाब हुई थी, जबकि एक सीट सपा को मिली थी। कांग्रेस व भाजपा में महज दो प्रतिशत मतों के अंतर के बावजूद जीत में ये अंतर, तब सपा-बसपा को मिले करीब 15 मतों के कारण पैदा हुआ था।इसके बाद 2009 में कांग्रेस मत प्रतिशत को 43.14 तक ले जाते हुए, राज्य की सभी सीटें जीतने में कामयाबी हासिल की। यह पार्टी का सभी चुनावों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ मत प्रतिशत रहा। अब कांग्रेस बीते दो चुनावों में खाता भी नहीं खोल पा रही है।

बसपा का वोट बैंक भाजपा के पाले में

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के वर्ष 2009 वाले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में बसपा को मिले 15.24 मतों का भी योगदान नजर आता है। इस तरह मत विभाजन की स्थिति में कांग्रेस 43.14 मतों के साथ सभी सीटों पर जीतने में कामयाब रही।

इसके बाद लगातार दो चुनावों में बसपा का मत प्रतिशत पांच प्रतिशत भी नहीं छू पा रहा है। इससे कांग्रेस को मत विभाजन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उधर, बसपा का वोट बैंक सीधे तौर पर भाजपा की ओर शिफ्ट होने से भाजपा-कांग्रेस के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है। 2019 के लोकसभा चुनावों में यह अंतर 30 प्रतिशत को छू चुका है।

भाजपा की दूसरी कैंडिडेट लिस्ट पर भी खत्म होने जा रहा इंतजार, PM लेंगे मीटिंग और फिर ऐलान

नई दिल्ली. भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह और स्मृति इरानी समेत कई बड़े नेता शामिल हैं। इसके अलावा मनोज तिवारी, हेमा मालिनी जैसे स्टार्स के टिकटों पर भी मुहर लग गई है। लेकिन अब भी करीब सिटिंग सांसद वेटिंग में हैं कि उनका टिकट कब फाइनल होगा। गाजियाबाद के वीके सिंह, बरेली के संतोष गंगवार, प्रयागराज की रीता बहुगुणा जोशी और कैसरगंज के बृजभूषण शरण सिंह जैसे चर्चित सांसदों के टिकटों पर संशय की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा सुल्तानपुर से मेनका गांधी और यूपी के ही पीलीभीत से वरुण गांधी को लेकर कयास लग रहे हैं।

यही नहीं गुजरात, राजस्थान और एमपी जैसे राज्यों में भी कई सीटों पर ऐलान बाकी है। महाराष्ट्र और बिहार की तो एक भी सीट पर अभी घोषणा नहीं हुई है। ऐसे में एक बड़ी संख्या ऐसे सांसदों की है, जो हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अब जानकारी मिली है कि इन नेताओं के भविष्य पर इसी सप्ताह फैसला हो सकता है। दरअसल 6 मार्च को भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की मीटिंग है। इसमें उन सीटों पर

चर्चा होगी, जहां अब तक फैसला नहीं हुआ है। इसके अलावा महाराष्ट्र, बिहार जैसे राज्यों को लेकर भी मंथन होना है, जहां अभी सीट बंटवारा बाकी है।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक इस मीटिंग के बाद कभी भी उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की जा सकती है। दरअसल भाजपा ने दिल्ली में अब तक 5 उम्मीदवार के नाम घोषित किए हैं और उनमें से 4 को बदल दिया है। इसी तरह मध्य प्रदेश की भोपाल सीट से साध्वी प्रज्ञा सिंह की जगह आलोक शर्मा को मौका मिला है। चर्चा है कि बिहार, महाराष्ट्र, बंगाल जैसे राज्यों में भी यही फॉर्मूला दोहराया जा सकता है।

क्या बड़बोलेपन की मिल रही सजा, पार्टी ने इन नेताओं को दिया संकेत

अब तक की रणनीति से यह समझ आता है कि भाजपा हाईकमान बड़बोले नेताओं या फिर विवादित चेहरों से दूरी बना रहा है। शायद इसी रणनीति के तहत दिल्ली में रमेश बिधूड़ी का टिकट गया और भोपाल से साध्वी प्रज्ञा को फिर मौका नहीं मिला है। यही नहीं यूपी में बृजभूषण शरण सिंह के भविष्य पर भी कयास लग रहे हैं।

हिंदू धर्म में पुत्र नहीं, शिष्य की परंपरा; बीजेपी की लालू यादव को सीख; इंडिया गठबंधन भी हमला

नई दिल्ली. हिंदू धर्म में पुत्र की नहीं, शिष्य की परंपरा है। राम के भक्त हनुमान के कई मंदिर आपने देश में देखे होंगे, लेकिन भगवान राम के पुत्र लवकुश का मंदिर नहीं देखा होगा। यह बातें भाजपा ने सोमवार को पीएम मोदी के परिवार पर टिप्पणी करने वाले लालू यादव को जवाब देते हुए कहीं। सोमवार को भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लालू यादव के साथ-साथ विपक्ष और इंडिया गठबंधन को भी हिंदू विरोधी बताया और करारे वार किए।

पिता-पुत्र परंपरा नहीं

भाजपा प्रवक्ता ने कहाकि मैं लालू यादव को बताना चाहता हूं कि सूप बोले तो बोले, चलनी भी बोले, जिसमें सौ-सौ छेद। उन्होंने कहाकि जो सनातन धर्म को मिटाने की कांफ्रेंस करते हैं। उत्तर भारत में हिंदू धर्म को धोखा बताते हैं। जिनकी सरकार के शिक्षा मंत्री पोटेशियम साइनाइट बताते हैं। रामचरित मानस और हिंदू धर्म ग्रंथों के बारे में अनाप-शनाप टिप्पणी करते हैं। अब वो हिंदू होने के सर्टिफिकेट देने लगे हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहाकि मैं इनकी बात का उत्तर सैद्धांतिक भी देता हूं और राजनैतिक भी। उन्होंने कहाकि लालू यादव को बताना चाहूंगा कि हिंदू धर्म में पुत्र का महत्व नहीं होता है। उन्होंने कहाकि द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा का स्थान नहीं ऊंचा है। अर्जुन का स्थान ऊंचा है। भगवान राम ने अपनी समस्त शक्तियां हनुमान को दीं। द्रोणाचार्य ने विद्या पुत्र अश्वत्थामा को नहीं, अर्जुन को दीं। उन्होंने आगे कहाकि हिंदू धर्म की परंपरा है, गुरु-शिष्य परंपरा। पिता-पुत्र परंपरा नहीं है।

लालू ने कही थी यह बात

गौरतलब है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने रविवार को पटना में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष किया था। इस दौरान लालू यादव ने कहा था कि अगर नरेन्द्र मोदी के पास अपना परिवार नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं। वह राम मंदिर के बारे में डींगें मारते रहते हैं। वह सच्चे हिंदू भी नहीं हैं। हिंदू परंपरा में बेटे को अपने माता-पिता के निधन पर अपना सिर और दाढ़ी मुंडवानी चाहिए। जब मोदी की मां की मृत्यु हुई तो उन्होंने ऐसा नहीं किया।

खूंखार बदमाश काला जठेड़ी बनेगा दूल्हा, लेडी गैंगस्टर से शादी को 6 घंटे की पैरोल

हरियाणा के गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी (Gangster Kala Jathedi) जल्द ही दूल्हा बनने जा रहा है। दिल्ली की कोर्ट ने सोमवार को काला जठेरी को उसकी शादी करने के लिए कस्टडी पैरोल दे दी है।

नई दिल्ली. हरियाणा के गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी जल्द ही दूल्हा बनने जा रहा है। दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने सोमवार को काला जठेड़ी को लेडी गैंगस्टर और अपनी गर्लफ्रेंड मैडम मिंज उर्फ अनुराधा चौधरी से शादी करने के लिए कस्टडी पैरोल दे दी है। वह 12 मार्च को दिल्ली में शादी करेगा। द्वारका कोर्ट ने गैंगस्टर काला जठेड़ी को 12 मार्च को अपनी शादी और 13 मार्च को गृह प्रवेश के लिए छह घंटे की कस्टडी पैरोल दी है। काला एक संगठित अपराध सिंडिकेट चलाने के लिए मकोका सहित कई गंभीर मामलों में हिरासत में है। काला जठेड़ी और उसकी गर्लफ्रेंड को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जुलाई 2021 में सहारनपुर से गिरफ्तार किया था। काला पर 7 लाख का इनाम था। उस पर दिल्ली ,हरियाणा ,पंजाब और राजस्थान में कई केस दर्ज हैं। एएनआई के अनुसार, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) दीपक वासन ने काला जठेड़ी के वकील की दलीलें सुनने और दिल्ली पुलिस द्वारा दायर जवाब पर विचार करने के बाद उसे राहत दे दी। कोर्ट ने अधिकारियों को 12 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच काला जठेड़ी को शादी के लिए हिरासत में लेने का निर्देश दिया है और दिल्ली पुलिस को सुरक्षा और सुरक्षा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। उसे 13 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच गृह प्रवेश समारोह के लिए उसके सोनीपत जिले के जठेड़ी ग्राम ले जाने का भी निर्देश दिया गया है। काला जठेड़ी ने अपनी शादी करने के लिए मानवीय आधार पर कस्टडी पैरोल की मांग की थी। उसकी शादी उसके परिवार के सदस्यों द्वारा तय की गई है और यह 12.03.2024 को सुबह 10 बजे होने वाली है। गृह प्रवेश समारोह हरियाणा के सोनीपत जिले गांव जठेड़ी में 13 मार्च 2024 को सुबह लगभग 11:00 बजे तय किया गया है, जहां दुल्हन को दूल्हे के साथ अपने वैवाहिक घर में प्रवेश करना होता है।

जाखड़ की अध्यक्षता वाली राज्य चुनाव समिति की बैठक में 13 लोकसभा उम्मीदवारों के लिए 230 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए

चंडीगढ़, संजय अरोड़ा चंडीगढ़- आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए, पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने दिन में यहां राज्य चुनाव समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा प्रभारी विजय रूपाणी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित थे। बैठक में चर्चा के एजेंडे का खुलासा करते हुए रूपाणी ने कहा कि

लोकसभा टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों से 231 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उम्मीदवार समाज के सभी वर्गों से हैं और कई युवाओं ने भाजपा के टिकट के लिए आवेदन किया है। जाखड़ ने कहा कि भाजपा के प्रति स्पष्ट रुचि पंजाब के हितों की रक्षा के लिए आशा का स्वाभाविक परिणाम है। रूपाणी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे देश में लोग निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए भाजपा नीत राजग को तीसरा कार्यकाल देने का इंतजार कर रहे हैं। रूपाणी ने कहा कि केंद्र सरकार की सभी क्षेत्रों में उपलब्धियों के आधार पर भाजपा पंजाब से सभी 13 सीटें जीतेगी।

रोज-रोज पैसे मांगने से तंग आकर पति ने की पत्नी की हत्या

गाजियाबाद. गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र के आकाश नगर में आए दिन के क्लेश से तंग आकर पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, आरोपी दो दिन तक लाश के साथ कमरे में ही रहा। घर से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव कब्जे में लेने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक, शनिवार को डायल-112 पर एक व्यक्ति ने आकाश नगर स्थित कमरे से दुर्गंध आने की सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा बंद था। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो वहां एक महिला का शव पड़ा मिला। शव 51 वर्षीय सुनीता का था, जबकि उसका पति भरत मौके से फरार था। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया और खोजबीन के बाद भरत को पकड़ लिया। आरोपी द्वारा पूछताछ में पत्नी सुनीता की हत्या की बात कबूलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि भरत मूलरूप से दिल्ली का रहने वाला है। सुनीता उसकी दूसरी पत्नी थी। भरत मसूरी थानाक्षेत्र स्थित एक शराब के ठेके पर काम करता है। वह आकाश नगर स्थित एक मकान में किराये पर कमरा लेकर रहता है। इस मकान में अन्य किरायेदार भी रहते हैं। भरत के बच्चे साहिबाबाद इलाके में रहते हैं। आरोपी भरत ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह सुनीता की रोजाना की कलह से तंग आ गया था। सुनीता रोज झगड़ा करती थी। 28 फरवरी को भी हत्या से पहले सुनीता ने विवाद खड़ा कर दिया था।इसके चलते गुस्से में आकर उसने सुनीता का गला घोंटकर हत्या कर दी। दुकान चलाने के बावजूद पत्नी पैसे मांगती थी

NAME CHANGE
I, NAVDIP KAUR Wife of No. JC-812636P Rank-SUB Name-BIKRAM SINGH presently residing at VILL-KESHOPUR, POST-GURDASPUR, THE/DISTT-GURDASPUR, PUNJAB-143521 have changed my name from NAVDIP KAUR to NAVDEEP KAUR for all future purposes vide Affidavit Dated 04/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, GAURI SHANKAR S/o SULTAN SINGH, R/o 7048, Marwari Basti, Nabi Karim, Pahar Ganj, Swami Ram Tirth Nagar, Central Delhi, Delhi-110055, declare that name of mine has been wrongly written as GOURISHANKAR in my NIOS 10th and 12th class Marksheets cum Certificates. The actual name of mine is GAURI SHANKAR.

NAME CHANGE
I, Md Nasim Warsi s/o Late Md Jamil R/o Ward No.33, Mohalla Rahamganj, Post Lalbagh, Darbhanga, Bihar-846004, have changed my minor son's name from Md Shayaan Warsi to Md Umar Ali Warsi for all future purposes

NAME CHANGE
I FARDEEN S/O FAREEDUR REHMAN residing at 3534 KATRA BABER BEG LAL KUAN DELHI-110006 have changed my name to MOHD FARDIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Vishakha alias Vishakha Nagdeve alias Vishakha Madhukar Meshram D/o Madhukar Baliram Meshram W/o Khemraj Ramji Nagdeve born on 1st January 1964, Residing at Flat No-662, Naval Technical Officer's Society, CGHS, Sector-22, Dwarka, Delhi-110075 have changed my name to Vishakha Madhukar for all future purposes vide affidavit dated 04/03/2024, at Delhi. And all the person are same.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNIL KUMAR SHARMA S/o RAMESH CHAND SHARMA, R/o H.No. B-6/9, Second Floor, Near Nirankari Colony, Radio Colony Kingsway Camp, Dr. Mukherjee Nagar S.O, North West Delhi, Delhi-110009, declare that name of mine and my father have been wrongly written as SUNIL KUMAR and RAMESH CHAND in my Service Record. The actual name of mine and my father are SUNIL KUMAR SHARMA and RAMESH CHAND SHARMA respectively.

NAME CHANGE
I, ANURADHA Wife of No. 6940987A Rank-CHM Name-DWIVEDI AJAY KUMAR R/O 610/K BLOCK, YASHODA NAGAR, KIDWAI NAGAR, DIST-KANPUR, UTTAR PRADESH-208011 have changed my name from ANURADHA to ANURADHA DWIVEDI for all future purposes vide affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as AZEEM AHMED S/o MOHD AFZAL residing at House No. A884, 3rd Floor Left Side, A-Block, Near Hanuman Mandir, Shastri Nagar, North West Delhi, Delhi-110052, have changed my name and shall hereafter be known as AMAN KUMAR.

NAME CHANGE
I, AZEEM AHMED S/o MOHD AFZAL residing at House No. A884, 3rd Floor Left Side, A-Block, Near Hanuman Mandir, Shastri Nagar, North West Delhi, Delhi-110052, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM Religion and renounced ISLAM Religion with effect from 14.08.2021.

NAME CHANGE
I, G KASTURI Mother of No-16111585W Rank-HAV Name- B. KALAIARASON R/O DOOR NO. 1273, 2ND CROSS BHARATHA-PURAM, ANDERSONPET, K.G.F. BANGARAPET KOLAR, KARNATAKA-563113 have changed my name from G KASTURI to KASTHUR G for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1975 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मदन कुमार पुत्र श्री माही लाल आवासीय संपत्ति संख्या एम-249-ए, का क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा नंबर 638 और 643, सुदर्शन पार्क कॉलोनी, नांगलोई दाय पुर, नई दिल्ली-110015 में स्थित हैं, जो श्रीमती सुषमा शर्मा को बेच रहे हैं, उपरोक्त संपत्ति जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के माध्यम से वित्तपोषित ... [illegible]
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
[illegible]
For Juris NextGen Law Offices
E-58, LGF, Greater Kailash Enclave Part-I New Delhi-110048

NAME CHANGE
I, GORA DEVI Mother of NO-16022137P Rank-NK Name-SHARVAN KUMAR, permanent residing at VILL-TELANWALI, POST-GHURSAL, TEH-ADAMPUR, DIST-HISAR, HARYANA-125052 have changed my name from GORA DEVI to GAUNRA DEVI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 28/07/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE MINOR
I, AMRESH CHANDRA S/O SH. MUNDRICA PRASAD SINGH R/O E2-601, RADICON VEDANTAM, GH-01B, ADJESCENT TO EXOR-TICA DREAMVILLE, SEC-16C, GREATER NOIDA WEST, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed the name of my minor son VEDATMANN SINGH aged 13 years and he shall hereafter be known as DHARWIK SINGH.

NAME CHANGE
I, SIDDHARTH, S/o. SH. UPDESH KHANNA, R/o. C-4/F, TOP FLOOR, VATIKA APARTMENTS, MAYA PURI, NEW DELHI-110064, have changed my name from SIDDHARTH to SIDDHARTH KHANNA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No-15795258P Rank-HAV Name-SHIVEBHAKT DARSHAN TRIPATHI S/o PREM SHANKER TRIPATHI residing at VILL-MAHARAJPUR, PO-KODRA, TEH-LALGANJ, DIST-RAEBARELI, UTTAR PRADESH-229202 have changed my minor son's name from ANIRUDH TRIPATHI to MUKUND SHIV TRIPATHI for all future purposes vide affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I PAWAN KUMARI W/O RAJINDER PRASAD SHARMA R/O TOWER-25 FLAT NO-1506 PARAS TIEREA SECTOR-137, NOIDA UTTAR PRADESH-201301 HAVE CHANGE MY NAME TO PAWAN SHARMA FOR ALL PURPOSE..

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No-15795258P Rank-HAV Name-SHIVEBHAKT DARSHAN TRIPATHI S/O PREM SHANKER TRIPATHI residing at VILL-MAHARAJPUR, PO-KODRA, TEH-LALGANJ, DIST-RAEBARELI, UTTAR PRADESH-229202, in my service records my minor son's (MUKUND SHIV TRIPATHI) date of birth wrongly mentioned as 01/01/2022 instead of his correct date of birth as 21/01/2021 vide affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, BEEMAN Father of No-16111585W Rank-HAV Name- B. KALAIARASON R/O DOOR NO. 1273, 2ND CROSS BHARATHA-PURAM, ANDERSONPET, K.G.F. BANGARAPET KOLAR, KARNATAKA-563113 have changed my name from BEEMAN to BHEEMAN for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1972 instead of my correct date of birth as 14/05/1959 vide affidavit dated 04/03/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, DEVINDER KUWAR S/O KAGESWAR KUWAR R/O 1621 B2, TOP FLOOR, GALI NO. 13, GOVINDPURI, KALKAJI, NEW DELHI-110019 have changed my name DEVENDRA KUWAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Isa s/o Mohammed Yusuf R/o Village Ferozepur, Namak(156), Mewat Nuh-122107, Haryana have changed my name to Mohammed Issa for all future purposes

NAME CHANGE
I, Nilam Kumari w/o Mundrika Prasad Sharma R/o Flat No.262, DDA LIG Bharat Apartments, Pocket--3C, Sector-16B, Dwarka, New Delhi-110078, have changed my name to Neelam Sharma for all future purposes

NAME CHANGE
I NASIMUL AKHTAR S/O SAEED AHMAD residing at A 48/4 2ND FLOOR NEAR SHIV MANDIR JASOLA FFIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name to NASIM KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Shekhar s/o Jai Ram Shankar R/o W-7/41C, Kathputli Colony, Pandav Nagar, Delhi-110008, have changed my name to Shekhar Nat permanently

NAME CHANGE
I, hitherto known as RACHITA alias RACHITA MATHUR D/O HARISH NARAIN MATHUR R/O LIG 470 HASTSAL, HASTAL VILLAGE WEST DELHI, DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as RACHITA.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री अनुज और श्रीमती प्रिया फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर 85-ए के मालिक हैं, क्षेत्रफल 83.61 वर्ग मीटर, ब्लॉक-जे, गली नंबर 37, ग्राम पालम में स्थित खसरा नंबर 108/19 से बाहर, अनधिकृत कॉलोनी राजा पुरी कॉलोनी में स्थित है। उत्तम नगर, नई दिल्ली। श्री अनुज पुत्र श्री तेज पाल और श्रीमती प्रिया पत्नी श्री अनुज के पक्ष में डीडीए (पीएम-दिल्ली आवास अधिकार योजना सेल में अनधिकृत कॉलोनियां) द्वारा दिनांक 02.02.2022 को निष्पादित प्राधिकरण पर्ची, दस्तावेज़ संख्या 260, खंड संख्या 11213 के रूप में, पृष्ठ संख्या 55-58, दिनांक 02.02.2022, एसआरओ-IX, नई दिल्ली। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और दूसरी मंजिल (सामने की ओर) श्रीमती अर्चना पत्नी श्री रंजन कुमार और श्रीमती लिली कुमारी पत्नी श्री प्रीतम कुमार सिंह के नाम से बिकने जा रही है। संपत्ति का वित्तपोषण उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा द्वारका नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के दस्तावेज़ किसी को तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

NAME CHANGE
I, Chander Mohan Kapoor S/O Kesar Dass R/O 17/49, Subhash Nagar West Delhi -110027 have changed my name from Chander Mohan Kapoor to Chander Mohan for all future purpose.

NAME CHANGE
I Suman wife of Shri Amit Gupta, Residing at House No- E- 804, Alakananda Co. Op Society, Sector- 56, Gurgaon, Haryana-122011, have changed my name to Suman Gupta for all purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री चंदन सिंह पुत्र बैसाक सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती ईलमा चौहान पत्नी चंदन सिंह दोनों निवासी प्लॉट नंबर 111 और 112 सैनिक विहार फेस 3 मोहन गार्डन उत्तम नगर मोहन गार्डन वेस्ट दिल्ली दिल्ली-110059, ने अपने दोनों पुत्रों आकाश सिंह पुत्र चंदन सिंह और उसकी पत्नी काजल एवं दूसरे पुत्र प्रताप सिंह पुत्र श्री चंदन सिंह एवं उसकी पत्नी सुलोचना, सभी को अपनी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है, क्योंकि वह सभी मेरे मुवक्किल के नियंत्रण से बाहर है। मेरे मुवक्किल ने उनके साथ सभी संबंध समाप्त कर दिए हैं। तथा उनके साथ कोई भी व्यवहार नहीं रखना चाहता है, भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे मुवक्किल के पुत्रों व पुत्र वधूओ से लेनदेन ,कानूनी कार्रवाई या कोई भी व्यवहार रखता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा मेरे मुवक्किल व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
रविंदर शर्मा एडवोकेट
सीट नंबर 46, हॉल नंबर-2
अधिवक्ता चैंबर ब्लॉक, द्वारका जिला
न्यायालय, द्वारका, नई दिल्ली-75
एम.9810710442

PUBLIC NOTICE
To be Known to all that I (Name of the Allottee) Gulshan Kumar Dhingara S/o Ram Chand Dhingara R/o A-1/172, Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi-35 has applied for conversion of the aforesaid Flat No. A-1/172, situated in Lawrence Road, Keshav Puram, Delhi-35 from lease hold to free hold in DDA. The original documents i.e Possession Letter, Site Possession Slip & NOC Water & Electricity in issued by DDA having File No. F-26(724)73 H.B of the above flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi. Any person (S) Claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write contact with above named person at above address within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H or Director (H)-1, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भानु मति नंदा डु अविभाजित शेयर पूर्ण स्वामी हैं और ½ अविभाजित शेयर वसीयत स्वर्गीय श्री कुंज के त्रिवेदी की दोनों फ्लैट नंबर बी-701, एचआईजी, प्लॉट नंबर ए-1 के मालिक हैं, जो नागार्जुन अपार्टमेंट, नागार्जुन को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, चिल्ला, मयूरविहार एक्सटेंशन, दिल्ली में स्थित है, कन्वेयंस डीड दिनांक 15/12/2016 के तहत को डीडीए द्वारा श्रीमती भानु मति नंदा और श्री. कुंज के त्रिवेदी के पक्ष में निष्पादित किया गया। (Doc. No. 16520, पुस्तक नंबर 1, खंड नंबर 6134, पेज नंबर 167-169) बाद में, श्री कुंजबिहारी कांतिलाल त्रिवेदी की मृत्यु दिनांक 13.10.2020 को श्रीमती भानु मति नंदा के पक्ष में उनकी अंतिम कोडिसिल छोड़कर हो गई। जिन्होंने रजि. एसपीए दिनांक 27/09/2023 श्री बिपिन ज्योत सिंह के पक्ष में निष्पादित किया । जो श्री हसित कुमार नंदा के पक्ष में बिक्री विलेख/उपहार विलेख निष्पादित करेंगे। जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त संपत्ति को फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी रखने का इरादा रखते हैं। जिस किसी को भी उक्त बंधक या अधिग्रहण पर कोई आपत्ति है या किसी के पास संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, तो वह 07 के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा। ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 4/3/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

PUBLIC NOTICE
Information is given to General Public at large that my client Mr. Rohit Mehra & Kamlesh Rani are the owners of the built up upper ground floor (Left side) without roof rights built up on Property Plot Number 61/9 & 62/10-A, Area 100 Sq. Yards out of Khasra No 13/4, situated in the area of Village Matiala, colony Known Block-B-1 Extn., Sewak Park, Uttam Nagar, New Delhi: hereinafter refered as the said Property. from Manjeet Singh & Jaswant Lal vide (doc 19690) and his mother Kamlesh Rani, died on 11-06-21 and same property to be financed by Bajaj Housing Finance Ltd and now Rohit Mehra is only one owner of the said property. It any person (s) objection for subject property then kindly may contact the undersigned along with original property documents with in 7 days from date of this notice. On below mentioned address falling which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
Pranzal Jha (Advocate)
S-151 Sunder Block Shakarpur
Laxmi Nagar Delhi:-110092

PUBLIC NOTICE
It is informed to all public at large that my clientess Smt. Sumit Kaur W/o Sh. Amandeep Singh along with her husband Sh. Amandeep Singh S/o. Late Sh. Pipal Singh, both R/o, Flat No. D-82, G/F, New Police Line, Kingsway Camp, Type-1, GTB Nagar, Delhi-110009, also At. C-5, Devbhoomi Apartments, 41 Foota, Budh Bazar Road, West Sant Nagar, Burari, Delhi-110084, has severed social, moral and financial relationship from her brother Sh. Rajender Singh, S/o. Late Sh. Bichattar Singh, R/o. Qtr. No. J-1/3, Police Station, Model Town-1, Delhi-110009, due to his misconduct, misbehavior and disobedience and my aforesaid clientess has also disowned her brother Rajender Singh from her movable and immovable property from today forever. My clientess shall not be responsible for any acts, deeds or deals done by her brother Rajender Singh from today for ever and her brother Rajender Singh shall be solely responsible for any acts, deeds or deals done by him from today forever.
Indu Bhushan Vimal & Harjeet Singh Sidhu
Advocates
Chamber No. T-40.
Tis Hazari Court, Delhi-110054

हरियाणा में वर्तमान सांसदों को ही फिर मैदान में उतार सकती है भाजपा

चंडीगढ़.हरियाणा में भाजपा अपने वर्तमान सांसदों पर ही फिर से भरोसा जता सकती है। भाजपा की पहली सूची को देखते हुए इसके आसार लग रहे हैं। गौर हो कि एक दिन पहले ही भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की सूची जारी की है।

जानकारों के मुताबिक पहले भाजपा हरियाणा में कुछ वर्तमान सांसदों के टिकट काटने की योजना बना रही थी, लेकिन अब माना जा रहा है कि पूरी रिपोर्ट को देखते हुए भाजपा इन्हीं सांसदों को मैदान में उतार सकती है। हालांकि चर्चा इस बात की भी है कि दो या तीन सांसदों का टिकट काटा जा सकता है। हरियाणा में लोकसभा की 10 सीटें हैं और पिछले चुनाव में पार्टी ने सभी सीटों पर जीत हासिल की। अम्बाला के सांसद रतनलाल कटारिया का करीब सात माह पहले निधन हो चुका है। अभी यह सीट खाली है। समझा जाता है कि लोकसभा चुनाव नजदीक होने की वजह से इस सीट पर उपचुनाव नहीं कराया गया। भाजपा के दिवंगत सांसद रतनलाल कटारिया की धर्मपत्नी बंतो कटारिया यहां से टिकट की प्रबल दावेदार हैं। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी सांसद हैं। भाजपा के पैनल में नायब सिंह सैनी का सिंगल नाम केंद्रीय चुनाव समिति के पास गया है। यानी उनका टिकट पक्का है।

करनाल के मौजूदा सांसद संजय भाटिया को मुख्यमंत्री मनोहर लाल का बेहद करीबी बताया जाता है। वैसे दूसरे दावेदार भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी वेदपाल एडवोकेट को भी सीएम का भरोसेमंद बताया जाता है। सोनीपत के मौजूदा सांसद रमेश कौशिक के विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चाएं थीं। यहां से पार्टी प्रदेश महामंत्री एवं राई के विधायक मोहन लाल बडौली तथा सीएम के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन के नाम भी लिए जा रहे हैं।

भिवानी-महेंद्रगढ़ से मौजूदा सांसद धर्मबीर सिंह को मजबूत माना जा रहा है। गुरुग्राम में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत का टिकट भी फाइनल बताया जा रहा है। फरीदाबाद में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की मजबूत पकड़ है। कहा जा रहा है कि कृष्णपाल के स्थान पर राज्य के पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल भी दावेदार हैं। सिरसा लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद सुनीता दुग्गल की जगह पूर्व सांसद डॉ. अशोक तंवर का भी नाम चल रहा है। हिसार लोकसभा सीट से बृजेंद्र सिंह सांसद हैं। यहीं से कुलदीप बिश्नोई की भी चर्चा है।

जनता को धोखा देने के लिए अलग होकर चुनाव लड़ सकती है भाजपा-जजपा : हुड्डा

रोहतक. पूर्व मुख्यमंत्री और नेता विपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने रविवार को कहा कि साल 2019 में एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ने वाली भाजपा-जजपा ने स्वार्थ के चलते गठबंधन करके सरकार बनाई थी, लेकिन अब चुनाव आते देख जनता को फिर धोखा देने के लिए दोनों पार्टियां फिर से अलग होने की रणनीति बना रही हैं, ताकि सत्ता विरोधी विपक्ष के वोट को बांटा जा सके। लेकिन आज दोनों दलों की सच्चाई जनता के सामने उजागर हो चुकी है। इसलिए जनता इस बार इनके बहकावे में नहीं आएगी और आने वाले चुनाव में 2019 के दौरान हुए विश्वासघात का बदला लेगी। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस लगातार चुनावी मोड में कार्य कर रही है।

पूर्व सीएम अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान भी मौजूद रहे।?हुड्डा ने प्रदेश में बारिश एवं ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का मुद्दा भी उठाया।?उन्होंने कहा कि प्रदेश में गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। कई जगह तो सौ फीसदी तक क्षति पहुंची है। इसलिए सरकार को तुरंत गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए। हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा घोषित किसानों का 422 करोड़ रुपए का मुआवजा पहले से ही बकाया है। पिछले सीजन में आई बाढ़ का मुआवजा भी अब तक पीड़ितों को नहीं मिल पाया।

उन्होंने कहा कि बाढ़, फसल बीमा और प्राकृतिक आपदा का सैकड़ों करोड़ रुपया सरकार दबाए बैठी है, जबकि किसानों को इसकी सख्त आवश्यकता है। किसान आज बर्बादी की कगार पर हैं, क्योंकि आय डबल करने का दावा करने वाली सरकार ने उनकी लागत दोगुनी कर दी है।

विस सचिव पद पर होगी नयी नियुक्ति, नांदल का कार्यकाल हो रहा पूरा

चंडीगढ.हरियाणा विधानसभा के सचिव आरके नांदल का कार्यकाल मार्च माह के अंत में पूरा हो रहा है, ऐसे में नए सचिव की नियुक्ति की जाएगी।?लोकसभा चुनाव के लिए चूंकि किसी भी समय आचार संहिता लग सकती है, ऐसे में हरियाणा सरकार पर यह निर्भर करेगा कि विधानसभा के नये सचिव की नियुक्ति हाल-फिलहाल में की जाए अथवा लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बाद करे। विधानसभा सचिवालय के सेवा नियमों के अनुसार प्रदेश सरकार द्वारा स्पीकर से परामर्श करने के बाद नये सचिव की नियुक्ति करने का प्रावधान है।

विधानसभा सचिवालय में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर 17 वर्ष से ज्यादा की सेवा करने वाले आरके नांदल नवंबर 2006 में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार में नियुक्त हुए थे। उस समय झज्जर जिले के बेरी हलके के कांग्रेस विधायक डा. रघबीर कादियान विधानसभा स्पीकर थे। तत्कालीन 11वीं विधानसभा में तब आरके नांदल की नियुक्ति सीधे उप सचिव के पद पर हुई थी, जिसके बाद जनवरी 2010 में उन्हें संयुक्त सचिव और फरवरी 2012 में अतिरिक्त सचिव बनाया गया। अगस्त 2014 में नांदल विधानसभा

सचिव के तौर पर पदोन्नत हो गए थे। बताया गया कि जब आरके नांदल अगस्त 2014 में विधानसभा सचिव बने, उस दौरान सचिव पद पर 25 वर्ष से ऊपर का कार्यकाल पूरा कर चुके सुमित कुमार भी सेवारत थे। उस समय सुमित कुमार की अढ़ाई साल की सेवा बाकी थी। नांदल के सचिव बनने पर सुमित कुमार को प्रधान सचिव के तौर पर पदांकित किया गया और 31 जनवरी 2017 तक इस पद पर बने रहे। सुमित कुमार अप्रैल 1989 में ताऊ देवीलाल की सरकार के दौरान तत्कालीन स्पीकर हरमोहिंदर सिंह चट्ठा के कार्यकाल में सीधे विधानसभा सचिव नियुक्त हुए थे। इस पद पर वह लगातार 28 वर्ष तक पदासीन रहे, जो कि अपने आप से एक रिकार्ड है।

आरके नांदल की विधानसभा सचिव पद से रिटायरमेंट से पहले ही उनके उत्तराधिकारी का चयन एवं नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है या नहीं, यह देखने लायक होगा। भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा 18वीं लोकसभा के आम चुनाव की घोषणा इस माह के मध्य में कभी भी हो सकती है, जिसकी घोषणा के साथ ही पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। उसके बाद विधानसभा सचिव पद पर नियमित नियुक्ति मई माह के अंत तक यानी लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने तक लटक सकती है।

बुढ़वाल माइनर टूटी, पांच एकड़ फसल जलमग्न

नारनौल. पानी के बहाव के साथ ही बुढ़वाल माइनर बनिहाडी के खेतों के पास जहां से पहले ठीक की गई थी, वहीं से दोबारा टूट गई। नहर के पानी से किसानों की करीब पांच एकड़ जमीन जलमग्न हो गई। किसानों को अब सरसों व गेहूं की फसल खराब होने की चिंता सताने लगी है।

इस बारे में किसानों ने बताया कि बुढ़वाल माइनर में गत तीन दिनों से पानी छोड़ा जा रहा है। जो अंतिम टेल की ओर बह रहा है। पानी को कच्चे तालाब व जोहड़ में डाला जा रहा है, परन्तु नहर बनिहाडी ओर अमरपुरा की सीमा के पास टूट गई। जिससे करीब पांच एकड़ में खड़ी किसानों की सरसों व गेहूं की फसल में पानी जमा हो गया। उनकी सरसों की फसल पक कर तैयार है। कटाई की तैयारी है, लेकिन पानी भरने से अब फसल खराब होने की आशंका हो गई है।

उन्होंने बताया कि विभाग ने करीब डेढ़ करोड़ से बुढ़वाल माइनर का नव निर्माण करवाया था। ठेकेदार ने इसके निर्माण में घटिया सामग्री प्रयुक्त की। जिससे नहर पानी छोड़ने के साथ ही कहीं ना कहीं से टूट जाती है। उन्होंने बताया कि अब भी जहा रिपेयर हुई, वहीं से दोबारा नहर टूट गई। दो महीने पहले पानी छोड़ने पर अमरपुरा के पास टूट गई थी। उससे पूर्व बनिहाडी क्रासिंग पुल के नजदीक से टूट चुकी है। निर्माण के बाद से करीब आधा दर्जन से अधिक जगहों से नहर टूट चुकी

है। परन्तु विभाग का कोई जिम्मेदार अधिकारी आकर चेक नही करता है। नहर पर लगे कर्मी ही रिपेयर का काम करवा देते है। जिससे नहर में पानी चलना संभव नहीं हो पा रहा है।

किसानों का कहना है कि नव निर्माण के बाद नहर में पानी चलना संभव नहीं पाया। इससे विभाग ने एक बार पूरी नहर की रिपेयर करवा दी, लेकिर रिपेयर महज एक खानापूर्ति थी। इउन्होंने मुख्यमंत्री से नहर निर्माण की जांच की मांग की है।

इस बारे में नहर विभाग के कार्यकारी अभियंता नितिन कुमार ने बताया कि नहर टूटने की जानकारी मिली है। जल्द ही इसकी रिपेयर करवा कर पानी छोड़ा जाएगा।

सरकार से मांगा प्रति एकड़ 50 हजार मुआवजा

चंडीगढ़. हरियाणा में तेज बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर विपक्ष ने किसानों के समर्थन में आवाज बुलंद की है। करनाल जिले के असंध से कांग्रेस विधायक शमशेर सिंह गोगी ने कहा कि किसानों की प्रति एकड़ 50 हजार रुपये फसल की लागत आती है। उससे अधिक अगर कुछ बचता है तो वह आमदनी कहलाती है। राज्य में ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में प्रदेश सरकार को तुरंत किसानों को कम से कम 50 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा प्रदान करना चाहिए, ताकि किसानों की फसल की लागत पूरी हो सके। वहीं कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि भयंकर ओलावृष्टि के कारण पकने को तैयार खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने अपने जीवन में इससे भयंकर ओलावृष्टि नहीं देखी। खेतों को देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे खेत न होकर कोई ग्लेशियर हों। इस बेमौसमी बरसात और भयंकर ओलावृष्टि ने कुछ भी नहीं छोड़ा। ओलावृष्टि ने सरसों की 90 फीसदी और गेहूं की 80 फीसदी फसल तबाह कर दी है। ऐसी परिस्थितियों में किसान को केवल सरकार का ही सहारा है। इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने कहा कि बारिश और भारी ओलावृष्टि से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, जींद और सोनीपत समेत अन्य जिलों में किसानों की सौ प्रतिशत फसल खराब हो गई है। किसान पहले से भारी आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं और अब इस प्राकृतिक आपदा की वजह से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। चौटाला ने कहा कि ओलावृष्टि के कारण बर्बाद हुई फसलों की तुरंत स्पेशल गिरदावरी कराई जाए और किसानों को कम से कम 50 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा प्रदान किया जाए।

स्वच्छ हरियाणा बनाने के लिए आगे बढ़ेंगे प्रदेशवासी : मनोहर

फरीदाबाद. मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नए संकल्प के साथ सभी को स्वच्छता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए सुखद वातावरण की परिकल्पना को साकार करना है। फरीदाबाद में रविवार को आयोजित हॉफ मैराथन स्वच्छ हरियाणा, स्वच्छ भारत थीम को समर्पित हैं वे स्वयं स्वच्छता सैनिक की भूम्किा निभाते हुए प्रदेशवासियों के साथ स्वच्छ हरियाणा बनाने के लिए आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री सुबह फरीदाबाद के सूरजकुंड परिसर में हरियाणा की अब तक की सबसे बड़ी हाफ मैराथन की विभिन्न श्रेणियों को फ्लैग ऑफ करने के दौरान हजारों की संख्या में उपस्थित प्रतिभागियों से सीधा संवाद कर रहे थे। उन्होंने हॉफ मैराथन सहित 10 व 5 किलोमीटर व दिव्यांग जनों की मैराथन के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया।

सीएम ने कहा कि अगर हम अपने आसपास साफ-सफाई रखेंगे तो इससे हमारी सेहत भी ठीक रहेगी। गंदगी किसी भी सभ्य समाज का पैमाना नहीं है। ऐसे में हम सभी को यह सामूहिक प्रयास करना है कि हम अपने आसपास स्वच्छता को बरकरार रखते हुए स्वच्छ व स्वस्थ हरियाणा के साथ-साथ स्वच्छ भारत के मार्ग पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उपस्थित जनसमूह से आस-पास कचरा मुक्त वातावरण रखने के लिए स्वच्छता सैनिक बनने का संकल्प लेने का आह्वान भी किया। लोगों से सीधा संवाद करते हुए सीएम ने घोषणा की कि गुरुग्राम में प्रत्येक वर्ष फरवरी के आखिरी रविवार को आयोजित की जाने वाली फुल मैराथन की तर्ज पर अब भविष्य में फरीदाबाद में भी अक्तूबर माह के पहले रविवार को फरीदाबाद हॉफ मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों शहरों में 6 महीने के अंतराल पर इन दोनों वार्षिक इवेंट का आयोजन सकारात्मक उद्देश्य के साथ होगा जिससे हर वर्ग को सार्थक संदेश दिया जाएगा। वहीं प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में भी इस प्रकार के आयोजन करवाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

राखीगढ़ी की तर्ज पर अग्रोहा धाम को भी विकसित करेगी सरकार : मनोहर लाल

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हिसार के अग्रोहा में स्थित महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज में शोध के लिए महाराजा अग्रसेन के नाम पर चेयर और हिसार हवाई अड्डे पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। ये घोषणाएं उन्होंने दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में अग्रोहा में स्थित पुरातत्व स्थल को विकसित करने को लेकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और हरियाणा पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के अवसर पर की।

इस समझौता ज्ञापन पर एएसआई की ओर से महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत और हरियाणा पर्यटन एवं विरासत विभाग के प्रधान सचिव एमडी सिन्हा ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं अग्रोहा विकास परियोजना के चेयरमैन ज्ञानचन्द गुप्ता और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री एवं अग्रोहा विकास परियोजना के को-चेयरमैन डॉ. कमल गुप्ता भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हिसार हवाई अड्डे पर महाराजा अग्रसेन की स्थापित की जा रही प्रतिमा समाज के सहयोग से निर्मित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी के अनुरोध किए बिना ही उन्होंने हिसार में बनाए गए विश्व के सबसे बड़े हवाई अड्डे का नामकरण महाराजा अग्रसेन के नाम पर किया है। उन्होंने कहा कि मानव सभ्यताएं मुख्य रूप से नदियों के किनारे विकसित हुई और ऐसे प्रमाण मिले हैं कि सरस्वती नदी जो आदिबद्री (यमुनानगर)

से निकलती है उसका प्रवाह हरियाणा से ही होकर जाता था। पहाड़ों में उत्खनन होने की वजह से नदी का प्रवाह दूसरी नदियों में चला गया होगा, लेकिन सैटेलाइट से ऐसे प्रमाण मिले हैं कि सरस्वती नदी हरियाणा के आदिबद्री से शुरू होकर राजस्थान, गुजरात होते हुए समुद्र में जाती है। इसी नदी के किनारे कई शहर बसे हुए थे, जिनमें से एक अग्रोहा शहर भी था। वह शहर आज दब गया है और यह शहर व्यापार का केन्द्र होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि फतेहाबाद का कुनाल, भिरढाना, बनावाली तथा हिसार के राखीगढ़ी भी सरस्वती के किनारे बसे स्थल रहे हैं। अग्रोहा पुरातत्व की दृष्टि से हमारे लिए महत्वपूर्ण स्थल है, जो दर्शाता है कि हमारी संस्कृति समृद्ध रही है और समाज को ऊंचा उठाने का काम तब भी हुआ है।

मनोहर लाल ने कहा कि यह माना जाता है कि पुरातत्व महत्व के स्थल सबसे ज्यादा भारत में हैं और देश में हरियाणा एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पर एक हजार से अधिक पुरातत्व से संबंधित स्थल हैं। मुख्यमंत्री ने अग्रोहा से अपने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने संगठन के कार्य के लिए अग्रोहा में लगभग डेढ़ महीने तक प्रवास किया था और उस दौरान उन्होंने टीले देखे, फिर वहां के लोगों से पता चला कि वहां पर पुराना अग्रोहा दबा हुआ है, जो कि महाराजा अग्रसेन की राजधानी थी। इस अवसर पर पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग हरियाणा के निदेशक और एडीपी के सदस्य सचिव अमित खत्री, श्री अग्रसेन फाउंडेशन के अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग भी उपस्थित रहे।

महाराजा अग्रसेन को बताया भामाशाह

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दानवीर के रूप में दो ही नाम सामने आते हैं- दानवीर कर्ण और महाराजा अग्रसेन। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन समाज के भामाशाह रहे हैं। यही गुण अग्रवाल व वैश्य समाज में आज भी है। वैश्य समाज के लोग दान देने की प्रवृत्ति रखते हैं जो कि अच्छी बात है। इस मौके पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञानचन्द गुप्ता, जिन्हें अग्रोहा विकास परियोजना का चेयरमैन मनोनीत किया गया है, ने अग्रोहा धाम को पुरातत्व की दृष्टि से विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि समाज की यह वर्षों से इच्छा थी कि हजारों वर्ष पुराने इस अग्रोहा स्थल और महाराजा अग्रसेन जैसे महापुरुष के बारे में लोग जानकारी प्राप्त कर सकें, इसके लिए कुछ होना चाहिए। आज इस दिशा में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एमओयू साइन किया गया है।

हरियाणा के ऐतिहासिक पुरातत्व स्थल राखीगढ़ी और अग्रोहा धाम में रुचि रखने वाले लोगों के लिए बस की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नयी दिल्ली के हरियाणा भवन में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान चंडीगढ़ और दिल्ली से बसें चलाये जाने की शुरुआत की।

कोई भी व्यक्ति निश्चित शुल्क अदा कर विशेष बस से इन ऐतिहासिक स्थलों पर जा सकता है। बस चंडीगढ़ के सेक्टर-17 बस स्टैंड व दिल्ली के अंतर्राज्यीय बस अड्डा कश्मीरी गेट से रवाना होंगी। ये बसे पूरे दिन के टूर के तहत पहले राखीगढ़ी में पुरातत्व से संबंधित संग्रहालय स्थल पर पहुंचेगी और इसके बाद अग्रोहा धाम जाएगी। इस संबंध में अधिक जानकारी फोन नंबर 9896981775 से प्राप्त की जा सकती है।

फसलों की विशेष गिरदावरी मुआवजे को लेकर प्रदर्शन

रोहतक. ओलावृष्टि से तबाह फसलों की स्पेशल गिरदावरी और मुआवजे की मांग को लेकर दो दर्जन से ज्यादा गावों के किसानों ने डीसी आवास पर प्रदर्शन किया। किसानों ने एक स्वर में हरियाणा सरकार की वर्तमान मुआवजा नीति की आलोचना की और ऑनलाइन, पोर्टल आदि की शर्तों को हटा जितनी फसल में नुकसान हुआ है उसका पूरा मुआवजा दिया जाए। प्रदर्शन से पहले किसान मानसरोवर पार्क में एकत्रित हुए और वहां से रोष प्रकट करते हुए उपायुक्त आवास पहुंचे। किसानों ने गत दिवस हुई ओलावृष्टि के ओले भी जिला राजस्व अधिकारी को दिखाएं। किसान सभा जिला प्रधान प्रीत सिंह ने बताया कि शनिवार को रोहतक जिला के दर्जनों गावों में जिसमें मायना, सुनारियां, बलम, बनियानी, मडोधी, पटवापुर, ककराना, पाकस्मा, कारोर, शिमली, खेड़ी साध, बलियाणा, भालौठ, चुलाना, मुंगान, खरावड़, पटवापुर, पहरावार, कन्हेली, नौनंद, कसरेंटी, कंसाला, आसन , अटायल, समचाना, गढ़ी बोहर, भैयापुर, बालंद , सैमान, पोलंगी आदि अन्य गावों में बड़ी भारी ओलावृष्टि हुई है, जिसके चलते किसानों की गेहूं, सरसों, समेत अन्य फसलें 100 प्रतिशत बर्बाद हो गई। जिस वजह से किसान भारी आर्थिक नुकसान झेलने को मजबूर हैं। इस मौके पर दर्जनों गांवों के किसानों सहित किसान नेता सुमित दलाल, सरपंच महिपाल, सरपंच प्रवीण व सरपंच सुंदर, अशोक दांगी, सुनील मलिक, जोगेंद्र, रामबीर, दलबीर, साधु राम, नसीब, राजकुमार, धर्म सिंह, गीता अहलावत, वेदपाल, गुलाब, अमरजीत, राजेश, अशोक राठी, ओमप्रकाश, नरेंद्र मलिक, सतीश, वीरेंद्र, देवेंद्र, पवन, परमोद, जगबीर , ढीलू, मुकेश राणा, धर्मवीर, पवन, अनिल, राजकुमार, दयानंद आदि शामिल रहे।

प्रति एकड़ 50 हजार दिया जाये मुआवजा

आक्रोशित किसानों ने 100 प्रतिशत फसल खराबे पर 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजे की मांग की है क्योंकि गेहूं सरसों किसानों की मुख्य फसल है जिसके बर्बाद होने से किसान के पास कोई अन्य साधन नहीं बचता। किसानों का

पिछले साल की गेहूं में हुई ओलावृष्टि मुआवजा मिला ही नहीं और रबी 2022 का मुआवजा अभी तक किसानों को पूरा नही मिला। प्रदर्शन में किसानों के बीच पहुंचे जिला राजस्व अधिकारी ने किसानों को आश्वस्त किया है की किसानों के मुद्दों को हल किया जायेगा और जल्द सरकार गिरदावरी का कार्य शुरू करेगी। किसानों का प्रतिनिधिमंडल कल जिला उपायुक्त से भी मिलेगा और अगर जल्द समस्याओं को हल नहीं किया गया तो किसान अनिश्चितकालीन आंदोलन छेड़ने को भी मजबूर होंगे।

मूडीज ने भारत के जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.1 से बढ़ाकर 6.8 किया

नई दिल्ली.रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को 2024 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.1 पर्सेंट से बढ़ाकर 6.8 पर्सेंट कर दिया। दिसंबर तक तीन महीनों में भारत की आर्थिक वृद्धि अधिकांश अनुमानों से कहीं अधिक रह। रॉयटर्स ने दो सरकारी अफसरों के हवाले से बताया कि जीडीपी ग्रोथ में बढ़ोतरी का कारण प्रमुख सब्सिडी में भारी गिरावट थी।दिसंबर तिमाही ने भारत की जीडीपी ने भरी उड़ान अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था ने उड़ान भरी है। इस अवधि में जीडीपी ग्रोथ 8.4 पर्सेंट बढ़ी। यह डेढ़ साल में इसकी सबसे तेज गति है, और रॉयटर्स द्वारा सर्वे किए गए अर्थशास्त्रियों के अनुमान 6.6 पर्सेंट से कहीं अधिक है।

हालांकि, जीवीए में 6.5 पर्सेंट की वृद्धि हुई। जीवीए अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य का एक माप है और इसमें इनडायरेक्ट टैक्स और सब्सिडी शामिल नहीं है। जवीए के कम होने के कारण अर्थशास्त्रियों को यह कहने के लिए मौका मिल गया कि जीडीपी डेटा ने ग्रोथ के ट्रेंड को बढ़ा-चढ़ाकर बताया है। एक सीनियर अफसर ने शुक्रवार को कहा, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीवीए और जीडीपी के बीच व्यापक अंतर मुख्य रूप से उस तिमाही में सब्सिडी में तेज गिरावट के कारण था, जिसका मुख्य कारण यूरिया जैसे उर्वरक सब्सिडी पर कम पेमेंट था।रॉयटर्स ने सिटी अर्थशास्त्री समीरन चक्रवर्ती के हवाले से एक नोट में कहा, ÷जीवीए के साथ बड़े अंतर, एग्रीकल्चर एक्टिविटी में गिरावट और टू पेस्ड इकोनामिक ग्रोथ (निवेश खपत से कहीं अधिक) को देखते हुए उपरोक्त 8त्न वास्तविक जीडीपी प्रिंट को सावधानी के साथ पढ़ा जाना चाहिए।

सोने-चांदी के रेट में बड़ा बदलाव, 63473 पर खुला 24 कैरेट गोल्ड का भाव

नई दिल्ली.आज शादियों के सीजन के बीच सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए मायूसी भरी खबर है। आज सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल देखने मिल रहा है। गोरखपुर, दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, कोलकाता, जयपुर और पटना समेत सभी शहरों में सोना-चांदी महंगा हुआ है। शुक्रवार के बंद भाव मुकाबले आज सप्ताह के पहले दिन सोमवार को 24 कैरेट सोना 657 रुपये

महंगा होकर 63473 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी के भाव में 620 रुपये प्रति किलो की तेजी दर्ज की गई। सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में सोना-चांदी 1000 से 2000 रुपये महंगा मिल रहा हो।

बता दें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) 104 साल पुराना एसोसिएशन है। (IBJA) दिन में दो बार दोपहर और शाम को गोल्ड रेट जारी करता है। ये दरें वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के अनुसार सॉवरेन और बॉन्ड जारी करने के लिए बेंचमार्क दरें हैं। (IBJA) के 29 राज्यों में कार्यालय हैं और यह सभी सरकारी संस्थाओं का हिस्सा है।

Paytm बैंक के लाइसेंस पर मंडराया खतरा? खबर की आहट से 3 लुढ़का शेयर, कम नहीं हो रहा निवेशकों का दुख

नई दिल्ली. पेटीएम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्रीय रिजर्व बैंक (RBI) पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर सकता है। द हिंदू बिजनेस लाइन की रिपोर्ट में ये बात सामने आई है।

अगर ऐसा कुछ हुआ तो पिछले 20 सालों में यह पहली बार होगा जब इस तरह का एक्शन लिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक के परिचालन के जरूरी पहलुओं को ध्यान में रखने के लिए एक प्रशासक नियुक्त किया जा सकता है। बता दें, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा तय समय सीमा में अब 2 हफ्ते से भी कम का समय बचा है।

3 लुढ़का शेयर

लाइसेंस रद्द करने की आहट ने पेटीएम के शेयरों पर बुरा असर डाला है। सोमवार को 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ एनएसई में 410.80 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। कंपनी के शेयरों का भाव 3.47 प्रतिशत की गिरावट के बाद 400 रुपये के लेवल पर एनएसई में पहुंच गया था। यानी निवेशकों को दुख खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रेगुलेटरी ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक के अधिग्रहण में इच्छुक कंपनियों कहा साफ शब्दों में कह दिया था कि उन्हें किसी प्रकार की कोई छूट ऑपरेशन में मिलेगी। ऐसे में अधिग्रहण उन्हें अपने रिस्क पर लेना होगा।

क्या है मामला?

रिजर्व बैंक ने कई चेतावनी के बाद 31 जनवरी को पेटीएम पर कठोर फैसला लिया था। सेंट्रल बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक में 15 मार्च 2024 के बाद किसी भी प्रकार के डिपॉजिट्स पर रोक लगाई है। रिजर्व बैंक को बैंक के केवाईसी में कई तरह के समस्याएं दिखी थी।

1 महीने में 46त्न लुढ़का शेयर

मौजूदा समय में पेटीएम के शेयर 52 वीक लो लेवल 318 रुपये से 27 प्रतिशत की बढ़त हासिल करके ट्रेड कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के शेयर 31 जनवरी की कीमत की तुलना में 46 प्रतिशत की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

दिग्गज निवेशक ने खरीदे इस कंपनी के 148800 शेयर, रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा भाव, 76 पर आया था IPO

नई दिल्ली. भारतीय शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक शंकर शर्मा ने एमओएस यूटिलिटी शेयरों (MOS Utility Share) में नई हिस्सेदारी खरीदी है। एनएसई वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शंकर शर्मा ने एनएसई एसएमई स्टॉक के 1,48,800 शेयर खरीदे हैं। शेयर बाजार की इस खबर के फैलने के बाद एमओएस यूटिलिटी शेयरों में सुबह के दौरान जबरदस्त तेजी देखी गई और यह स्टॉक ?172.40 के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया था। यह इस एसएमई स्टॉक के लिए 52-सप्ताह का नया हाई भी रहा।

शंकर शर्मा की शेयरधारिता पैटर्न

शंकर शर्मा ने 1 मार्च 2024 को एक बल्क डील के जरिए 1,48,800 एमओएस यूटिलिटी शेयर खरीदे। डील में, शंकर शर्मा ने इन शेयरों को ?151.30 प्रति शेयर के हिसाब से खरीदा। यानी शंकर शर्मा ने इस एनएसई एसएमई स्टॉक में ?2,25,13,440 या ?2.25 करोड़ का निवेश किया। शंकर शर्मा के अलावा, इस एनएसई एसएमई स्टॉक में 1 मार्च 2024 को कुछ अन्य थोक सौदे भी एग्जिक्यूट किए गए। एनएसई वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एसडब्ल्यू कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने 2,19,200 एमओएस यूटिलिटी शेयर 150.31 प्रति शेयर पर खरीदे, लेकिन उसने कंपनी के 1,71,200 शेयर 151.12 प्रति शेयर पर बेच दिए।

इसका मतलब है कि वित्तीय कंपनी ने 2,19,200 कंपनी शेयर खरीदने के बाद 1,71,200 शेयर बेच दिए। इसलिए, कंपनी ने उसी तारीख को 1,71,200 शेयरों में मुनाफावसूली के बाद 48,000 शेयरों को ?0.81 प्रति शेयर पर बरकरार रखा। तो एसडब्ल्यू कैपिटल द्वारा बुक किया गया शुद्ध लाभ ?1,38,672 है।

76 पर आया था IPO

एमओएस यूटिलिटी आईपीओ अप्रैल 2023 में 72 से 76 प्रति शेयर रेंज पर लॉन्च किया गया था। बुक बिल्ड इश्यू ने एनएसई एसएमई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर ?90 प्रति शेयर पर शानदार शुरुआत की थी। इससे जिन निवेशकों को यह शेयर अलॉट हुए होंगे उन्हें 18 प्रतिशत से अधिक लिस्टिंग प्रीमियम मिला था।

प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन के बीच UAE और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज भेजेगा भारत

नई दिल्ली. मोदी सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (NCEL) के जरिए से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और बांग्लादेश को 64,400 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दे दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। बांग्लादेश को जहां 50,000 टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है, वहीं यूएई को 14,400 टन प्याज का निर्यात किया जाएगा।विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा, एनसीईएल के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात को तिमाही 3,600 टन की सीमा के साथ

14,400 टन प्याज का निर्यात अधिसूचित किया गया है। डीजीएफटी वाणिज्य मंत्रालय की इकाई है जो आयात और निर्यात से संबंधित मानदंड को देखती है। बांग्लादेश को निर्यात के बारे में कहा गया है कि इसका तौर-तरीका एनसीईएल उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ विचार-विमर्श में तय करेगा।

प्याज के निर्यात पर बैन बरकरार

हालांकि, प्याज के निर्यात पर अभी प्रतिबंध है, लेकिन सरकार कुछ मित्र देशों को एक निश्चित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति देती है। इस निर्यात की अनुमति सरकार द्वारा अन्य देशों से मिले अनुरोधों के आधार पर दी जाती है। पिछले साल आठ दिसंबर को सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के मकसद से इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

मिनी रत्न कंपनी को फिर मिला करोड़ों रुपये का काम, 1 साल में पैसा डबल

नई दिल्ली. मिनीरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयरों में आज 2 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल उड़ासी से मिले वर्क ऑर्डर के बाद देखने को मिला है। कंपनी ने कहा है कि उन्हें उड़ासा से 87 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी को यह काम जारी होने की तिथि से 365 दिन में पूरा करना है। इस खबर के आने के बाद बीएसई में इस मल्टीबैगर स्टॉक की कीमत 469 रुपये के लेवल पर पहुंच गई। हालांकि, कुछ ही देर के बाद शेयर मुनाफा वसूली का शिकार हो गया।

रक्षा मंत्रालय ने दिया है काम

कंपनी के पास हैं और कई बड़े काम हैं। फरवरी में इस पीएसयू कंपनी ने बताया था कि उन्हें प्रसार भारती से काम मिला है। इस वर्क ऑर्डर की वैल्यू 139.73 करोड़ रुपये का था। कंपनी को मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस 18.21 करोड़ रुपये का काम मिला है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन शानदार

पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

वहीं, 6 महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 92 प्रतिशत तक का लाभ हो चुका है। वहीं, एक साल में 294 प्रतिशत का रिटर्न कंपनी ने निवेशकों को दिया है। कंपनी के लिए दिसंबर तिमाही शानदार साबित हुई है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 62.14 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 94.49 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। जबकि इस दौरान कुल कमाई कंपनी की 674.81 करोड़ रुपये रहा है।

कंपनी को रेलवे ने दिया 447 करोड़ रुपये का काम, शेयरों की मची है लूट, चढ़ा भाव

नई दिल्ली. एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग के शेयरों में आज 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी शेयरों में सोमवार को होने वाली इस उछाल के पीछे की वजह इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हैं। कंपनी ने बताया है कि उन्हें साउथ सेंट्रल रेलवे की तरफ से 447 करोड़ रुपये का काम मिला है।

क्या है वर्क ऑर्डर

कंपनी ने बताया है कि उन्हें साउथ रेलवे से मिले वर्क ऑर्डर में ट्रैक को डबल करना और सिग्नल को सही करना शामिल है। बता दें, सोमवार को लगातार चौथा कारोबारी सत्र था जब कंपनी के शेयरों की कीमतों में उछाल देखने को मिली थी।

इससे पहले मिला था करोड़ों रुपये का काम

इससे पहले कंपनी को 1 मार्च को ईस्ट रेलवे की तरफ से 772 करोड़ रुपये का काम मिला था। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में तब कहा था कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए उन्हें 36 महीने का समय मिला है। कंपनी को बिहार में 66.88 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक को डबल करना है।

शेयर बाजार में पिछला एक साल कैसा रहा?

कंपनी के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 22 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, स्टॉक बीते 6 महीने के दौरान 0.64 प्रतिशत टूट गया है। वहीं, पोजीशनल निवेशकों को एक महीने में 2.57 प्रतिशत टूट गया है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि बीते 5 दिनों के दौरान कारोबारी सत्रों में उछाल देखने को मिली है।

सरकार के इस फैसले से पहले एनर्जी शेयर में भूचाल, बेचने की लगी होड़, एक्सपर्ट बोले- 54 पर जाएगा भाव, खरीदो मौका

नई दिल्ली. सुजलॉन एनर्जी के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में 5त्न का लोअर सर्किट लग गया है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर आज कारोबार के दौरान 41.77 रुपये के इंट्रा डे लो पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस गिरावट के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, खबर है कि सरकार विंड एनर्जी कैपासिटी के लिए ÷रिवर्स नीलामी÷ वापस लाने पर विचार कर रहा है। इस खबर के बाद ही आज सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में भारी बिकवाली देखी जा रही है। कंपनी के शेयर आज पिछले बंद 43.96 रुपये के मुकाबले 43.80 रुपये पर ओपन हुआ था और फिर 41.77 रुपये के इंट्रा डे लो पर पहुंच गया।

क्या है डिटेल

न्य एंड रिन्यएबल मंत्रालय (एमएनआरई) एनर्जी कंपनियों के लिए विंड एनर्जी कैपासिटी की नीलामी के लिए रिवर्स नीलामी÷वापस लाने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने एनटीपीसी, एनएचपीसी, एसजेवीएन और अन्य पीएसयू जैसी कंपनियों को एक पत्र भेजकर निर्देश दिया है, जिसमें हालिया विंड बोलियों में अंडरसब्सक्रिप्शन और अधिक टैरिफ खोज के कारणों का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, एमएनआरई ने रिवर्स नीलामी के पहले के दृष्टिकोण को बहाल कर दिया है, सादे वेनिला पवन निविदाओं के लिए साइज को 600 मेगावाट तक सीमित कर दिया है और नवीकरणीय ऊर्जा कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा पैन इंडिया बेस्ड बोलियां जारी करना अनिवार्य कर दिया है। बता दें कि रिवर्स नीलामी सिस्टम के तहत, बोली लगाने वाले एक-दूसरे के खिलाफ तब तक बोली लगाते हैं जब तक कि किसी बोली को प्रति-प्रस्ताव द्वारा चुनौती न दी जाए। इसके परिणामस्वरूप पर्याप्त विंड कैपासिटी स्थापना नहीं हुई, जिसके कारण मंत्रालय को इस पद्धति को रद्द करना पड़ा। जनवरी 2023 में केंद्र ने विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स के लिए नीलामी प्रक्रिया को संशोधित किया था। एमएनआरई ने 12 जनवरी को कहा कि इसने 2030 तक हर साल 8 गीगावाट (जीडब्ल्यू) परियोजनाओं के लिए बोलियां मंगवाने का टारगेट भी रखा है। हालांकि रिवर्स नीलामी के परिणामस्वरूप टैरिफ में कमी आई, लेकिन यह क्षमता स्थापना का

सुजलॉन एनर्जी के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में 5 का लोअर सर्किट लग गया है। सुजलॉन एनर्जी के शेयर कारोबार के दौरान 41.77 रुपये के पर पहुंच गए थे।

समर्थन करने के लिए पर्याप्त नहीं था।

ब्रोकरेज को है भरोसा

इस खबर के बावजूद जेएम फाइनेंशियल ने सुजलॉन पर अपनी खरीद रेटिंग बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने सुजलॉन एनर्जी के शेयर पर 54 रुपये का टारगेट रखा है और इसे खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज के मुताबिक, मजबूत ऑर्डर बुक, बेहतर वित्तीय स्थिति के चलते इसके शेयरों में तेजी आने की संभावना है। बता दें कि सुजलॉन के शयेर पिछले छह महीनों में 75 प्रतिशत से अधिक चढे हैं।

कर्ज मुक्त हो गई यह मेटल कंपनी, 300 तक पहुंच सकता है इसका शेयर

नई दिल्ली. स्टील ट्यूब बनाने वाली कंपनी जेटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने लगभग ?36 करोड़ का बकाया ऋष्ा चुका दिया है और वह नेट डेब्ट फ्री कंपनी बन गई है। मल्टीबैगर जेटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों ने पिछले तीन साल में 764त्न रिटर्न दिया है। इसकी तुलना में सेंसेक्स इस अवधि में 47.93त्न ही चढ़ पाया है। जबकि, तीन साल में बीएसई स्मॉल कैप 122त्न उछल चुका है। 28 मार्च, 2023 को यह मेटल स्टॉक 142.75 रुपये के वार्षिक निचले स्तर पर पहुंच गया। एक्सिस सिक्योरिटीज ने मेटल स्टॉक के लिए 300 रुपये का लक्ष्य रखा है। दूसरी ओर एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी इसका टार्गेट प्राइस 300 रुपये रखा है।बीएसई पर जेटीएल इंडस्ट्रीज के शेयर शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के दौरान 261.50 रुपये पर बंद हुए। कंपनी का मार्केट कैप 4463 करोड़ रुपये रहा। पिछले छह महीने में जेटीएल ने 25 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। इस साल अब तक 10 पर्सेंट से अधिक चढ़ने वाले इस स्टॉक का 52 हफ्ते का हाई 278 रुपये और लो 142.05 रुपये है।

एक्सिस सिक्योरिटीज ने कहा, रणनीतिक रूप से स्न्ङ्घ25 तक अपनी क्षमता को मौजूदा 0.586 स्न्ञ से 1 स्न्ञ तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी का टार्गेट वित्त वर्ष 2023 में वीएपी शेयर को 31त्न से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2025 तक 50त्न करना है।जेटीएल ने वित्त वर्ष 2025 के बाद 1 एमटी क्षमता और जोड़ने की योजना बनाई है, जिससे

एक्सिस सिक्योरिटीज ने मेटल स्टॉक के लिए 300 रुपये का लक्ष्य रखा है। दूसरी ओर एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी जेटीएल इंडस्ट्रीज के शेयर का टार्गेट प्राइस 300 रुपये रखा है।

वित्त वर्ष 2027 तक इसकी कुल क्षमता 2 एमटी तक बढ़ जाएगी। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट और रिटर्न स्थिर है। कंपनी के आरओई और आरओसीई के मध्यम होने की उम्मीद है, लेकिन स्न्ङ्घ24-26श्च के दौरान यह 20त्न के करीब रहेगा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, क्षमता विस्तार, कंपनी के उत्पाद की मजबूत मांग, उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार और निर्यात में अपेक्षित वृद्धि के कारण वित्त वर्ष 2024 और उसके बाद भी ग्रोथ जारी रहने की उम्मीद है।फर्म ने कहा, हमारा मानना है कि निवेशक 252.85- 260.55 रुपये बैंड में स्टॉक खरीद सकते हैं और 228.70-235.70 रुपये बैंड पर और ऐड कर सकते हैं। अगले 2-3 तिमाहियों के लिए बेस केस टार्गेट 278.75 रुपये और बुल केस टार्गेट 300.5 रुपये है।÷

प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले दर्द को न लें हल्के में, जानें कैसा होता है लेबर पेन

गर्भ ठहरने की खबर बेहद खास होती है। लेकिन एक नए जीवन को दुनिया में लाना इतना भी आसान नहीं होता है। यह बड़ी जिम्मेदारी महिला के कंधों पर इसीलिए आती है क्योंकि कुदरत ने उसे सहनशीलता, उदारता, ममता जैसी खूबियों से नवाजा है। लेकिन सहनशीलता का मतलब यह भी नहीं कि हम अपने शरीर को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दें। गर्भावस्था में हमें तमाम तरह की परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है, जिनमें से एक है तरह-तरह के दर्द। अगर आप गर्भवती हैं तो आपको भी जानना चाहिए कि इस दौरान किस तरह के दर्द होते हैं, कौन से दर्द सामान्य हैं और उनसे कैसे राहत पाई जा सकती है। साथ ही यह भी समझें कि किस तरह के दर्द को अनदेखा नहीं करना चाहिए।

पेट में दर्द

गर्भावस्था में पेट दर्द एक आम समस्या है, लेकिन कई बार महिलाएं ऐसा दर्द होने प चिंचित हो जाती हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.नेहा मैनी गुप्ता कहती हैं कि बच्चेदानी के बढ़ने के कारण इस समय पेट दर्द होना आम बात है। इसके साथ ही मांसपेशियों में खिंचाव के कारण भी पेट दर्द होता है। लेकिन महिलाओं को कॉन्ट्रैक्शन और क्रैंपिंग में अंतर समझना होगा। कॉन्ट्रैक्शन शारीरिक बदलाव के कारण होता है। वहीं क्रैंपिंग पीरियड में होने वाला दर्द है, जो गर्भावस्था में सामान्य नहीं होता। पेट में खिंचाव के कारण होने वाले दर्द से राहत पाने के लिए आप हल्की गर्म थैली से सिंकाई कर सकती हैं। वहीं अगर आपकी नाभि के आसपास दर्द है तो घबराने की जरूरत नहीं है। यह भ्रूण के विकास का कारण हो सकता है और गर्भावस्था के दौरान कभी भी हो सकता है। इससे राहत पाने के लिए करवट लेकर लेटें और पेट के नीचे पतला तकिया लगाएं।

कमर में दर्द

प्रेग्नेंसी में कमर दर्द भी एक आम समस्या है। बच्चेदानी को संभालने के कारण पेल्विक बोन और मांसपेशियों पर पड़ने वाले दबाव के कारण इस तरह का दर्द होता है। वहीं कुछ महिलाओं को कूल्हे या हिप में भी दर्द होता है। ऐसा कनेक्टिव टिश्यू में खचाव के कारण होता है। इन सभी तरह के दर्द से राहत पाने के लिए आप दर्द निवारक दवा लगा सकती हैं या फिर बाईं करवट लेटकर पैरों के बीच तकिया लगाकर सो सकती हैं। इसके अलावा कुछ महिलाओं को साइटिका का दर्द भी होता है। यह बच्चेदानी के भार के कारण साइटिका नस के दबने से होता है।

पैरों में दर्द

गर्भावस्था में महिलाओं को पैरों में दर्द की शिकायत बनी रहती है। इसका एक बड़ा कारण पैरों पर पड़ने वाला भार है। शरीर में फॉस्फोरस की बहुत ज्यादा मात्रा या कैल्शियम की कमी के कारण भी पैरों में दर्द हो सकता है। वहीं रेस्ट लेस लेग सिंड्रोम में पैरों में बेचैनी बनी रहती है और लोग अकसर पैरों को पटकते रहते हैं। यह आयरन और फोलिक ऐसिड की कमी के कारण हो सकता है। इससे बचने के लिए आपने पोषण का पूरा ख्याल रखें। साथ ही आप कंप्रेशन स्टॉकिंग्स भी पहन सकती हैं जिससे रक्त प्रवाह ऊपर की ओर आने लगता है और पैरों को राहत मिलती है।

इसे न लें हल्के में

गर्भावस्था के दौरान किस तरह के दर्द में आपको सावधन हो जाना है, यह भी जानना जरूरी है। डॉ. नेहा के अनुसार पेट में क्रैंपिंग होना सामान्य नहीं है। इस तरह का दर्द मरोड़ या पीरियड के दर्द जैसा होता है, जो रुक-रुक के उठता है। ऐसा हो रहा है तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं। वहीं अगर आपको सिर दर्द की समस्या बनी है तो हल्के में न लें। सिर दर्द के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक बड़ा कारण है उच्च रक्तचाप, जो गर्भावस्था के लिए खतरे की घंटी है। वहीं कुछ लोग नकली और असली लेबर पेन में अंतर नहीं समझ पाते। अगर आपको फॉल्स लेबर आ रहा है तो कुछ देर आराम करने पर वह ठीक हो जाता है। वहीं अगर असली लेबर पेन है तो वह किसी भी तरह से बंद नहीं होता और बढ़ता जाता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। साथ ही अगर पेट में दर्द के साथ आपको किसी तरह का डिस्चार्ज हो रहा है, तब भी अपने चिकित्सक के पास जाना जरूरी है।

तब भी जाएं डॉक्टर के पास

बहुत कम महिलाएं गर्भावस्था से पहले अपनी जांच करवाती हैं। लेकिन यह करना बेहद जरूरी है ताकि गर्भावस्था के दौरान आने वाली समस्याओं से बचा जा सके और एक स्वस्थ्य जीवन को धरती पर लाया जा सके। इस दौरान चिकित्सक खास जीवनशैली अपनाने की सलाह देते हैं, साथ ही कुछ जांच भी करवा सकते हैं।

एमएसपी' को कानूनी दर्जा देने से मजबूत होगी कृषि

अक्सर एमएसपी के संदर्भ में कहा जाता है कि वित्तीय बोझ होगा। यदि हम मानकर चलें कि फसलों के लिए हमें सरकारी उपार्जन और निजी बाज़ार दोनों की ज़रूरत है, तो उपार्जन का खर्चा अपने आप कम हो जाता है। दूसरा, इसे सब्सिडी की नज़र से न देखकर निवेश के रूप में देखें। क्या इस निवेश से विकास की पूर्ति हो रही है? किसानों को उचित भाव मिलना और खेती में सुरक्षा एवं गरिमा महसूस करना महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

कृषि के मामले में स्पष्ट है कि सरकार 23 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित करती है, जबकि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के माध्यम से कुछ ही इलाकों में मुख्यत- गेहूं और धान भर खरीदती है। यानी %एमएसपी% पर उपज खरीदने की सरकारी घोषणा महज कागजी होती है। सरकार की दलील रही है कि यदि वह सभी फसलें खरीदे तो उसका वित्तीय बोझ असहनीय हो जाएगा। ऐसे में इस दलील को परखना जरूरी है। मूल बात यह है कि सरकारी खरीदी एवं निजी बाज़ार-व्यापार साथ-साथ चलते हैं। ये व्यवस्थाएं कॉम्पिटिशन के साथ एक दूसरे की पूरक बन जाती हैं। इन 23 एमएसपी फसलों को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है

अव्वल तो कुछ फसलें ऐसी हैं, जिनका निजी बाज़ार मज़बूत है, खासकर जिनकी कारखानों के लिए खरीदी होती है। इन फसलों के लिए %एमएसपी% एक न्यूनतम भाव, यानी मंडी में %फ्लोर प्राइस% बन सकती है। इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं - वर्ष 2023 में फसल आने पर सोयाबीन का भाव 4500 रुपए से 5000 रुपए चिंटल था। व्यापारी मिलों के लिए सोयाबीन मण्डियों से खरीद रहे थे। एमएसपी का भाव 4600 रुपए क्विंटल था। एक वर्ष पहले यह भाव 6000 रुपए क्विंटल के ऊपर था। यदि विशेष परिस्थितियों में मण्डियों में बोली लगातार एमएसपी के नीचे लग रही हो तो सरकार को दखल देना चाहिए। यह दो तरीकों से हो सकता है।मण्डियों के कर्मचारी यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि किसान के माल की बोली एक निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार एमएसपी से कम दाम पर न हो। जहां मिल द्वारा उपज खरीदी जाती है, वह भी एमएसपी से कम पर न हो। यदि भाव को नियंत्रित करना ज़रूरी हो तो अंश-कालिक सरकारी खरीदी खोल देनी चाहिए। कॉम्पिटिशन से निजी बाज़ार पर प्रभाव पड़ेगा और दाम ऊपर आएंगे। कई व्यापारिक फसलें जिनका आमतौर पर बाज़ार भाव एमएसपी के ऊपर रहता है, उनके लिए सरकार को उपार्जन की ज़रूरत नहीं है। कभी-कभी सरकारी खरीदी करना पड़ सकती है।

दूसरी सूची उन फसलों की होगी जिनका कटाई के बाद का भाव एमएसपी से 10 से 30 प्रतिशत नीचे रह सकता है। उदाहरण के लिए जब मक्का का भाव कटाई के समय 1750 रुपए क्विंटल था तब एमएसपी का भाव 2090 रुपए क्विंटल था। इस दौरान किसी को भी एमएसपी नहीं मिल रही थी। इस फसल पर निजी बाज़ार एमएसपी के नीचे ही चलता रहा। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए केवल एमएसपी के नियम को लागू करने से काम नहीं चलेगा। भाव को ऊपर खींचना होगा। इसके लिए सरकार को विकेंद्रीकृत तरीके से हर जिले में छोटे-छोटे उपार्जन-केंद्र खोलने होंगे और 10 से 40 प्रतिशत फसल खरीदने की व्यवस्था बनानी होगी।उदाहरण के लिए गेहूं को देखें। एक जिले में 50 से अधिक उपार्जन केंद्र हैं। किसान पंजीयन करते हैं और उन्हें पास का केंद्र मिल जाता है। उपार्जन के बाद पैसे उनके बैंक खाते में डाल दिए जाते हैं। इस विकेंद्रीकृत व्यवस्था के कारण 30 से 50 प्रतिशत किसान इसका लाभ ले पाए। बड़ी बात यह रही कि निजी व्यापार पर कॉम्पिटिशन का असर पड़ा और मंडी के भाव एमएसपी के पास या अधिक रहे। उपार्जन ने निजी व्यापार भाव को भी ऊपर उठाया। 40 से 60 प्रतिशत व्यापार निजी बाज़ार से हुआ और किसानों को उचित भाव मिले।नया कानून इसको सुनिश्चित कर सकता है। हर वर्ष एमएसपी की घोषणा के साथ-साथ विकेंद्रीकृत उपार्जन व्यवस्था की घोषणा अनिवार्य होनी चाहिए।

हर राज्य के लिए कुछ ऐसी फसलों को (गेहूं और चावल को छोड़कर) चुना जाए जिनका निजी व्यापार या मंडी भाव ऊपर उठाया जा सकता है। यह सार्वजनिक हित में होगा और किसान के लिए प्रोत्साहन बनेगा तथा मिश्रित खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। हर राज्य की सूची अलग होगी, पर सभी को मिलाकर देखें तो 23 एमएसपी फसलों में अधिकांश को कवर कर पाएंगे।इसे अनिवार्य करने के लिए एमएसपी की घोषणा से उपार्जन को जोड़ना होगा और केंद्र द्वारा संचालित एफसीआई को जिम्मेदारी एवं वित्तीय खर्च उठाना होगा। हर राज्य के लिए गेहूं और धान के साथ चुनिन्दा क्षेत्रीय फसलों पर यह नियम लागू होगा। केन्द्र और राज्य इसे तय करेंगे। कई मायनों में एफसीआई का काम बढ़ेगा। उन्हें उन राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर या सार्वजनिक व्यवस्था में निवेश करना होगा, जहां आज उपार्जन की व्यवस्था नहीं है। एफसीआई को गेहूं और चावल इन नए इलाकों से भी खरीदने होंगे और उसे अन्य फसलों के लिए भंडारण और वितरण की व्यवस्था बनानी होगी। गेहूं और चावल को छोड़कर एफसीआई को 30 प्रतिशत दूसरी फसलों का भण्डारण करना चाहिए, अन्यथा बिना उपार्जन वाली एमएसपी व्यवस्था एक खोखली घोषणा भर बनी रहेगी।जैसा पहले कहा गया है, केवल उपार्जन से बात नहीं बनेगी। मंडी में निजी बाज़ार भाव को ऊपर उठाना होगा। 60-70 प्रतिशत व्यापार निजी बाज़ार से होना है। इसके लिए राज्य सरकार को सार्वजनिक मंडी को मज़बूत बनाना होगा और उसमें निवेश करना होगा। पारंपरिक मंडी को बेहतर बनाना और वहां खुली नीलामी एवं निगरानी की व्यवस्था कायम करनी होगी। इन सब पर अध्ययन हैं, लेकिन उनकी अनुशंसाओं पर काम नहीं हुआ है।तीसरी सूची उन फसलों की है, जिनका बाज़ार भाव एमएसपी से बहुत दूर है। कई दशकों की मार से इन फसलों की मांग घट गई है। किसानों ने इन्हें लगभग छोड़ दिया है। इनमें मोटा अनाज शामिल है, जो सबसे पौष्टिक है, पर इनका चलन बहुत कम है। उदाहरण के लिए ज्वार एक समय मुख्य अनाज होता था। दो वर्ष पहले उसका मण्डी भाव 1300 रुपए क्विंटल से 1450 रुपए क्विंटल था, जबकि एमएसपी 2738 रुपए क्विंटल था। ऐसी परिस्थिति में केवल सरकारी खरीदी से बात नहीं बनेगी। यहां लक्ष्य होगा कि जनमानस में फिर से इसका चलन बने। ज्वार, बाजरा, जौ, रागी आदि इसी समूह में आते हैं। इनकी खपत बढ़ाना ज़रूरी लक्ष्य होना चाहिए, तभी किसान इनकी खेती के लिए प्रोत्साहित होंगे। यहां सरकारी खरीदी के साथ-साथ उत्पादन के लिए विशेष मदद करनी होगी।

इन समूहों को देखते हुए यह बात साफ हो जाती है कि हर राज्य को अपनी परिस्थितियों के अनुसार लक्ष्य बनाना होगा। एमएसपीका मॉडल केंद्रीय कानून हो सकता है, जिसे राज्यों को अपनाते हुए नियम एवं योजनाओं को बनाना होगा। यहां किसान संगठनों की अहम भूमिका होनी चाहिए, क्योंकि मिश्रित खेती पर लौटने के लिए, किसानों से चर्चा करके योजना बनाई जानी चाहिए। केंद्रीय कानून में राज्यों को वित्तीय सहायता देने के प्रावधान होना चाहिए, ताकि वे व्यवस्था बना पाएं। अन्यथा हम कभी गेहूं-धान के चक्र से नहीं निकल सकते।अक्सर मएसपी के संदर्भ में कहा जाता ह

ै कि वित्तीय बोझ होगा। यदि हम मानकर चलें कि फसलों के लिए हमें सरकारी उपार्जन और निजी बाज़ार दोनों की ज़रूरत है, तो उपार्जन का खर्चा अपने आप कम हो जाता है। दूसरा, इसे सब्सिडी की नज़र से न देखकर निवेश के रूप में देखें। क्या इस निवेश से विकास की पूर्ति हो रही है? किसानों को उचित भाव मिलना और खेती में सुरक्षा एवं गरिमा महसूस करना महत्वपूर्ण लक्ष्य है। खेती को मिश्रित फसल चक्र पर ले जाना कृषि विकास के लिए ज़रूरी कदम होगा। मंडी व्यवस्था को बेहतर और न्यायसंगत बनाना कृषि बाज़ार के लिए उचित होगा। खाद्य नीति को केवल गेहूं-धान तक सीमित नहीं रखकर उसमें मोटे अनाज, तेल और दालों को शामिल करना ज़रूरी है। एमएसपी को क़ानूनी स्वरुप देना मज़बूरी नहीं, कृषि विकास के लिए एक मौका है।

संपादकीय

आर्थिकी की छलांग

इसमें दो राय नहीं कि वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी के आंकड़े अर्थव्यवस्था में आशा का संचार करने वाले हैं। अक्तूबर-दिसंबर की तिमाही के जीडीपी आंकड़े बताते हैं कि देश कोरोनाकाल के संकट और वैश्विक चुनौतीपूर्ण स्थितियों से मुक्त होकर विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। शुक्रवार को शेयर बाजार का रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचना बताता है कि उसे तरक्की के आंकड़े रास आए हैं। विपक्षी नेता कह सकते हैं कि चुनावी समर में जाते देश की गुलाबी तसवीर सरकार पेश कर रही है। लेकिन मार्च माह के पहले दिन घरेलू बाजार में दमदार तेजी हकीकत बयां करती है। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ा है। जिसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी नए सर्वकालिक उच्च स्तर तक जा पहुंचे। जो बताते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था ने नई रफ्तार पकड़ ली है। देश ने आर्थिक विकास के मामले में चीन-अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। गुरुवार को जारी तीसरी तिमाही के आंकड़ों के अनुसार देश की विकास दर 8.4 फीसदी रही है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि यह आंकड़ा साढ़े छह प्रतिशत के आसपास रह सकता है। वैसे इससे पहले दूसरी तिमाही की ग्रोथ दर 7.6 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में विकास दर 4.3 फीसदी रही थी। निस्संदेह, ये आंकड़े मोदी सरकार के लिए बूस्टर का काम कर सकते हैं। जो आने वाले आम चुनाव में एक मुद्दा भी रहेगा और सरकार अर्थव्यवस्था के सवाल पर विपक्ष के सवालों का जवाब देने में मजबूत रहेगी। इतना ही नहीं, आईएमएफ जैसी वैश्विक संस्थाएं भी कह रही हैं कि मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास की गति अमेरिका, जापान व चीन से अधिक रहेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि विकास के आंकड़ों की यह क्षमता देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाये। देश में बेरोजगारी की दर धरातल पर कम हो।उल्लेखनीय है कि पिछली तिमाही में अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन के मूल में तीन बड़े कारक रहे हैं। भले ही कृषि क्षेत्र में सुस्ती देखी गई है, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग, माइनिंग और विनिर्माण के क्षेत्रों में उत्साहवर्धक गति देखी गई है। बढ़ते अप्रत्यक्ष करों में वृद्धि का भी अर्थव्यवस्था को गति देने में योगदान रहा है। उत्साहजनक बात यह रही कि उत्पादन क्षेत्र में तीसरी तिमाही में 11.6 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। यह वृद्धि पिछली तिमाही में महज 4.8 फीसदी रही थी। वहीं खनन के क्षेत्र में भी विकास दर 7.5 फीसदी रही है। अच्छी बात यह भी है कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार फरवरी में करीब तीन अरब डॉलर बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को दी गयी जानकारी के अनुसार, विदेशी मुद्रा का भंडार अब बढ़कर 619 अरब डॉलर हो गया है। वहीं दूसरी ओर भारतीय स्टेट बैंक के एक अध्ययन में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर आठ फीसदी के दायरे में रह सकती है। भारत की यह उपलब्धि इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाएं उच्च मुद्रास्फीति की चुनौतियों से जूझ रही हैं। जिसके चलते विश्व की वित्तीय स्थितियों में विषमता नजर आ रही है। वहीं भारत ने दुनिया में जारी युद्धों के प्रभाव, महामारी के प्रभावों के बावजूद ये कामयाबी हासिल की है। अच्छी बात यह है कि हमारी उपलब्धियां अनुमानों से अधिक हैं। सुखद यह भी है कि देश ने लगातार तीसरी बार अर्थव्यवस्था की विकास दर को सात प्रतिशत से अधिक रख पाने में सफलता पायी है। इसके बावजूद कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अनुकूल नहीं है।

जनता पूछ रही है- कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के रिश्ते को क्या नाम दें?

देश में लोकसभा चुनावों की तैयारी को लेकर 'इंडी' गठजोड़ के तहत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबन्धन हो चुका है। देश के अन्य हिस्सों जैसे दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में दोनों दल मिल कर चुनाव लड़ेंगे जबकि पंजाब में एक-दूसरे के खिलाफ। इस अजीबो-गरीब गठजोड़ को देख कर हास्य अभिनेता कादर खान की उस फिल्म में कॉमेडी का स्मरण हो आया जिसमें प्रेमी की माँ और प्रेमिका का बाप भी एक दूसरे के चक्कर में पड़ कर शादी कर बैठते हैं। अब इस रिश्ते से प्रेमी अपनी प्रेमिका का भाई हो गया और उसका अपना पिता उसका ससुर भी बन गया। प्रेमिका भी अपनी माँ को सासू कहे या मम्मी, उसे समझ नहीं आ रहा था। परिवार में इन दोनों जोड़ियों के होने वाले बच्चों के सामने समस्या पैदा हो गई कि कौन किसको किस रिश्ते से पुकारे? इसी तर्ज पर उक्त राजनीतिक गठजोड़ को देख कर यह बात सत्य साबित हो गई है कि देश में नई तरह की राजनीति का वायदा करके आए अरविंद केजरीवाल ने वास्तव में नया कर दिखाया है। हालांकि इस तरह के बेमेल गठजोड़ अतीत में भी कुछ स्थानों पर होते रहे हैं परन्तु राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार यह बेर और केर का साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अन्ना हजारे आन्दोलन से उपजी आम आदमी पार्टी अब उसी के पक्ष में दिखाई दे रही है।रोचक है कि चुनावों में प्रचार के दौरान पंजाब में कांग्रेस जहां भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार को कोसेगी और अरविंद केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उछालेगी वहीं दोनों दल दूसरे राज्यों में एक-दूसरे की पीठ खुजाएंगे। केंद्र में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो यहां के सांसद चाहे वह कांग्रेस के हों या आप के एक साथ सरकार में बैठेंगे और भाजपा सरकार बनी रहती है तो विपक्ष में गलबहियां डाले दिखेंगे, यानि हमीं से मुहब्बत हमीं से लड़ाई- अरे मार डाला दुहाई दुहाई। पंजाब में इस रिश्ते को फिक्स मैच या नूरा कुश्ती का नाम दिया जाने लगा है। कल 1 मार्च को पंजाब विधानसभा में शुरू हुए बजट सत्र के दौरान कांग्रेस ने पंजाब में शंभू सीमा पर चल रहे किसान आंदोलन में मारे गए युवक को लेकर आप की सरकार को घेरा तो सत्तापक्ष ने कांग्रेस पर पलटवार किया। भाजपा ने इसे फिक्स मैच बता कर उपहास किया है और कहा है कि किसानों के खिलाफ दोनों अंदर से मिले हुए हैं।इस बेमेल खिचड़ी गठबन्धन को लेकर एक कहानी सुनाई जाने लगी है कि जैसे बाढ़ के समय जान बचाने के लिए अपनी दुश्मनी भुला कर हर तरह के जीव-जन्तु ऊंचाई वाली जगह पर एकत्रित हो जाते हैं परन्तु पानी उतरते ही उनकी मित्रता उसी बाढ़ के जल में प्रवाहित हो जाती है और फिर एक दूसरे की जान के दुश्मन बन जाते हैं। लगता है कि देश में जिस तरह का राजनीतिक वातावरण बना हुआ है और भाजपा की विजय की अभी से भविष्यवाणी करने वालों की संख्या बढ़ रही है, शायद उसी के भय से आम आदमी पार्टी व कांग्रेस ने मिल कर भानुमती का कुनबा जुटाया है। देश के इतिहास में यह दूसरा चुनाव है जब भ्रष्टाचार को लेकर सरकार हावी है और विपक्षी दल रक्षात्मक मुद्रा में हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर तो काफी समय से इस तरह के केस चले आ रहे हैं परन्तु कट्टर ईमानदार अरविंद केजरीवाल व आप के कई बड़े नेताओं पर भी दिल्ली आबकारी घोटाले के छींटे पड़े हैं जो उन्हें बेचैन किए हुए हैं। आम आदमी पार्टी के कई नेता तो जेलों में कैद हैं और यहां तक कि उन्हें इन केसों में सर्वोच्च न्यायालय से जमानत तक नहीं मिल पा रही। ये वही केजरीवाल हैं जो सोनिया गांधी को मंच पर खड़े हो कर भ्रष्टाचारी बताते थे और दिल्ली की पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री दिवंगत शीला दीक्षित के कथित भ्रष्टाचार के सबूतों का पुलिंदा होने का दावा करते थे। दिल्ली विधानसभा चुनावों में उन्होंने दावा किया था कि सत्ता में आते ही इन सबको जेल की हवा खिलाई जाएगी। पर आज वही केजरीवाल कांग्रेस को परम मित्र बताते नहीं अघाते।पंजाब में भी भगवंत मान की सरकार ने आते ही कथित भ्रष्टाचार उन्मूलन अभियान चला कर एक दर्जन के करीब पूर्व कांग्रेसी मंत्रियों व विधायकों के यहां सतर्कता विभाग की छापामारी करवाई और कईयों को जेल में भेजा परन्तु वर्तमान में न जाने किस कारण से उनका यह अभियान केवल पटवारियों और कलर्कों तक सीमित हो कर रह गया। बड़े नेताओं के केस लम्बी तारीख पर डाल दिए गए हैं। पंजाब के बड़े कांग्रेसियों के भ्रष्टाचार पर न केवल भगवंत मान बल्कि उनके मंत्रियों व नेताओं तक ने बोलना कम कर दिया।जैसे कि बताया जा चुका है कि विरोधी दलों से गठजोड़ होना कोई नई बात नहीं है परंतु किसी दो दलों में एक स्थान पर तो गठबंधन हो और दूसरी जगह पर एक-दूसरे से भिड़ते दिखें तो अतीत में ऐसा राजनीतिक उदाहरण दुर्लभ ही है। कहने को दोनों दल दावा करते हैं कि वे देश में लोकतंत्र व संविधान बचाने के लिए एक दूसरे के साथ आए हैं अगर ऐसा है तो इतने पवित्र यज्ञ में पंजाब को क्यों आहूति डालने से वंचित कर दिया ? देशवासी अब आम आदमी पार्टी व कांग्रेस दोनों से पूछ रहे हैं कि इस रिश्ते को क्या नाम दें ?

गैजेट्स न बिगाड़ दें सेहत

इन दिनों हम हर वक्त किसी न किसी गैजेट से खुद को घिरा पाते हैं। ये गैजेट्स भले ही हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन हम इनकी वजह से कब बीमारियों से घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इनके प्रभाव से कैसे करें अपना बचाव, बता रहे हैं पंकज घिल्डियाल

कंप्यूटर/लैपटॉप

आज कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करना मजबूरी भी है और कहीं-कहीं लत भी। इसके अधिक इस्तेमाल के कारण कई बार सेहत पर इसके दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, जैसे शारीरिक सक्रियता का कम होना, नींद में कमी या स्लीप पैटर्न का गड़बड़ा जाना आदि। वहीं लैपटॉप के कारण गर्दन में दर्द एक बड़ी बीमारी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। की-बोर्ड के नजदीक होने से झुकना पड़ता है। इससे गर्दन में खिंचाव होता है, जिससे दर्द होता है। कभी-कभी डिस्क भी खिसक जाती है।

टेलीविजन और लाइफ स्टाइल

क्या बच्चे, क्या बड़े, लोग घंटों टेलीविजन के सामने बैठ कर समय व्यतीत करते हैं। एक लेख के अनुसार लोगों द्वारा हर घंटे देखे गये टीवी से उनका जीवनकाल 22 सेकंड कम हो जाता है। हर भारतीय एक सप्ताह में औसतन 15-20 घंटे टीवी देखता है। कई शोधों में यह बात सामने आई है कि टीवी के सामने हर रोज दो घंटे बिताने से टाइप 2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

वाईफाई/सेलफोन

अनेक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि वायरलेस उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें कैंसर का कारण बनती हैं और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाती हैं। स्वीडन में हुए एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग 20 वर्ष से कम उम्र में मोबाइल फोन का उपयोग शुरू कर देते हैं, उनमें ब्रेन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। युवा आमतौर पर मोबाइल फोन से संगीत का आनंद उठाते हैं, लेकिन 85 डेसिबल से अधिक तेज ध्वनि किसी की भी सुनने की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है। स्टीरियो हेडफोन से निकलने वाली तरंगें 100 डेसिबल तक पहुंच जाती हैं।

वीडियो गेम

वीडियो गेम में बच्चों का जबरदस्त क्रेज है। घंटों वीडियो से चिपके रहना सामान्य बात है। अधिक समय तक वीडियो गेम खेलने से बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। बच्चे जहां अधिक आक्रामक हो रहे हैं, वहीं दोस्तों से झगड़ना, आंखों की रोशनी कम होना, मोटापा बढ़ना आदि बहुत से प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

गुस्सैल न हो जाए आपका स्वभाव

लंदन यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग कंप्यूटर पर 4 घंटे या उससे ज्यादा समय बिताते हैं, उन्हें अन्य लोगों के मुकाबले दिल की समस्या होने की आशंका 125 फीसदी अधिक रहती है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताने वालों को मृत्यु का खतरा अन्य लोगों के मुकाबले 45 फीसदी ज्यादा होता है। इसी तरह अगर आप रोजाना मोबाइल पर 4 घंटे से ज्यादा बात करते हैं तो आपका स्वभाव गुस्सैल हो जाता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले की एक स्टडी पर गौर करें तो 70 प्रतिशत से अधिक कंप्यूटर यूजर्स को कंप्यूटर चश्मे की जरूरत पड़ती है।

दुष्प्रभाव से कैसे बचें

कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम करते हुए हर दो घंटे के बाद एक ब्रेक लें या हर आधे घंटे के बाद दो-तीन मिनट के लिए अपनी आंखों को कंप्यूटर से हटा लें।

वीडियो गेम खेलने का समय और अवधि निर्धारित करें। कंप्यूटर के सामने बैठते समय हमारी पीठ सीधी हो, खासकर रीढ़ की हड्डी। कंप्यूटर की स्क्रीन आंखों से 15 डिग्री नीचे की तरफ होनी चाहिए। स्क्रीन से आंखों की दूरी दो फुट होनी चाहिए।

टीवी कभी भी अंधेरे में न देखें, वहां हमेशा पर्याप्त रोशनी बनाए रखें।

विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 1 घंटा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से मस्तिष्क में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ सकता है।

हमेशा बड़ी स्क्रीन के लैपटॉप का इस्तेमाल करें। इसके उपयोग से पॉश्चर पर ज्यादा दबाव नहीं आता।

लैपटॉप की स्क्रीन आंखों के समान लेवल या एंगल पर होनी चाहिए, ताकि आपको अपनी आंखें स्क्रीन पर रखने के लिए गर्दन को घुमाना या मोड़ना न पड़े।

मोबाइल फोन में बैक्टीरिया!

एक रिसर्च में पाया गया है कि मोबाइल फोन में टॉयलेट के फ्लश हैंडल से औसतन 18 गुना ज्यादा हानिकारक बैक्टीरिया होते हैं। इनकी वजह से पेट में गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। रिपोर्ट में पाया गया है कि ब्रिटेन में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन्स के 6.3 करोड़ में से 1.47 करोड़ यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।

आर्थोस्कोपिक

सर्जरी दूर होंगी कंधे से जुड़ी समस्याए

क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, कराटे जैसे खेलों में युवाओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण देश के युवा वर्ग की जीवन-शैली भी तेजी से बदल रही है। इससे स्वास्थ्य समस्याओं की पहले से ही लंबी सूची में जोड़ों के लिगामेंट

टूटने, मांसपेशियों से संबंधित दिक्कतें, हड्डियों के कार्टिलेज खराब होने जैसी कई परेशानियां जुड़ गई है।

युवाओं में कंधे का डिसलोकेशन (कंधे का अपने नियत स्थान से खिसक जाना) और इससे जुड़ी दूसरी बीमारियां और मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों व बुजुर्गों में फ्रोजन शोल्डर (कंधा जाम होना या कंधा घुमाने में

दर्द होना) और शोल्डर रोटेटर कफ टीयर (सिर के ऊपर वस्तु उठाने में दिक्कत होना) नामक रोग अब तेजी से बढ़ रहे हैं। अतीत में लोग इन समस्याओं को बर्दाश्त कर लेते थे और जीवन-शैली से समझौता कर लेते थे।

ऐसा इसलिए, क्योंकि तब एक ही विकल्प उपलब्ध था- बड़ी ओपन सर्जरी। इस सर्जरी की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि इससे कंधे का मूवमेंट सीमित हो जाता था, लेकिन वर्तमान दौर में लोगों की अपेक्षा रहती है कि

कंधे का मूवमेंट सीमित न रहे। वर्तमान दौर में आज एमआरआई जांच और आर्थोस्कोपिक

सर्जरी के जरिये कंधे से संबंधित उपर्युक्त रोगों का इलाज कारगर ढंग से संभव है।

'की होल' सर्जरी

अब 'की होल' सर्जरी द्वारा छोटे चीरे से ही इस समस्या का अच्छी तरह इलाज किया जा सकता है। इससे न सिर्फ जटिलताएं कम होती हैं बल्कि परिणाम भी अच्छा हासिल होता है। साथ ही, स्वास्थ्य-लाभ (रिकवरी) भी काफी तेज होता है। कंधों के इलाज के लिए अतीत में देश के क्रिकेटर विदेश जाते रहे हैं। अब यह सब कुछ भारत में किया जा रहा है।

युवाओं की समस्याएं

युवाओं में कंधे की जो समस्याएं सबसे आम हैं, उनमें एक है कंधे का बार-बार अपने नियत स्थान से हट जाना। इस स्थिति को शोल्डर डिसलोकोशन कहते हैं। यह समस्या कंधे की संरचना के कारण है, क्योंकि कंधे का जोड़ (ज्वाइंट) एक अस्थिर जोड़ है। इसमें बॉल बड़ी और सॉकेट छोटा है। इसलिए एक बार कंधा डिसलोकेट हो जाए तो 10 में से 7 मामलों में

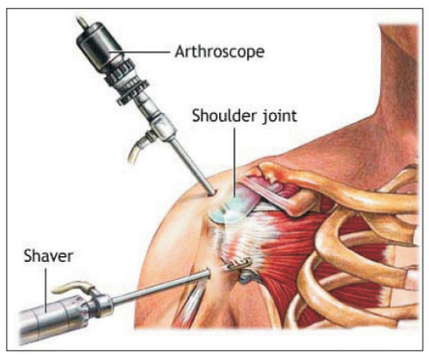

इसके फिर ऐसा होने की संभावना रहती है। पहले इस तरह की समस्याओं का कारण ही नहीं पता चलता था क्योंकि जांच के दौरान आमतौर पर कोई चिकित्सकीय संकेत नजर नहीं आता था। मरीज इनके साथ ही जीना सीख जाता था। आज एमआरआई और सी टी स्कैन से कंधे की संरचनात्मक जांच और आर्थोस्कोपिक सर्जरी से ज्यादातर मामलों में एनाटॉमिक रिपेयर या एनाटॉमिक रिकंस्ट्रक्शन द्वारा सफल निदान संभव है।

मिडिल एज की समस्याएं

मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों और खासकर डाइबिटीज के रोगियों में कंधा अक्सर सख्त या जाम हो जाता है। इसे फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है। यह पीड़ित व्यक्ति के कार्यों को सीमित करने वाली बीमारी है और मरीज अक्सर करीब एक साल में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। कंधे के बीच कॉर्टिसोन (स्टेरॉयड) इंजेक्ट करके ठीक होने की अवधि को कम किया जा सकता है, लेकिन कंधे से संबंधित गंभीर मामलों में आर्थोस्कोपिक सर्जरी जरूरी हो जाती है।

मध्य आयु के और बुजुर्ग लोग कफ डिजीज से भी ग्रस्त होते हैं। कफ मांसपेशियों का एक समूह है, जो कंधे के मूवमेंट को नियंत्रित करता है। यह सिर से कंधे के ऊपर तक जाता है और अक्सर हड्डियों के बीच दब जाता है, जो कभी-कभी फट जाता है। इसे रोटेटर कफ टीयर कहते हैं। इस समस्या का सफल उपचार आर्थोस्कोपिक सर्जरी है।

सर्जरी के फायदे

आर्थोस्कोपिक सर्जरी कंधे की %की-होल% सर्जरी है, जहां जोड़ के अंदर के हिस्से को पेंसिल के आकार के एक पतले टेलीस्कोप से देखा जाता है। टेलीस्कोप से एक छोटा वीडियो कैमरा जुड़ा होता है और इस तरह जोड़ के अंदर का हिस्सा टीवी स्क्रीन पर देखा जा सकता है। यह सब एनेस्थेसिया देने के बाद दो या तीन छोटे सुराख के जरिए किया जाता है। चीरा या टांका लगाने की आवश्यकता नहीं होती। ऑपरेशन के बाद की अवधि में कम से कम असुविधा होती है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है। मरीज को सिर्फ एक दिन अस्पताल में रहना पड़ता है और वह हल्की पट्टी लगाकर घर आ सकता है।

सप्ताह भर के बाद कई पट्टियां हट जाती हैं और मरीज को प्रेरित किया जाता है कि वह कंधे को हिलाए। फिजियोथेरेपी से वापस हिलाने की ताकत और क्षमता हासिल करने में सहायता मिलती है।

ऐसे में न जाएं जिम

जिम में सभी फिट रहने के लिए जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि जिम जाने से शरीर को नुकसान भी पहुंच सकता है? किन-किन स्थितियों में जिम जाने से बचना चाहिए, बता रही हैं।

जिम जाएं सेहत बनाने के लिए, न कि सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए। आपकी उम्र कम या अधिक है या आप गर्भवती हैं या फिर आप अक्सर दोपहर में जिम जाते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं।

अगर 14 साल से कम उम्र है

जिम 14 साल की उम्र के बाद ही जाना चाहिए। 14 वर्ष से कम उम्र में जिम में व्यायाम करने से बच्चों के शरीर को क्षति पहुंच सकती है, क्योंकि कम आयु में बच्चों की हड्डियां बहुत संवेदनशील होती हैं। उनकी मांसपेशियां और नसें भी नरम होती हैं। ऐसे में उन्हें जिम में हार्ड वर्कआउट करना नुकसानदायक होता है। यह शरीर के विकास पर भी बुरा असर डाल सकता है। इतना ही नहीं, यदि 15 से 20 वर्ष की उम्र में जिम जाना शुरू कर रहे हैं तो अपना बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) जरूर जांच करवा लें और उसके बाद डॉक्टर से सलाह लेकर ही जिम में एक्सरसाइज की शुरुआत करें।

दोपहर के समय जिम नहीं

जिम जाने के लिए बेहतर समय तो सुबह का ही है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी सहूलियत के मुताबिक जिम जाने लगे हैं। कोई सुबह जाता है तो कोई शाम को और कोई रात को। अगर आप सुबह वक्त नहीं निकाल पा रहे हैं तो शाम और रात का समय जिम में वर्कआउट के लिए फिर भी ठीक है, लेकिन दोपहर लगभग बारह बजे से चार बजे तक जिम जाने से बचें। इस समय आपका शरीर वर्कआउट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होता। अगर रात को आप खाना देर से खाते हैं तो ही रात को जिम जाएं और खाना खाने के बाद जिम में एक्सरसाइज बिलकुल न करें।

गर्भवती या मासिक धर्म होने पर

फिटनेस फिएस्टा की कोच गीता चौधरी बताती हैं कि महिलाओं के लिए जिम जाना अच्छा होता है। इससे भविष्य में उनकी सेहत को फायदा होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं को जिम जाने से गुरेज करना चाहिए। इसकी अपेक्षा वह योग या अन्य हल्के व्यायाम डॉक्टर से सलाह ले कर करें। इसके अलावा डिलीवरी होने के बाद भी पांच महीने तक जिम न जाएं। उसके बाद अपनी डिलीवरी रिपोर्ट जिम इंस्ट्रक्टर को दिखा कर उनकी सलाह के अनुसार जिम में व्यायाम शुरू करें। महिलाओं को मासिक धर्म के समय भी जिम नहीं जाना चाहिए, बल्कि मासिक धर्म का दर्द शुरू होने पर भी जिम न जाएं। उस समय महिलाओं में रक्त संचार तेज होता है, जिसमें जिम की एक्सरसाइज से महिलाओं को काफी परेशानी होती है। उन्हें कमजोरी महसूस हो सकती है, चक्कर आ सकते हैं।

45 पार कर गए तो

लगभग 45 की उम्र के बाद शरीर की शक्ति कम हो जाती है, साथ ही हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। इस अवस्था में जिम में व्यायाम करने पर कई तरह की परेशानियां शरीर को सताती हैं। ऐसे में जिम सोच-समझ कर ही जाएं। यदि आप पहले से जिम नियमित तौर पर जाते रहे हैं तो 60 वर्ष की आयु तक भी जिम जा सकते हैं, क्योंकि ऐसे में शरीर में पहले ही स्ट्रेंथ बन जाती है।

कमर या पैर की तकलीफ में

कमर या पैर संबंधी गंभीर रोग या परेशानी होने पर जिम से परहेज करें। यही नहीं, किसी भी तरह की अंदरूनी बीमारी जैसे अटैक्स, पथरी आदि में भी जिम का व्यायाम नुकसानदायक हो सकता है। हो सके तो ऐसी परिस्थितियों में जिम को नजरअंदाज ही करें या अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही जिम में वर्कआउट करें।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट् का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं....

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुओं के डियोडरेंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंटस सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंटस त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखे लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक हैं। डियोडरेंट अगर अल्यूमीनियम क्लोरोहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित हैं। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस ताकि त्वचा रहे स्वस्थ

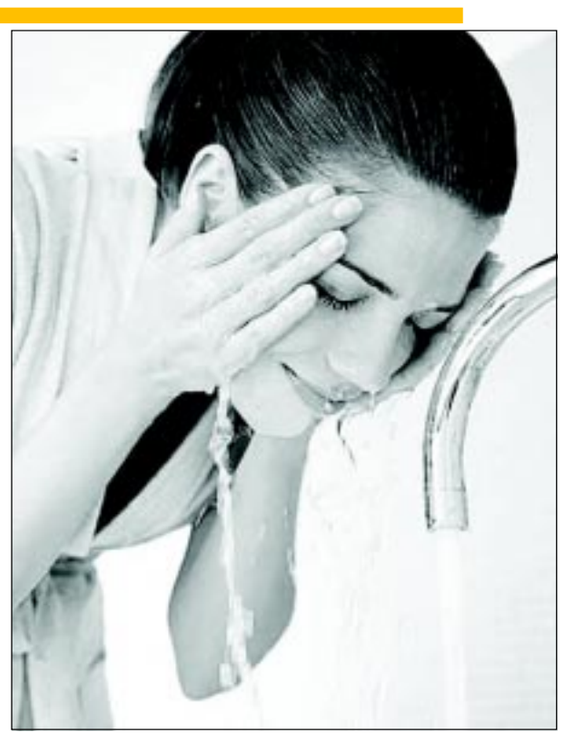

सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तित्व निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अत: हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी आनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पैर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशत: सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मैल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तकिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता हैं। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचाना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्चराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड़ियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड़ियां कटी फटी हों तो फौरन उरचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरूक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो ऑर्थिराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप्ड डिस्क किसी भारी चीज को उठाते समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमटोइड ऑर्थिराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएँ- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटो गलिकन्स का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएँ तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए वे फूड्स खाएँ जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियाँ, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रैच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटापा कम करें- अत्यधिक वजन कमर में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्ना होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएँ।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठे रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएँ तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खास मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएँगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होगें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

काकुरो पहेली - 2008

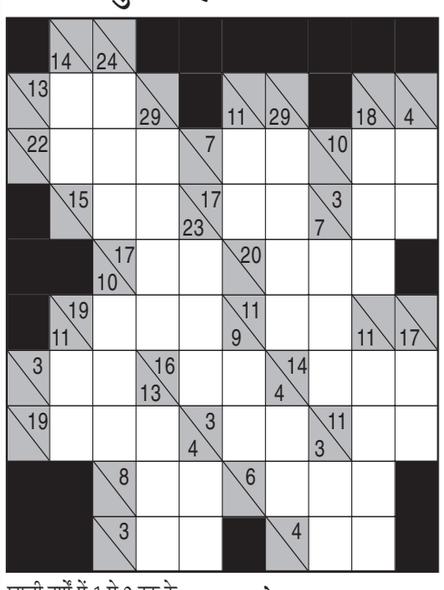

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

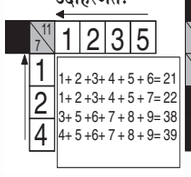

काकुरो - 2007 का हल

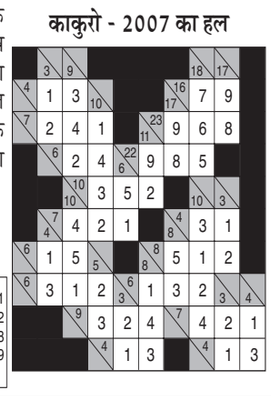

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2008

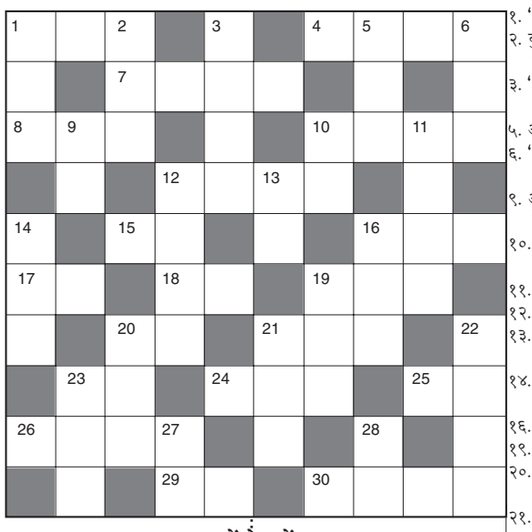

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2007

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		श	व	ण	श	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		ह्म	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

सूडोकु -2008

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2007 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली - 2008

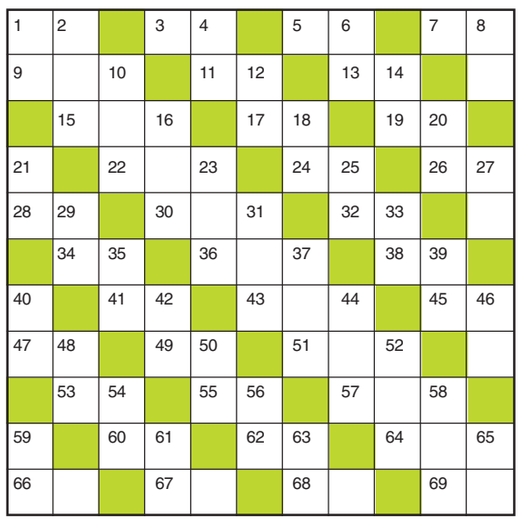

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -2007 का हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	मी			र	न	र		ड़		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	

घर में खाना बनाते समय लगी आग, परिवार के पांच लोग फंसे

लखनऊ. त्रिवेणीनगर में रविवार को कमरे में खाना बनाने समय सिलेंडर में आग लग गई। किसी तरह हिम्मत दिखाते हुए घरवालों ने सिलेंडर उठाकर फेंक दिया। दरवाजे पर ही सिलेंडर धधकने से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। बच्चे समेत परिवार के पांच सदस्य कमरे में फंस गए। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पाकर सभी को कमरे से बाहर निकाला। गनीमत रही कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ है।त्रिवेणीनगर फेज 2 में छोटेलाल किराए के एक कमरे में परिवार के साथ रहते हैं। रविवार को दोपहर में कमरे में रखी गैस पर खाना बन रहा था। इस बीच गैस रिसाव से सिलेंडर में आग लग गई। आग देख कमरे में मौजूद लोग चीख पुकार मचाने लगे। किसी तरह हिम्मत दिखाते हुए छोटेलाल ने सिलेंडर उठाकर कमरे के बाहर फेंक दिया। कुछ ही देर में आग और विकराल हो गई।

गेट पर सिलेंडर जलने से रास्ता बंद

गेट पर ही सिलेंडर जलने से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। छोटेलाल, पत्नी रामकली, बेटा राहुल (15), शुभम (12) और बेटी निशा (9) कमरे में ही फंस गए। चीख पुकार मचाते हुए परिवार के लोगों ने सिलेंडर पर रजाई, कंबल फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास किया मगर आग बढ़ती ही जा रही थी। आग की लपट देखकर दमकल को सूचित किया। चौक फायर स्टेशन के प्रभारी राजेश के मुताबिक घर में पांच लोगों के फंसे होने की सूचना पर हजरतगंज और इंदिरानगर से भी दमकल बुला ली गई। पहले एक दमकल के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि घर एक ही कमरे का था। गेट पर ही सिलेंडर जल रहा था। कुछ ही देर में सिलेंडर की आग बुझा ली। इसके बाद परिवार के पांचों सदस्यों को सही सलामत कमरे से बाहर निकाल लिया। आग बुझ जाने से वहां पहुंच रही अन्य दमकल दूसरे रास्ते से भेज दी गईं। प्रभारी एफएसओ के मुताबिक गनीमत रही कि सिलेंडर फटा नहीं। दमकलकर्मियों ने कहा कि सिलेंडर फट जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

लखनऊ में लेट नाइट पार्टी से लौट रहीं लड़कियों पर हमला, सड़क पर दौड़ा कर बेल्ट से पीटा

राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में लोहिया चौराहे के पास शनिवार देर रात समिट बिल्डिंग से पार्टी कर लौट रही 2 लड़कियों पर युवकों ने हमला कर दिया। इन युवकों ने लड़कियों को दौड़ा कर बेल्ट से पीटा।

लखनऊ.लखनऊ के गोमतीनगर में लोहिया चौराहे के पास शनिवार देर रात समिट बिल्डिंग से पार्टी कर लौट रही दो लड़कियों पर युवकों ने हमला कर दिया। इन युवकों ने लड़कियों को दौड़ा कर बेल्ट से पीटा। लड़कियों को बचाने के लिये दो लड़कों ने विरोध किया तो हमलावर युवकों ने सरेआम इनमें से एक युवक को डण्डों से पीटा। यह युवक बेसुध होकर गिर पड़ा। इससे अफरातफरी मच गई। राहगीर वीडियो बनाने लगे तो हमलावर भाग निकले। घायल युवक को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। झगड़े की शुरुआत हमलावरों के साथ मौजूद युवतियों और लड़कियों के बीच कहासुनी से हुई थी।रविवार सुबह इस घटना का वीडियो वायरल होने लगा तो अधिकारियों ने संज्ञान लिया। पीड़ित लड़की ने गोमतीनगर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा कराया है। लड़कियों ने बयान में किसी का नाम नहीं लिया। पीड़ित एक लड़की रायबरेली की है। यहां तेलीबाग में रह रही है। पुलिस ने लड़कियों से पूछताछ कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इससे पहले भी कई बार समिट के आसपास मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस ऐसे तत्वों तक शिकंजा कसेगी।

15 मिनट तक सड़क पर पड़ा रहा घायल

घायल युवक करीब 15 मिनट तक खून से लथपथ पड़ा रहा। दोनों लड़कियों के भी चोट लगी है। इनका मेडिकल कराया गया है। इंस्पेक्टर के मुताबिक सीसी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्ष एक दूसरे के जानने वाले है। इनमें किसी आपसी विवाद पर झगड़ा हुआ है।

बीच बचाव करने पर युवक को किया लहूलुहान

एक युवक ने बीच बचाव करने लगा। इस पर हमलावर उस पर टूट पड़े। काले रंग की जैकेट पहने युवक के सिर पर ताबड़तोड़ डण्डे से कई वार कर दिये। वह बेसुध होकर गिर पड़ा। राहगीरों ने इसकी सूचना गोमतीनगर पुलिस को दी। घायल को लोहिया अस्तपाल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक यह युवक राहगीर है या लड़कियों के साथ ही पार्टी से आया था, इस बारे में पीड़ित लड़कियों ने साफ नहीं बताया।

ठेले पर चाय पीने के लिए रुकी थीं युवतियां

पीड़िता के मुताबिक शनिवार रात वह अपनी दोस्त के साथ समिट बिल्डिंग स्थित एक रेस्त्रत्तं में पार्टी के बाद स्कूटी से लौट रही थीं। लोहिया चौराहे के पास एक ठेले पर चाय पीने के लिए रुकी थी। तभी दो युवतियां आ गईं। जिन्होंने उन्हें अपशब्द कहना शुरू कर दिया। मना करने पर युवतियां मारपीट करने लगी।

आजाद नगर, राजा बाजार समेत कई इलाकों में बिजली ठप

लखनऊ. तेज बारिश के कारण रविवार को शहर की बिजली व्यवस्था ध्वस्त हो गई। ट्रांसफार्मर फुंकने, केबल फाल्ट के कारण आजाद नगर, राजा बाजार समेत कई इलाकों में देर शाम तक बिजली गुल रही। इससे बड़े इलाके में पानी नहीं आया।

आजाद नगर में 400 केवीए ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया। राजा बाजार में भी ट्रांसफार्मर फुंक गया। गोमतीनगर के विपिनखंड उपकेंद्र की 11 केवी फीडर ब्रेकडाउन हो गया। बिजली न आने से परेशान उपभोक्ता उपकेंद्र से लेकर अधिकारियों तक फोन करता रहा लेकिन कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। लौलाई उपकेंद्र के महादेव ग्रीन फीडर ब्रेकडाउन हो गया। गोमतीनगर विस्तार सेक्टर-एक उपकेंद्र के सुलभ आवास फीडर ब्रेकडाउन हो गया। पुरनिया उपकेंद्र में फीडर ब्रेकडाउन हो गया।

तेलीबाग के कुम्हार मंडी में सुबह ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी से बिजली सप्लाई ठप हो गई। इससे आठ घंटे तक लोगों को बिजली-पानी के लिए तरसना पड़ा। राधाग्राम उपकेंद्र ब्रेकडाउन हो गया। जीएसआई उपकेंद्र के फीडर ब्रेकडाउन हो गये। इसके अलावां निगोहां क्षेत्र में शनिवार रात से रविवार शाम तक बिजली का आना जाना लगा रहा। इससे लोगों को काफी दिक्कत हुई।

बिना बैंड बारात 17 मिनट में संपन्न हुई शादी, मध्य प्रदेश-राजस्थान से देखने आए लोग

प्रयागराज. सोरांव क्षेत्र के उसरही गांव में दो जोड़ों का विवाह मात्र 17 मिनट में हो गया। इस न कोई बैंड बाजा रहा और न ही कोई बाराती। ऐसा संत रामपाल के अनुयायियों ने मासिक सत्संग के दौरान कर लोगों के सामने एक नजीर प्रस्तुत की। सत्संग के दौरान बताया गया कि संत रामपाल एकमात्र ऐसे संत हैं जो समाज की भलाई के लिए सभी सामाजिक बुराइयों जैसे दहेज प्रथा, नशा, भ्रष्टाचार आदि को अपने आध्यात्मिक ज्ञान से दूर कर रहे हैं। उन्हीं के सानिध्य में सोरांव तहसील के पास स्थित उसरही ग्राम के एक गेस्ट हाउस में मासिक सत्संग का आयोजन हुआ, जिसमें प्रयागराज जिले के अलावा अन्य जिलों के साथ साथ मध्य प्रदेश व राजस्थान से भी सत्संग सुनने व इस विवाह को देखने के लिए आए। वर्चुअल माध्यम से संत रामपाल ने कहा की पूर्ण परमात्मा की सदभक्ति से रोगियों के रोग नाश होते हैं।

उन्होंने कहा कि सतभक्त करने वाले की अकाल मृत्यु नहीं होती जो मर्यादा में रहकर साधना करता है। देवता उस भक्त परिवार की सुरक्षा करते हैं। शराब, तम्बाकू तथा अन्य नशे के प्रति घृणा हो जाती है। सतभक्ति करने से मानव जीवन सफल हो जाता है। परिवार में किसी प्रकार की बुराई नहीं रहती। परमात्मा की कृपा सदा बनी रहती है।

पूर्ण सतगुरू से दीक्षा लेकर मर्यादा में रहकर भक्ति करने से शुभ संस्कारों में वृद्धि होने से दुःख का वक्त सुख में बदलने लग जाता है। सत्संग के दौरान हुए विवाह में प्रयागराज के रहने वाले गजेंद्र दास की पुत्री श्वेतांजलि का विवाह सिंधी जिला, मध्य प्रदेश के रहने वाले धर्मदास के पुत्र अमित दास के साथ एवं राधेश्याम दास को पुत्री जुली के साथ सीधी मध्य प्रदेश के रहने वाले भगवान दास के पुत्र रविनंदन दास के साथ संपन्न हुआ।

बिना खर्च के दोनों की शादी करवाई गई जो केवल 17 मिनट में पूरी हो गई।

जयंत, चारू या कोई और? बागपत लोकसभा सीट से कौन लड़ेगा चुनाव, सस्पेंस बरकरार

मेरठ बागपत बिजनौर. भाजपा और रालोद में गठबंधन की औपचारिक घोषणा के बाद अब सबकी नजर बागपत और बिजनौर सीट पर टिक गई है। भले ही बागपत और बिजनौर की सीट रालोद के खाते में आई हो लेकिन बागपत से जयंत चौधरी खुद चुनाव लड़ेंगे या पत्नी चारू को लड़ाएंगे या कोई और प्रत्याशी होगा इस पर सस्पेंस बरकरार है। वहीं बिजनौर सीट पर दावेदारों की लंबी लाइन लगी है। वर्तमान में बसपा सांसद मलूक नागर की हाल ही में जयंत से मुलाकात के बाद जिले में कई तरह की चचाएं हैं। मलूक नागर पुराने रालोद नेता रहे हैं, हांलाकि मलूक नागर इससे इनकार कर रहे हैं। मलूक नागर ने कहाकि वह सिर्फ चौधरी अजित को पुष्पांजलि अर्पित करने गए थे।

फिलहाल बागपत सीट देश की वीआईपी सीटों में शामिल हो गई है। भाजपा से लगातार दो बार मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर सत्यपाल सिंह सांसद चुने गए, लेकिन इस बार भाजपा की पहली सूची से उनका नाम नहीं है। शनिवार को गठबंधन में यह सीट रालोद के खाते में चली गई। इस कारण भाजपा ने घोषणा नहीं की। वहीं, रालोद से खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी चुनाव लड़ेंगे या उनकी पत्नी चारु चौधरी या फिर किसी अन्य को टिकट देंगे तो इस पर संशय बरकरार है।

रालोद सूत्रों का दावा है कि जयंत चौधरी इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाह रहे। वे खुद राज्यसभा में रहेंगे और अपनी पत्नी चारु चौधरी को बागपत से जिताकर संसद भजेंगे। दूसरी ओर यह भी दावा किया जा रहा है कि चारु चौधरी भी चुनाव लड़ने की बहुत इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में इस सीट पर कई दशकों बाद चौधरी परिवार से बाहर का व्यक्ति रालोद के टिकट पर चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

बिजनौर में कई नामों पर चर्चा

बिजनौर सीट को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। यहां पार्टी और पार्टी के बाहर के कई नेताओं के नाम की चर्चा है। 2009 के परिणाम के हिसाब से ही यह सीट रालोद के खाते में आई है। 2009 में रालोद-भाजपा गठबंधन में संजय चौहान यहां से विजयी हुए थे। वहीं 2014 में यह सीट भाजपा के पास आ गई जबकि 2019 में बसपा के मलूक नागर सांसद चुने गए। हाल के दिनों में मलूक नागर के रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से मुलाकात के बाद उनका फिर से रालोद में आने की अटकलों को बल मिला।

यूपी की सबसे उम्रदराज शेरनी मरियम की हालत गंभीर, खाना-पानी छोड़ा, शरीर में नहीं रही ताकत

गोरखपुर. उत्तर प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी मरियम की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। उसने शनिवार से ही खाना-पानी छोड़ दिया है। शरीर में ताकत न होने की वजह से वह अब खड़ी नहीं हो पा रही है। शहीद अशफाक उल्ला खान प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) के डॉक्टरों की टीम मरियम पर नजर रखे हुए हैं। कई बार उसे उठाने का प्रयास भी कर चुके हैं लेकिन वह कराह तो रही है, उठ नहीं पा रही है। इसे लेकर चिड़ियाघर प्रशासन भी चिंता में है।

20 वर्ष से अधिक उम्र की मरियम को शहीद अशफाक उल्ला खां चिड़ियाघर में 2021 में इटावा लायन सफारी से लाया गया था। उस वक्त उसकी उम्र 17 वर्ष के आसपास थी। कुछ दिनों बाद उसे दर्शकों के लिए बाड़े में रखा गया लेकिन उम्र अधिक होने के बाद उसे अब नाइट सेल में रख दिया गया है। ठंड में उसे अधिक दिक्कत थी, ऐसे में उस पर विशेष निगाह रखी जा रही थी।

इस बीच करीब 20 दिन से ही उसने खाना कम कर दी थी। तभी से चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह उस पर विशेष नजर रखे हुए हैं। बताया कि मरियम की हालत अब ठीक नहीं है। कमजोरी की वजह से उठ नहीं पा रही है। अब उसके शरीर में ताकत नहीं रह गई है। वह नाइट सेल में लेटी हुई है।

सामान्य तौर पर 15 से 18 वर्ष जीते हैं शेर

डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि मरियम प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी है। सामान्य तौर पर चिड़ियाघर में शेर की उम्र 15 से 18 वर्ष हैं, लेकिन मरियम की उम्र 20 वर्ष से अधिक हो चुकी हैं।

चिड़ियाघर के निदेशक, डॉ. मनोज कुमार शुक्ला ने कहा कि साामन्य औसत उम्र से मरियम तीन साल ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में कुछ दिनों से वह अस्वस्थ चल रही थी।

इसका पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा इलाज किया जा रहा है। स्थिति

गंभीर है। डॉ. योगेश प्रताप सिंह की देखरेख में उसका इलाज किया जा रहा है, जिसमें अन्य विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है।

यूपी: अयोध्या धाम के लिए तीर्थनगरी सोरों से शुरू होगी बस सेवा, इतने घंटों में पूरा होगा सफर

यूपी रोडवेज ने तीर्थनगरी सोरों से अयोध्या धाम के लिए बस सेवा शुरू करने का फैसला लिया है। बस सेवा 11 मार्च से शुरू की जाएगी। सोरों से अयोध्या का रास्ता 545 किमी का है। ये दूरी 14 घंटे में तय होगी।

कासगंज. कासगंज जनपद से अयोध्या धाम प्रभु राम लला के दर्शनों के लिए लोगों को अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। रोडवेज विभाग ने सहूलियत देते हुए तीर्थनगरी सोरों से अयोध्या धाम के लिए बस सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इसको लेकर अलीगढ़ परिक्षेत्र से रूट चार्ट एवं समय सारिणी जारी की गई है। 545 किमी लंबे सफर को रोडवेज बस द्वारा लखनऊ होते हुए महज सवा 14 घंटे में पूरा किया जाएगा। लोगों में खुशी है।

अलीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय से जारी की गई सूची के तहत आगामी 11 मार्च से सोरों से अयोध्या धाम के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू की जाएगी। कासगंज डिपो की रोडवेज बस सोरों से सुबह पौने आठ बजे रवाना होगी। कासगंज से आठ बजकर पांच मिनट पर एटा के लिए रवाना हो जाएगी, यह बस विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए शाम पौने छह बजे और छह बजे लखनऊ से गुजरते हुए आगे के लिए रवाना होगी। रोडवेज विभाग की इस बस को शुरू किए जाने के बाद लखनऊ आने-जाने के लिए भी लोगों को साधन मिलेगा। जनपद से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू किए जाने की घोषणा की जानकारी पर लोग खुश हैं। बता दें कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने करीब दस दिन पूर्व एआरएम रोडवेज ओमप्रकाश चौधरी को ज्ञापन भी सौंपा था। उसी ज्ञापन के बाद एआरएम ने पहल की और क्षेत्रीय कार्यालय से प्राप्त जानकारी साझा की है। ज्ञापन पर पहल कर बस सेवा शुरू किए जाने की घोषणा पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा अलीगढ़ मण्डल प्रभारी नवल कुलश्रेष्ठ ने खुशी जताई है।

बता दें कि श्री राम से जुड़ा रहस्य कासगंज जिले के रामछितौनी अजर सोरों में भी पाया गया है। यहां भगवान श्री राम के पूर्वज ही नहीं जन्मे थे, बल्कि उनके पुत्रों का भी जन्म जिले की धरा पर हुआ था। यहां रघुनाथ जी और सीताराम मंदिर बना हुआ है। यह मंदिर पौराणिक है। इन मंदिरों में उनकी प्रतिमाएं विराजमान हैं।

'टम्टा' के बीच होगी चुनावी जंग, अल्मोड़ा संसदीय सीट में अजय के खिलाफ प्रदीप या कांग्रेस चलेगी नई चाल?

अल्मोड़ा. अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ सीट पर तमाम दावेदारों के बीच वर्तमान सांसद अजय टम्टा टिकट पाने में रहे। बीते तीन चुनाव से उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रदीप टम्टा से हो रहा है। ऐसे में प्रश्न उठ रहा है कि अब चौथी बार दोनों टम्टा के बीच परंपरागत जंग जारी रहेगी या कांग्रेस नई चाल चलकर भाजपा को चौंकाएगी।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ संसदीय सीट वर्ष 2009 में आरक्षित हुई थी। तब चुनाव में कांग्रेस ने प्रदीप टम्टा तो भाजपा ने अजय टम्टा पर दांव खेला। इस चुनाव में प्रदीप टम्टा बाजी मारने में कामयाब रहे। 2014 में फिर प्रदीप व अजय आमने-सामने आए, पर इस बार बाजी पलट गई। अजय टम्टा ने बड़े अंतर से जीत दर्ज कर प्रदीप से हार का बदला चुकाया। यह सिलसिला 2019 में भी जारी रहा। इस बार भी अजय हावी रहे और प्रदीप को हार का मुंह देखना पड़ा।अब भाजपा ने चौथी बार फिर अजय पर दांव खेला है। ऐसे में देखना रोचक होगा कि क्या कांग्रेस भी प्रदीप टम्टा को ही मैदान में उतारेगी या कोई नया दांव खेलकर समीकरण बदलने की चाल चलेगी।

रोमांचक रहा था दोनों का पहला मुकाबला

देश में वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार रही। वर्ष 2009 में आरक्षण लागू होने के बाद प्रदीप टम्टा को कांग्रेस ने पहली बार मैदान में उतारा। भाजपा के अजय टम्टा ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। रोमांचक मुकाबले में प्रदीप ने अजय टम्टा को 6950 मतों से हराया। जीत-हार का प्रतिशत महज दो फीसदी ही रहा।

मोदी लहर में बढ़ गया हार-जीत का अंतर

वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़े गए आम चुनाव में अजय टम्टा ने 95690 मतों से प्रदीप टम्टा को हराया। इस बार हार जीत का अंतर प्रतिशत 15 फीसदी रहा। लेकिन यह अंतर 2019 के चुनाव में कई अधिक बढ़ गया। तब

अजय टम्टा ने प्रदीप टम्टा को 232986 मतों से मात दी। हार जीत के अंतर भी दोगुना से अधिक 34 प्रतिशत तक पहुंच गया।

दोनों के बीच 2007 से चला आ रहा मुकाबला

सांसद अजय टम्टा और पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा के बीच चुनावी लड़ाई लोकसभा तक ही सीमित नहीं रही है। इससे पूर्व दोनों पहली बार वर्ष 2007 में सोमेश्वर विधानसभा सीट पर चुनाव के दौरान आमने-सामने आए थे। तब अजय टम्टा ने प्रदीप टम्टा को 1513 मतों से हराकर विधायकी हासिल की थी।

दोपहर की झपकी आपकी कामकाजी याददाश्त को बढ़ा सकती है

एक नियमित दोपहर की झपकी लेने से आपके मस्तिष्क को तेज रखा जा सकता है, क्योंकि एक नए अध्ययन से पता चलता है कि दोपहर की झपकी लेना बेहतर मानसिक चपलता से जुड़ा है। चीन में शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय के वी ली शोधकर्ताओं का सुझाव है कि दोपहर की झपकी बेहतर स्थानीय जागरूकता, मौखिक प्रवाह और काम करने की स्मृति से जुड़ी हुई है। जनरल साइकियाट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने कम से कम 60 वर्ष की आयु के 2,214 स्वस्थ लोगों को शामिल किया और चीन के आसपास के कई बड़े शहरों के निवासियों को शामिल किया। कुल मिलाकर, 1,534 ने नियमित दोपहर की झपकी ली, जबकि 680 ने नहीं। सभी प्रतिभागियों को मनोभ्रंश की जांच के लिए मिनी मेंटल स्टेट एग्जाम में स्वास्थ्य जांच और संज्ञानात्मक आकलन की एक श्रृंखला से गुजरना पड़ा। दोनों समूहों में रात के समय की नींद की औसत लंबाई लगभग 65 घंटे थी। दोपहर की झपकी को कम से कम लगातार पांच मिनट की नींद की अवधि के रूप में परिभाषित किया गया था, लेकिन 2 घंटे से अधिक नहीं। डिमेंशिया स्क्रीनिंग परीक्षणों में 30 आइटम शामिल थे जो संज्ञानात्मक क्षमता के कई पहलुओं को मापते थे, और उच्च कार्य, जिसमें नेत्र संबंधी कौशल, कार्यशील मेमोरी, ध्यान अवधि, समस्या-समाधान, स्थानीय जागरूकता और मौखिक प्रवाह शामिल थे। यह एक अवलोकन अध्ययन है, और इसलिए इसका कारण स्थापित नहीं किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि झपकी की अवधि या समय के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, जो महत्वपूर्ण हो सकती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि टिप्पणियों के लिए कुछ संभावित स्पष्टीकरण हैं।

नारियल का तेल बालों के लिए है सबसे बेहतर

बालों की सेहत के लिए नारियल तेल से बढ़कर कुछ और नहीं है क्योंकि इसमें कई सारे ऐसे प्राकृतिक तत्व हैं, जो बालों का बखूबी ख्याल रखते हैं। बालों में नारियल तेल की मालिश के कई ऐसे लाभ हैं, जिनसे हम अंजान हैं, तो आज हम डर्मेटोलॉजिस्ट और हेयर व वेलनेस एक्सपर्ट अपर्णा संथानम के सुझाए गए कुछ ऐसे ही फायदों की बात करेंगे, जो नारियल के तेल को सर्वोत्तम बनाता है।

सबसे बेहतरीन हेयर प्रोटेक्टर

नारियल तेल बालों की सुरक्षा के लिए सबसे अच्छा है। धूप और गर्म वातावरण में रहने के चलते बालों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। धूप से बालों में पर्याप्त नमी की भी कमी होने लगती है, बाल रूखे हो जाते हैं, हालांकि नारियल के तेल से इनसे बचा जा सकता है। रिसर्चगेट के एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि नारियल तेल के मालिश से ये रिसकर बालों की तह तक पहुंच जाते हैं और सुरक्षा की एक परत बना लेते हैं, जो बालों में नमीं को बरकरार रखता है। इसमें एसपीएफ सहित कई एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण होते हैं, जो बालों को धूप से होने वाले नुकसान से बचाते हैं और साथ में कई तरह के केमिकल से भी बालों की रक्षा करते हैं।

अंदर से बालों की सेहत की सुरक्षा

बालों की देखभाल के लिए बाजार में कई तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स हैं, जिनका लंबे समय तक इस्तेमाल से बालों को नुकसान पहुंचता है। चूंकि नारियल तेल में रिस-रिसकर बालों की तह तक पहुंचने की क्षमता है इसलिए यह हेयर फॉलिसल्स को पुर्नजीवित कर बालों की सेहत को अंदर से तंदरुस्त बनाता है। इसमें मौजूद फैटी एसिड्स और विटामिन्स बालों में नमीं को बनाए रखते हैं, जो रूखेपन से निजात दिलाने में कारगर है।

स्कैल्प का रखे ख्याल

अधिक गर्मी और नमी वाले वातारण से हमारे बालों की जड़ों को काफी नुकसान पहुंचता है। चूंकि नारियल के तेल में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं इसलिए यह स्कैल्प का बेहतर तरीके से ख्याल रखने और इसे तमाम समस्याओं से निजात दिलाने में कारगर है जैसे कि डैंड्रफ, ड्रायनेस, कोई इंफेक्शन इत्यादि। यह स्कैल्प पर जमने वाले सीबम को भी हटाता है, जो बालों और जड़ों को तैलीय बनाने का मुख्य कारक है।

बेजान बालों से मिले छुटकारा

शैम्पू सहित बालों की देखभाल के लिए बने कई उत्पादों में मौजूद केमिकल से आखिरकार बालों को नुकसान ही पहुंचता है क्योंकि इनमें केमिकल्स की अधिकता होती है। इनके अधिक इस्तेमाल में बालों में प्राकृतिक नमीं की कमी होने लगती है और ये बेजान व उलझे हुए नजर आते हैं और ऐसा खासकर नमीं वाले वातावरणों में अधिक होता है। इससे निपटने के लिए धूले हुए हल्के भींगे बालों में नारियल तेल की कुछ बूंदे डालें, ऐसा करने से नमीं बालों में ही लॉक होकर रह जाता है और बाल मुलायम बन जाते हैं।

नारियल तेल है प्रकृति का और प्रकृति के लिए वरदान

नारियल तेल नैचुरल है, यह किफायती है, आसानी से मिल जाते हैं और बालों की कई समस्याओं के समाधान में कारगर है। ऐसे में अनावश्यक महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स के स्थान पर इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे न केवल हमारे बालों को फायदा पहुचेगा बल्कि पैसे की भी बचत होगी और पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुचेगा।

मिश्री के मीठे फायदे

प्रसाद में मिश्री का एक खास महत्व होता है, वहीं मीठे पकवानों में भी अधिकतर लोग शकर की जगह मिश्री का इस्तेमाल करना बेहतर समझते हैं। मिश्री जहां मुंह में मिठास को बढ़ाती है, वहीं मिठास से भरपूर मिश्री में कई औषधीय गुण भी होते हैं। क्या आप जानते हैं इसके बेहतरीन सेहतमंद गुणों के बारे में? यदि नहीं तो यह लेख आपके लिए है। अधिक वजन यदि आपको परेशान कर रहा है, तो मिश्री का उपयोग आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्री को सौंफ के साथ बराबर मात्रा में पीसकर तैयार पावडर को तैयार कर लें। अब इस पावडर का नियमित इस्तेमाल करें। इससे वजन बढ़ने जैसी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

यदि पाचन प्रक्रिया संबंधी समस्या से परेशान हैं तो मिश्री का उपयोग आपको इस समस्या से निजात दिला सकता है। खाना खाने के बाद मिश्री और सौंफ के सेवन से खाना हजम होने में सहायता मिलती है और पाचन प्रक्रिया सही रहती है।

मिश्री मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह तनाव को दूर करने का काम करती है, साथ ही याददाश्त को सुधारने में सहायक साबित होती है। इसका सेवन आप गर्म दूध के साथ कर सकते हैं। मिश्री के नियमित सेवन से आंखों की रोशनी में सुधार होता है। इसका यदि खाने के बाद सेवन किया जाए तो यह आंखों की रोशनी को बेहतर करती है। गले की खराश से परेशान हैं तो आपको मिश्री का सेवन करना चाहिए। यह गले में होने वाली खराश से राहत दिलाती है। मुंह से दुर्गंध की समस्या से परेशान हैं, तो रोज खाना खाने के बाद सौंफ और मिश्री का सेवन करें। ऐसा करने से मुंह से आ रही दुर्गंध खत्म हो जाती है।

फ्रिज में रखें आलू खाने से हो सकते हैं कैंसर के शिकार

आम तौर पर खाद्य पदार्थों को ज्यादा समय तक ताजा और सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में रखा जाता है, लेकिन अगर यह चीजें सुरक्षित रहने की बजाए खराब या हानिकारक हो जाए तब आप क्या करेंगे?

जी हां, यह बात अजीब नहीं है, बल्कि ऐसा होता है। कुछ चीजें ऐसी भी हैं जिन्हें फ्रिज में रखना सुरक्षित नहीं होता और यह आपकी सेहत को खराब कर सकता है। आलू भी उन्हीं में से एक है। ये बात उन लोगों के लिए और भी चौंकाने वाली हो सकती है जो फ्रेंच फ्राइज या तले हुए आलू खाना पसंद करते हैं। जी हां, अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जो आलू को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए फ्रिज में डालकर रखते हैं, तो आप गलत कर रहे हैं। आलू को फ्रिज में रखना खतरनाक हो सकता है। दरअसल आलू में स्टार्च मौजूद होता है और जब आप आलू को फ्रिज में रखते हैं तो फ्रिज का ठंडा तापमान आलू में मौजूद स्टार्च को शुगर में बदल देता है। यह शुगर खतरनाक केमिकल में तब्दील हो जाती है और इसका सेवन कई तरह के कैंसर का कारण बन सकता है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि रिसर्च में साबित हो चुका है। फूड स्टैंडर्ड एजेंसी द्वारा कराए गए एक शोध के अनुसार जब आप फ्रिज या फ्रीजर में रखे आलू को जब बेक या फ्राई करते हैं, तो आलू में मौजूद शुगर कन्टेंट इसमें मौजूद एमिनो ऐसिड ऐस्परैगिन के साथ मिलकर ऐक्राईलामाइड नाम का केमिकल उत्पन्न होने लगता है। इस केमिकल का इस्तेमाल पेपर बनाने, प्लास्टिक बनाने और यहां तक की कपड़ों को डाई करने में किया जाता है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है जो लोग उच्च तापमान पर पके स्टार्च वाले खाद्य पदार्थ का सेवन करते हैं उनमें अलग-अलग तरह के कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। आलू को अत्यधिक उच्च तापमान पर पकाना भी बचना हानिकारक होता है। इसके खतरे से बचने के लिए तो आलू को पकाने से पहले उसे छीलकर 15 से 30 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखा जा सकता है। ऐसा करने से आलू को पकाने के दौरान उसमें ऐक्राईलामाइड बनने की आशंका कम हो जाती है।

बच्चों के लिए निमोनिया हो सकता है जानलेवा

ठंड से पांच साल तक के बच्चों को निमोनिया का संक्रमण बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से कहा है कि बच्चों का खास ख्याल रखें क्योंकि निमोनिया उनके लिए जानलेवा हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ठंड के मददेनजर शून्य से 5 वर्ष तक के बच्चों में निमोनिया के संक्रमण से बचाव के लिए सावधानियों को अपनाना बेहद आवश्यक है। इस संबंध में भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर तिवारी ने एडवाईजरी जारी कर कहा कि निमोनिया जानलेवा हो सकता है। निमोनिया के उपचार में देरी बच्चे के लिये खतरनाक हो सकती है। बच्चों में बुखार, खांसी, श्वांस तेज चलना, पसली चलना अथवा पसली धसना निमोनिया के लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर बच्चों को निमोनिया से उपचार के लिये तुरंत चिकित्सक अथवा निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में ले जायें। तिवारी के अनुसार सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में शिशुओं को निमोनिया से बचाव में बेहद कारगर वैक्सीन पीसीवी भी निःशुल्क उपलब्ध है। अपने शिशुओं को डेढ़, साढ़े तीन एवं नौ माह में निमोनिया से बचाव हेतु पीसीवी वैक्सीन की पूर्ण डोज निःशुल्क अवश्य लगवायें। बच्चों को ठंड से बचाव के लिये अभिभावकों से आग्रह किया है कि बच्चों को दो-तीन परतों में गर्म कपड़े पहनायें। ठंडी हवा से बचाव के लिये शिशु के कान को ढंके, तलुओं को ठंडेपन से बचाव के लिये बच्चों को गर्म मोजे पहनायें।

खजूर के यह फायदे आपको कर देंगे हैरान

क्या आप जानते हैं, छुहारा और खजूर एक ही पेड़ से उत्पन्न होते हैं। दोनों की तासीर गर्म होती है और दोनों शरीर को मजबूत बनाने में विशेष भूमिका निभाते हैं। गर्म तासीर होने के कारण ही सर्दियों में तो इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। आइए, जानें छुहारे के अनूठे फायदे।

मासिक धर्म : सर्दी के दिनों में कई महिलाओं को मासिक धर्म से जुड़ी समसयाएं भी होती हैं, इसके लिए छुहारे फायदेमंद है। छुहारे खाने से मासिक धर्म खुलकर आता है और कमर दर्द में भी लाभ होता है।

बिस्तर पर पेशाब : छुहारे खाने से पेशाब का रोग दूर होता है। बुढ़ापे में पेशाब बार-बार आता हो तो दिन में दो छुहारे खाने से लाभ होगा। छुहारे वाला दूध भी लाभकारी है। यदि बच्चा बिस्तर पर पेशाब करता हो तो उसे भी रात को छुहारे वाला दूध पिलाएं। यह शक्ति पहुचाते हैं।

रक्तचाप : कम रक्तचाप वाले रोगी 3-4 खजूर गर्म पानी में धोकर गुठली निकाल दें। इन्हें गाय के गर्म दूध के साथ उबाल लें। उबले हुए दूध को सुबह-शाम पीएं। कुछ ही दिनों में कम रक्तचाप से छुटकारा मिल जाएगा।

दांतों का गलना : छुहारे खाकर गर्म दूध पीने से कैल्शियम की कमी से होने वाले रोग, जैसे दांतों की कमजोरी, हड्डियों का गलना इत्यादि रूक जाते हैं।

कब्ज : सुबह-शाम तीन छुहारे खाकर बाद में गर्म पानी पीने से कब्ज दूर होती है। खजूर का अचार भोजन के साथ खाया जाए तो अजीर्ण रोग नहीं होता तथा मुंह का स्वाद भी ठीक रहता है। खजूर का अचार बनाने की विधि थोड़ी कठिन है, इसलिए बना-बनाया अचार ही ले लेना चाहिए।

मधुमेह : मधुमेह रोगी जिनके लिए मिठाई, चीनी इत्यादि वर्जित है, सीमित मात्रा में खजूर का हलवा इस्तेमाल कर सकते हैं। खजूर में वह अवगुण नहीं है, जो गन्ने वाली चीनी में पाए जाते हैं।

पुराने घाव : पुराने घावों के लिए खजूर की गुठली को जलाकर भस्म बना लें। घावों पर इस भस्म को लगाने से घाव भर जाते हैं।

आंखों के रोग : खजूर की गुठली का सुरमा आंखों में डालने से आंखों के रोग दूर होते हैं।

खांसी : छुहारे को घी में भूनकर दिन में 2-3 बार सेवन करने से खांसी, छींक, जुकाम और बलगम में राहत मिलती है।

जुएं : खजूर की गुठली को पानी में घिसकर सिर पर लगाने से सिर की जुएं मर जाती हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद में क्यों नहीं टिकता कोई भी कप्तान? 12 सीजन में 10 को मिली है कमान

सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए पैट कमिंस को अपना नया कप्तान नियुक्त कर दिया है। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से कप्तानी करने वाले पैट कमिंस 10वें खिलाड़ी बनने जा रहे हैं।

नई दिल्ली. Indian Premier League (IPL) 2024 के आगाज से कुछ दिन पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद ने ऐलान कर दिया है कि इस सीजन में टीम की कमान ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस संभालेंगे। पिछले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम थे। एडेन मार्करम की कप्तानी में साउथ अफ्रीका20 में सनराइजर्स हैदराबाद की सिस्टर फ्रेंचाइजी टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने दो बार खिताब जीता है। पैट कमिंस को आईपीएल 2024 से पहले हुए मिनी ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 20.50 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि कमिंस को ही आने वाले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद का कप्तान बनाया जाएगा। सनराइजर्स हैदराबाद ऐसी फ्रेंचाइजी टीम है, जिसका कप्तान कभी ज्यादा सीजन तक टिक नहीं पाता है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2013 में अपना पहला सीजन खेला था और तब टीम के कप्तान कुमार संगकारा थे। संगाकारा की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच मैच जीते थे और चार मैच में हार का सामना किया था। बीच सीजन में ही उनकी जगह कैमरोन वाइट को टीम की कमान सौंप दी गई।कैमरोन वाइट की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने पांच मैच जीते और तीन मैच गंवाए।

2013 में दो कप्तानों के साथ सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ तक पहुंच गया था। इसके बाद 2013 चैम्पियंस लीग में सनराइजर्स हैदराबाद ने शिखर धवन को कप्तानी दी और 2014 आईपीएल सीजन में धवन ने सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की, लेकिन बीच सीजन में उनकी जगह डैरेन सैमी को कप्तान बना दिया गया।

वेस्टइंडीज को अपनी कप्तानी में दो बार टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले सैमी 2014 में कुछ मैचों में कप्तानी की और उस साल टीम प्लेऑफ तक नहीं पहुंच पाई और छठे नंबर पर रही थी। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने डेविड वॉर्नर को टीम का कप्तान बनाया। वॉर्नर ने 2015, 2016, 2017, 2020 और 2021 आईपीएल के मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की थी। 2016 में तो वॉर्नर की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने इकलौता आईपीएल खिताब भी अपने नाम किया था। वॉर्नर ने कुल 67 मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की और इस दौरान 35 मैचों में टीम को जीत भी दिलाई।

2018 में केन विलियमसन को वॉर्नर की जगह कप्तान बनाया गया था। केन विलियमसन ने 2018, 2019, 2021 और 2022 के बीच सनराइजर्स हैदराबाद की 46 मैचों में अगुवाई की, जिसमें से 22 मैचों में टीम को जीत मिली। 2019 से 2021 के बीच भुवनेश्वर कुमार ने भी सनराइजर्स हैदराबाद टीम की कमान संभाली है। 2021 में मनीष पांडे ने कुछ मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की, जबकि 2023 एडेन मार्करम टीम के कप्तान बने थे और अब पैट कमिंस टीम के नए कप्तान बन गए हैं।

सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर उठाए सवाल, कहा- 23 ओवर गेंदबाजी करने से कोई...

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बीच जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर सवाल उठाए हैं। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ रांची टेस्ट में आराम दिया गया था। उनकी जगह आकाश दीप को डेब्यू का मौका मिला था। हालांकि इस टेस्ट में भारत को बुमराह की कमी नहीं खली और टीम इंडिया ने 5 विकेट से मुकाबला जीतकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल की। हालांकि गावस्कर का कहना है कि दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच 9 दिन का गैप था और तीसरे टेस्ट में बुमराह का 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल थका देने वाला नहीं था।बता दें, जसप्रीत बुमराह ने राजकोट टेस्ट की पहली पारी में 15 तो दूसरी इनिंग में 8 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें वर्कलोड मैनेज करने के लिए रांची में खेले गए चौथे टेस्ट से आराम दिया गया था। हालांकि, वह सीरीज के आखिरी टेस्ट के लिए टीम के साथ फिर से जुड़ गए हैं।सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह के रेस्ट पर सवाल उठाते हुए मिड डे के कॉलम में लिखा, ÷राजकोट में तीसरे टेस्ट की पहली पारी में सिर्फ 15 ओवर और फिर दूसरी पारी में आठ ओवर फेंकने के बावजूद, संभवतः ट्रेनर की सिफारिश पर बुमराह को रांची के लिए आराम दिया गया था।उन्होंने आगे कहा, ÷मत भूलो कि दूसरे टेस्ट और तीसरे टेस्ट मैच के बीच नौ दिन का ब्रेक था और पूरे मैच में 23 ओवर गेंदबाजी करना बिल्कुल भी थका देने वाला नहीं है, तो फिर बुमराह को आराम क्यों दिया गया? चौथे टेस्ट के बाद अंतिम टेस्ट मैच से पहले आठ दिन का और ब्रेक मिलने वाला था; बेहद फिट एथलीटों को ठीक होने और देश के लिए खेलने के लिए तैयार होने के लिए यह पर्याप्त समय है। चौथा टेस्ट भी एक महत्वपूर्ण मैच था, अगर इंग्लैंड ने उसे जीत लिया होता तो आखिरी टेस्ट निर्णायक होता।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने किया हारिस रऊफ का अपमान, PSL टीम के मालिक ने बोर्ड को सुनाई खरी खोटी

नई दिल्ली.पाकिस्तान सुपर लीग की टीम लाहौर कलंदर्स के मालिक समीन राणा ने हारिस रऊफ के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रद्द करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर हमला बोला है। पिछले महीने, पीसीबी ने एक बयान जारी किया था जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की 3 मैचों की टेस्ट सीरीज से तेज गेंदबाज के हटने के बाद रऊफ को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया था। पीसीबी ने इसी के साथ रऊफ को 30 जून 2024 तक विदेशी टी20 लीग में हिस्सा लेने की भी अनुमति नहीं दी है। राणा ने कहा कि जब रउफ पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2024 की तैयारी कर रहे थे तो राष्ट्रीय बोर्ड को यह घोषणा नहीं

करनी चाहिए थी।

राणा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, उस घोषणा का समय पूरी तरह से अनावश्यक था। कोई पाकिस्तान सीरीज नहीं आ रही थी, या कोई आपातकालीन स्थिति नहीं थी जिसके कारण पीएसएल से दो दिन पहले घोषणा की आवश्यकता थी। तर्क जो भी हो, समय वास्तव में खराब था।

यह रऊफ के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से एक बड़ा झटका था क्योंकि उनके पूरे जीवन का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान के लिए खेलना है।राणा ने यह कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रऊफ को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया है और बोर्ड इस मुद्दे से निपटने में खराब और दयनीय था।उन्होंने कहा, रऊफ हमारे प्रमुख गेंदबाज हैं, शाहीन अफरीदी के बाद हमारे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित करना और उनके केंद्रीय अनुबंध को समाप्त करने की घोषणा करते हुए एक प्रेस रिलीज जारी करना, मैंने ऐसा कहीं भी नहीं देखा।

क्या PAK क्रिकेटर इफ्तिखार अहमद को मिला अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग जश्न का न्योता? शहनवाज दहानी का TWEET वायरल

नई दिल्ली. पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज शाहनवाज दहानी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली है, जो कुछ ही मिनटों में वायरल हो गई। इस पोस्ट में पाकिस्तान के सीनियर ऑलराउंडर इफ्तिखार अहमद की फोटो शेयर करते हुए दहानी ने लिखा कि आखिरी मौके पर उनके पास अंबानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन का न्योता आया है। इफ्तिखार इस फोटो में हाथ में एक पर्ची को बहुत ध्यान से पढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी इस साल जुलाई में होनी है, लेकिन इससे पहले तीन दिन का प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन किया गया, जो 1 मार्च से 3 मार्च तक चला। गुजरात के जामनगर में हुए इस फंक्शन में भारत ही नहीं दुनिया की तमाम दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की।इस फंक्शन के लिए भारत के साथ-साथ दुनिया के कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भी हिस्सा लिया। इन दिनों पाकिस्तान में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खेला जा रहा है, और कुछ खिलाड़ी तो इस टूर्नामेंट को बीच में छोड़कर इस खास जश्न में शामिल होने पहुंचे, जिसमें कीरोन पोलार्ड जैसा बड़ा नाम भी शामिल है। भारतीय क्रिकेटरों की बात करें तो सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, एमएस धोनी, जहीर खान जैसे कई बड़े नाम इस जश्न में हिस्सा लेते नजर आए।

अंबानी प्री-वेडिंग जश्न में कोई भी पाकिस्तानी क्रिकेटर नहीं नजर आया और ऐसे में दहानी की इस पोस्ट का जमकर मजाक भी बन रहा है। उन्हें इस पोस्ट के लिए जमकर ट्रोल भी किया जा रहा है। दहानी ने यह पोस्ट 4 मार्च को शेयर की और फंक्शन 1 से 3 मार्च तक ही था।शाहनवाज दहानी यहीं नहीं रुके। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी यह पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इफ्तिखार भाई को क्या करना चाहिए? जाना चाहिए या फिर नहीं जाना चाहिए? अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट के इस फंक्शन में रिहाना, एकॉन जैसे इंटरनेशनल स्टार्स ने भी परफॉर्म किया। इसके अलावा स्टेज पर शाहरुख खान, आमिर खान और सलमान खान साथ में डांस करते हुए भी दिखे।

डेविड वॉर्नर के टेस्ट से संन्यास के बाद स्टीव स्मिथ की जगह मार्नस लाबुशेन को करना चाहिए था ओपन... AUS के पूर्व क्रिकेटर ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली.एजेंसी

साल 2024 की शुरुआत में ही ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वॉर्नर ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज उनके करियर की आखिरी टेस्ट सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया वर्सेस पाकिस्तान टेस्ट सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 3 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया था, जो वॉर्नर के करियर का आखिरी टेस्ट मैच था और यह वॉर्नर के होम ग्राउंड पर खेला गया था।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्टार टेस्ट बैटर स्टीव स्मिथ ने इच्छा जताई कि वह वॉर्नर के बाद उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे। स्मिथ अभी तक कुल तीन टेस्ट मैचों में स्पेशलिस्ट सलामी बैटर के तौर पर खेलने उतर चुके हैं, लेकिन कुछ ज्यादा सफल नहीं हुए हैं। स्मिथ ने इन तीन टेस्ट मैचों की छह पारियों में क्रम से 12, नॉटआउट 11, 6, नॉटआउट 91, 31 और 0 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि स्मिथ की जगह मार्नस लाबुशेन को सलामी बैटर की भूमिका निभानी चाहिए थी।

मार्नस लाबुशेन पिछले कुछ समय से काफी खराब फॉर्म से भी जूझ रहे हैं और रन बनाने के लिए काफी संघर्ष करते नजर आए हैं। मार्क टेलर ने कहा, मुझे अच्छा लगता अगर स्टीव स्मिथ की जगह मार्नस लाबुशेन को बैटिंग ऑर्डर में ऊपर भेजा जाता क्योंकि स्टीव स्मिथ आपके लिए बेस्ट बैटर रहे हैं, पिछले 10 सालों में वह हमारे लिए सबसे अच्छे बैटर रहे हैं। तो बेहतर यही होता कि स्टीव स्मिथ वहीं बैटिंग करते जहां वो कर रहे थे और मार्नस लाबुशेन पारी का आगाज करते, लेकिन मार्नस इसको लेकर बिल्कुल इच्छुक नजर नहीं आए।

राधा यादव की यूट्यूब हिस्ट्री में जेमिमा रोड्रिगेज को मिले विराट कोहली के स्पेशल वीडियो, सरेआम पूछ डाली वजह

नई दिल्ली.एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2024 में 3 मार्च को गुजरात जायन्ट्स के खिलाफ 25 रनों से जीत दर्ज कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को और पुख्ता कर लिया है। दिल्ली कैपिटल्स की जीत के बाद वुमेंस प्रीमियर लीग के आधिकारिक ट्विटर (अब X) अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में जेमिमा रोड्रिगेज और राधा यादव के बीच बातचीत हो रही है। राधा और जेमिमा दोनों ही दिल्ली कैपिटल्स टीम का हिस्सा हैं। राधा यादव ने गुजरात जायन्ट्स के खिलाफ चार ओवर में महज 20 रन खर्चकर तीन विकेट चटकाए। वहीं जेमिमा के लिए यह मैच कुछ खास नहीं

रहा और वह 10 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हुई थीं। मैच के बाद जेमिमा ने बताया कि राधा हर मैच से पहले विराट कोहली के एग्रेशन वाले वीडियो देखकर खेलने उतरती हैं। जेमिमा और राधा की बातचीत का पूरा वीडियो जेमिमा ने मैच के बाद राधा को लेकर एक खुलासा किया और कहा,मैं राधा के फोन पर यूट्यूब पर गाने चला रही थी, और यूट्यूब हिस्ट्री में पता है क्या था? विराट कोहली एग्रेशन वीडियो, वो रोज मैच से पहले विराट कोहली एग्रेशन वीडियो देखकर जाती है। उसके बारे में जरा बताओ आपराधा यादव ने इस पर जवाब में कहा, मैच में थोड़ा पम्प्ड अप रहना चाहिए।

वो मेरे आइडल हैं, उनको मैं मैच से पहले हमेशा देखती हूं कि वो किस पैशन से खेलते हैं। तो मैं काफी रिलेट कर सकती हूं उनको, इसलिए मैं देखती हूं।इस पर जेमिमा ने कहा, बिल्कुल मुझे लगता है कि विराट भइया का भी आशीर्वाद सदा आपके ऊपर रहे। ऐसे ही खेलते रहो, मुस्कुराते रहो और एग्रेशन बनाए रहो।

पैट कमिंस बने सनराइजर्स हैदराबाद के नए कप्तान, SRH ने IPL 2024 से पहले किया बड़ा ऐलान

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2024 के लिए अपने नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। टीम ने पैट कमिंस को अपना नया कप्तान चुना है। एसआरएच ने इस ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज को मोटी रकम खर्च कर नीलामी में खरीदा था।

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार, 4 मार्च को आगामी आईपीएल 2024 के लिए अपने नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। टीम ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस को अपना नया कप्तान चुना है। पैट कमिंस कप्तानी के मामले में एडन मारक्रम को रिप्लेस करेंगे जिन्होंने पिछले सीजन एसआरएच की कमान संभाली थी। उनकी अगुवाई में हैदराबाद का परफॉर्मेंस बेहद खराब रहा था, टीम 14 में से 10 मैच हारकर पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 10वें पायदान पर रही थी। टीम का परफॉर्मेंस सुधारने के लिए हैदराबाद टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला लिया है।

पैट कमिंस पर सनराइजर्स हैदराबाद ने नीलामी में मोटा पैसा खर्च किया था। इस ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज को एसआरएच ने 20.50 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। ऐसे में उनका कप्तान बनना स्वभाविक था।पैट कमिंस के लिए क्रिकेट की दुनिया में पिछले 9 महीने बेमिसाल रहे हैं। उनकी अगवाई में ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता था, वहीं टीम एशेज रिटेन करने में भी कामयाब रही थी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया 2023 में भारत में हुए वर्ल्ड कप को भी जीतने में सफल रही थी।कमिंस को पिछले साल आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुने जाने के साथ-साथ आईसीसी टेस्ट टीम का कप्तान भी नियुक्त किया गया था।

उम्मीद है पैट कमिंस की अगुवाई में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन इस साल सुधरेगा। बता दें, टीम ने अपना आखिरी खिताब 2016 में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान डेविड वॉर्नर की अगुवाई में जीता था।सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2024 स्क्वॉड पैट कमिंस (कप्तान), अब्दुल समद, अभिषेक शर्मा, एडेन मार्कराम, मार्को जानसन, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, सनवीर सिंह, हेनरिक क्लासेन, भुवनेश्वर कुमार, मयंक अग्रवाल, टी. नटराजन, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक मारकंडे, उपेन्द्र सिंह यादव, उमरान मलिक, नीतीश कुमार रेड्डी, फजलहक फारूकी, शाहबाज अहमद, ट्रैविस हेड, वानिंद हसरंगा, जयदेव उनादकट, आकाश सिंह, जथावेध सुब्रमण्यन।

विराट कोहली के साथ हुए विवाद से नवीन उल हक ने उठाया पर्दा- बोले- गंभीर इसलिए गुस्सा हुए थे क्योंकि...

नवीन उल हक ने बताया कि गौतम गंभीर उस मैच में (बैंगलोर वाले) इसलिए गुस्सा हो गए क्योंकि हमें एक बॉल पर एक रन चाहिए था और बॉलर आकर हमारे नॉन स्ट्राइकर को मांकड़ (रन आउट) करना चाहता था

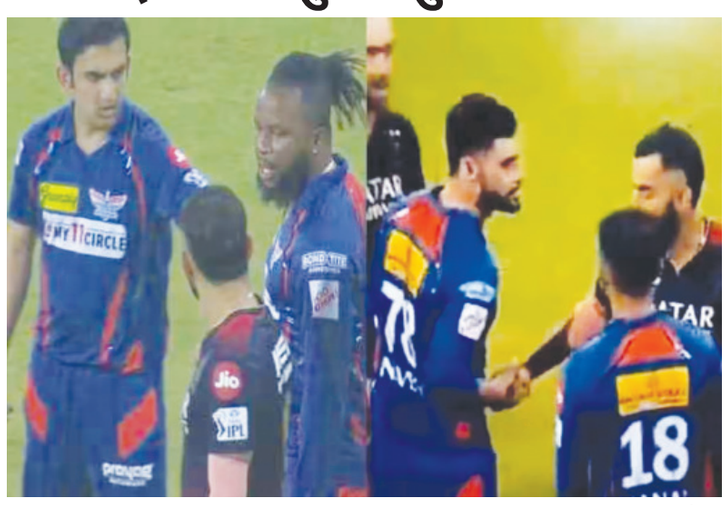

नई दिल्ली.अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक ने एक बार फिर आईपीएल 2023 में विराट कोहली के साथ हुई भिड़ंत को याद किया है। इस दौरान उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया है कि गौतम गंभीर ने क्यों बैंगलोर के क्राउड को चुप रहने का इशारा किया था।

बता दें, पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच खेले गए दोनों मुकाबलों ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। जब लखनऊ की टीम बैंगलोर कई थी तो मैच का काफी रोमांचक अंत हुआ था, मैच खत्म होने के बाद गंभीर ने बैंगलोर के क्राउड की ओर चुप रहने का इशारा किया था। इसके बाद जब विराट कोहली लखनऊ के मैदान पर खेलने पहुंचे थे तो उन्होंने एलएसजी के खिलाड़ियों की स्लेजिंग कर इसका बदला लिया था। इस दौरान कोहली की नवीन उल हक और गौतम गंभीर के साथ भी गहमागहमी हो गई थी।जाल्मी टीवी के यूट्यूब पॉडकास्ट पर नवीन उल हक ने इस मुद्दे पर कहा, हम अपना अवे मैच खेलने बैंगलोर गए थे, इसकी शुरुआत वहां से हुई थी...हम वो मैच जीते थे। काफी करीबी मुकाबला था और हमने स्कोर चेज किया था...मैच जीतने के बाद हमारे एक खिलाड़ी (आवेश खान) ने आखिरी रन के बाद अपने हेलमेट जमीन पर मारा था। मुझे लगता है कि उनको (विराट कोहली) यह चीज पसंद नहीं आई थी।उन्होंने आगे कहा, इस घटना के बाद उनकी टीम लखनऊ आई थी, हमारे होम ग्राउंट पर। तो जब वो लोग मैच जीत रहे थे तो...मैं उस समय 9वें या 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने गया था..उस टाइम पर हम ओलमोस्ट मैच हार चुके थे...उस समय लग नहीं रहा था कि मुझे कोई स्लेज करेगा क्योंकि डेड गेम था, वो लोग जीत रहे थे। तब मेरे साथ स्लेजिंग हुई थी...जब कोई स्लेजिंग स्टार्ट करता है तो मैं पीछे नहीं रह पाता...मेरा नेचर ऐसा ही है...चाहे जो भी जैसे भी हो...वो स्लेजिंग हुई थी उसके बाद हैंडशेक में भी बातचीत आगे बढ़ी थी।नवीन साथ ही बोले, जब मेरी स्लेजिंग हो रही थी तो विराट कोहली और मोहम्मद सिराज थे...और मैंने भी बस उसका जवाब दिया था कुछ पर्सनल नहीं गए थे। गौतम गंभीर उस मैच में (बैंगलोर वाले) इसलिए गुस्सा हो गए क्योंकि हमें एक बॉल पर एक रन चाहिए था और बॉलर आकर हमारे नॉन स्ट्राइकर को मांकड़ (रन आउट) करना चाहता था और वह लास्ट विकेट थी।

काजोल मुखर्जी

ने बहन तनीषा को बेहद प्यारे अंदाज में किया बर्थडे विश, लिखा ये खास मैसेज

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी आज 3 मार्च को अपना 46 वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस और परिवार के लोग उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। ऐसे में बड़ी बहन काजोल ने भी सोशल मीडिया पर तनीषा के साथ एक खास तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें बर्थडे विश किया है।

काजोल ने ऐसे किया तनीषा को विश

काजोल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर तनीषा मुखर्जी के साथ एक तस्वीर शेयर की। इस फोटो में एक्ट्रेस मुस्कुराते हुए कैमरा के सामने पोज देते हुए नजर आ रही हैं। फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, मेरी यंग सिस्टर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आपका जीवन सदैव प्रकाश, प्रेम और हंसी से भरा रहे। तुम्हें बेहद प्यार करती हूं।

तनीषा ने दिया ऐसा रिएक्शन

काजोल के इस पोस्ट पर तनीषा मुखर्जी ने भी अपना रिएक्शन दिया है। तनीषा ने कमेंट सेक्शन में कमेंट करते हुए लिखा, लव यू माय बेबी, फॉरएवर एंड एवर इसके अलावा तनीषा के कई फैंस ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। एक यूजर ने लिखा, हैप्पी बर्थडे तनीषा मैम। एक अन्य यूजर ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तनीषा...अपना आकर्षण फैलाती रहो।

तनीषा का बॉलीवुड करियर

तनीषा हाल ही में 'झलक दिखला जा' के 11वें सीजन में भी नजर आई थीं। वहीं, उनके बॉलीवुड करियर की बात करें, तो तनीषा ने साल 2003 में फिल्म 'श्श' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'सरकार' और 'सरकार राज', 'तुम मिलो तो सही', 'एशा', 'कोड नेम अब्दुल' समेत कई फिल्म में काम किया।

'बिग बॉस 7' में लिया था हिस्सा

तनीषा मुखर्जी ने फिल्मों के अलावा 'बिग बॉस 7' में भी बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लिया था। इस सीजन को गौहर खान ने जीता था। वहीं, तनीषा शो की पहली रनरअप रही थीं।

इंडियन आइडल का वो विनर, जो रातों-रात बना था स्टार, अब गुमनामी में जी रहा ज़िंदगी

ग्लैमर की दुनिया में कब कौन सा एक्टर बड़ा स्टार बन जाए ये कोई नहीं जानता. अक्सर ये भी देखा गया है कि जो अचानक रातों-रात स्टार बनता है, उसे गुमनाम होने में भी देर नहीं लगती. रियलिटी शो के जरिए कई लोगों की किस्मत अचानक चमकी है. कुछ लोग इस चमक को बरकरार रख पाते हैं, तो कोई गुमनामी के अंधेरे में खो से जाते हैं. आज रियलिटी शो इंडियन आइडल सीजन 14 का फिनाले है. आज हम आपको इंडियन आइडल सीजन 1 के विनर अभिजीत सावंत के बारे में बताने जा रहे हैं, जो गुमनामी की जिंदगी जी रहे हैं.म्यूजिक रियलिटी शो इंडियन आइडल से अभिजीत सावंत को काफी फेम मिला था. इस शो को जीतने के बाद वह काफी चर्चा में छाए थे. 20 साल पहले इस शो की शुरुआत हुई थी. इस रियलिटी शो को आज भी घर-घर में देखा जाता है. लंबे वक्त से अभिजीत सावंत इंडस्ट्री से दूरी बनाए हुए है. उन्होंने कई साल पहले गाना छोड़ दिया था. लेकिन सिंगर अक्सर स्टेज शो करके लाखों कमाते रहते हैं.इंडियन आइडल सीजन 1 के बाद रातों-रात अभिजीत स्टार बन गए थे. शो के बाद उन्होंने अपनी एल्बम 'आप का अभिजीत' भी रिलीज की थी. जिसका एक गाना काफी हिट साबित हुआ था. गाने का नाम गाना 'मुहब्बतें लुटाऊंगा' था. उनकी दूसरी एल्बम का टाइटल ट्रैक 'जुनून' एक बड़ा हिट साबित हुआ. अभिजीत की शुरुआत काफी शानदार रही थी, लेकिन वह इंडस्ट्री में ज्यादा वक्त तक टिक नहीं पाए. लंबे वक्त से इंडस्ट्री में उनके नाम का कोई जिक्र नहीं है.

अभिजीत ने अपनी पत्नी शिल्पा के साथ डांस रियलिटी शो 'नच बलिए' (सीजन 4) में हिस्सा लिया था. उन्होंने एक्टिंग की दुनिया भी हाथ आजमाया था. फिल्म 'लॉटरी' में अभिजीत ने काम किया था और ये फिल्म सुपरफ्लॉप हुई थी. अभिजीत ने अपने बयानों के चलते भी सुर्खियां बटोरी थीं. उनका कहना था कि इन दिनों मेकर्स कंटेस्टेंट्स की ट्रैजिक स्टोरीज पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं. पिछले कई सालों में उनका एक भी नया गाना रिलीज नहीं हुआ है. लेकिन वह स्टेज से काफी प्यार करते हैं और स्टेज शोज आज भी करना पसंद करते हैं.

कौन हैं आशुतोष पवार? जिन्होंने 'बिहार की बेटी' मनीषा रानी को बना दिया झलक का विनर

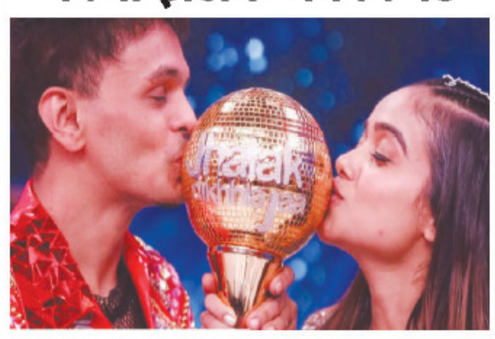

अपने पसंदीदा स्टार के परफॉर्मेंस तो सभी एन्जॉय करते हैं, लेकिन इस परफॉर्मेंस के पीछे मेहनत होती है कोरियोग्राफर की. डांस रियलिटी शो में हर एक परफॉर्मेंस को कोरियोग्राफ करने के लिए कोरियोग्राफर के साथ-साथ असिस्टेंट कोरियोग्राफर की टीम काम करती है, लेकिन काफी कम बार कैमरा के पीछे काम करने वाले इन बेहतरीन डांसर्स को कैमरे के सामने आने का मौका मिलता है. बिहाइंड द कैमरा काम करने वाले सितारों में से एक हैं कोरियोग्राफर आशुतोष पवार. कई सालों से सेलिब्रिटीज के डांसिंग एक्ट डिजाइन करने वाले आशुतोष को मनीषा रानी का डांसिंग पार्टनर बनकर 'झलक दिखला जा' में शामिल होने का मौका मिला.13 साल के लंबे इंतजार के बाद मिले इस मौके का आशुतोष ने पूरा फायदा उठाया और अपनी डांसिंग पार्टनर मनीषा रानी को उन्होंने 'झलक दिखला जा' की विनर बना दिया. आपको बता दें, आशुतोष 'झलक दिखला जा' सीजन 11 की शुरुआत से इस शो से जुड़े हुए थे. वो विवेक दहिया की टीम में बतौर असिस्टेंट कोरियोग्राफर काम कर रहे थे. जब विवेक शो से बाहर हुए और शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री होने वाली थी. तब मेकर्स ने आशुतोष को वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट का डांसिंग पार्टनर बनने का मौका दिया.

सालों बाद मिला कैमरा के सामने आने का मौका

टीवी 9 हिंदी डिजिटल के साथ की एक्सक्लूसिव बातचीत में आशुतोष ने झलक के बारे में बात करते हुए बताया कि 13 साल से मैं इस फील्ड में कैमरा के पीछे काम कर रहा हूं. मुझे इस बात की बिल्कुल उम्मीद ही नहीं थी कि मुझे कैमरा के सामने आने का मौका दिया जाएगा. मैं नर्वस भी था. फिर दोस्तों के साथ सलाह-मशविरा किया और उन्होंने मेरी हौसला अफजाई करते हुए मुझे ये सलाह दी कि मुझे ये शो करना चाहिए, क्योंकि आखिरकार वो समय आ गया है, जिसका मुझे इंतजार था.

आगे आशुतोष बोले, जब मुझे पता चला कि मनीषा रानी मेरी डांसिंग पार्टनर हैं और उन्हें मुझे कोरियोग्राफ करना होगा. तब मैं बहुत डर गया था, क्योंकि वो एक अच्छी डांसर भी थीं और बहुत ज्यादा पॉपुलर सेलिब्रिटी भी. सब को लगता है कि एक अच्छे डांसर को डांस रियलिटी शो में कोरियोग्राफ करना आसान होता है, लेकिन ये सच नहीं है.

प्रेग्नेंट

दीपिका पादुकोण

के बेबी बंप संग फोटो सही से न क्लिप करने पर Ranveer से चिढ़े Orry

ओरी के नाम से मशहूर ओरहान अवात्रामणि को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। बड़े-बड़े बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की पार्टीज में अक्सर अपनी तस्वीरों से ओरी लाइमलाइट चुरा लेते हैं। इन दिनों वह अंबानी खानदान के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट (Radhika Merchant) के प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होने के लिए जामनगर में हैं।2 मार्च की रात को राधिका और अनंत के प्री-वेडिंग का दूसरा दिन था और इस दिन शानदार परफॉर्मेंस के साथ जश्न मनाया गया। ओरी भी पार्टी में शामिल हुए और उनका एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। क्लिप में वह दीपिका पादुकोणके साथ फोटो क्लिक करवाने के लिए मशक्कत करते दिखाई दिए।

फोटो के लिए रणवीर से चिढ़े ओरी

दरअसल, ओरी को प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण के साथ फोटो चाहिए थी। पहले कोई और शख्स उनकी साथ में फोटो क्लिक करता है। बाद में फोटोग्राफी की कमान रणवीर सिंह ने संभाली, लेकिन वह भी ओरी के मन मुताबिक फोटो नहीं खींच पा रहे थे। इस बात से ओरी थोड़ा झल्ला गए। फिर दीपिका ने उन्हें समझाया और रणवीर भी फोटो लेने के लिए टिके रहे।

क्लिप में देखा जा सकता है कि ओरी प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण के बेबी बंप पर हाथ रखकर फोटो क्लिक करवा रहे हैं। वह बार-बार रणवीर को समझा रहे हैं कि कैसे फोटो लेनी है। इस बीच वह मन के हिसाब से तस्वीर न लेने पर वह रणवीर से चिढ़चिढ़े होकर बात भी करते नजर आए। सोशल मीडिया पर ओरी का ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। कुछ लोग इस बात के लिए उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। बता दें कि कुछ दिन पहले ही रणवीर और दीपिका ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। दीपिका सितंबर में पहले बच्चे को जन्म देंगी। शादी के 6 साल बाद दोनों माता-पिता बनने जा रहे हैं। कपल ने 2018 में इटली में शादी रचाई थी।